वर्ष-14 - अंक 135
पृष्ट-08 मूल्य : 02 रुपया

सीतापुर
सोमवार ,24 अगस्त 2026

RNI.No. UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.......
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

सीएचसी काकोरी में बदहाल व्यवस्थाओं का दद..... 3
प्राइवेट स्कूल की फीस, किताबों का सौदा और ड्रेस के ढेर में........ 4
72 लाख की लूट का मास्टरमाइंड निकला ड्राइवर....... 08

नई टीम, नया टारगेट BJP ने 2027 के लिए कसी कमर

Gen-Z को साधने के लिए बना प्लान

सरकार के पास जनता को बताने के लिए बहुत कुछ है. उसे सकारात्मक रुप से जनता तक कैसे पहुंचाया जाए ? यह एक चुनौती है, जिसे संगठन के सभी सदस्यों को समझना होगा. दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में नई संगठनात्मक टीम की दो-दिवसीय महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक चल रही है. 23 अगस्त 2026 को इस बैठक का दूसरा दिन है, जिसमें संगठन की समीक्षा और आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीतियों पर मंथन किया जा रहा है. बैठक में देश भर के सभी प्रदेश अध्यक्ष, संगठन महामंत्री और राज्यों के प्रभारी हिस्सा ले रहे हैं. बैठक में वर्ष 2027 में होने वाले सात राज्यों के विधानसभा चुनावों को लेकर भी विस्तृत चर्चा हो रही है. खास तौर पर उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों और चुनावी तैयारियों की समीक्षा की जा रही है. बैठक में जिन विषयों में प्रमुखता से चर्चा हुई. उनमें जनता के बीच अपनी सकारात्मक बातों को कैसे पहुचायी जाए, यह सबसे अहम रहा. बैठक में सदस्यों को इस बात को बताया गया कि हमारे पास लोगों को बताने के लिए बहुत कुछ है. जरूरत इस बात की है कि उसे सही तरीके से जनता के बीच कैसे ले जाया जाए ?

युवाओं के बीच जाएगी BJP

बैठक में इस बात पर भी चर्चा हुई कि हाल की राजनीतिक परिस्थितियों के मद्देनजर युवाओं के बीच कैसे अपनी बात रखी जाए ? इसके लिए इस बात पर भी मंथन हुआ कि विश्वविद्यालयों और कैम्पस में नेता जाएं और युवाओं के बीच अपनी बात रखें. इसके साथ उनकी बातों को भी सुनें, जिससे कि यह पता चले कि आखिरकार देश का युवा क्या सोच रहा है और उसके सरकारी योजनाओं के बारे में पता है भी नहीं. पार्टी ने युवा वोटर्स (Gen-Z) से सीधे संपर्क साधने के लिए एक विशेष टीम बनाए जाने पर भी चर्चा हुई है. इस टीम में राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी और विनोद तावड़े जैसे वरिष्ठ नेता को भी शामिल किया जाए, जिसके मार्गदर्शन में लोग काम कर।

नई टीम में है नई ऊर्जा

शनिवार को हुई बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए थे. उन्होंने नई टीम को जमीनी स्तर पर लोगों से जुड़ने और संगठन को मजबूत करने का मूलमंत्र दिया. इस मूल मंत्र को कैसे अक्षरशः लागू किया जाए, उसपर चर्चा हुई. बैठक में इस बात का दावा किया गया कि भारतीय जनता पार्टी की इस नीम में 65 सदस्य हैं. इनमें नई राष्ट्रीय टीम में 51 नए चेहरों को शामिल किया गया है. इसमें अनुभव, युवाओं और महिलाओं का संतुलन रखा गया है. इसका फायदा पार्टी को कैसे मिले यह सुनिश्चित करना जरूरी है. हाल के दिनों में कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं. बैठक में वर्ष 2027 में होने वाले सात राज्यों के विधानसभा चुनावों पर भी मुख्य चर्चा हो रही है. विशेष रूप से उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों की समीक्षा की जा रही है।

मनुस्मृति और महिला आरक्षण पर क्या बोलीं स्मृति

दूसरी ओर, बैठक के बाद स्मति ईरानी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह कहा कि मैं महिलाओं का इज्जत करता हूं. महिला आरक्षण का यह संकल्प देश भर में लागू करने के लिए प्रधानमंत्री का सहयोग करें, इसीलिए क्योंकि कांग्रेस पार्टी के एक अहम नेता ने महिलाओं और महिलाओं के नेतृत्व के समर्थन की बात की है. मैं उनसे कहना चाहती हूं कि विनम्रता पूर्वक कृपया प्रधानमंत्री के मुहिम को देश की महिलाओं को संसद में नेतृत्व करने के लिए 33% आरक्षण का बिल त्वरित रूप से लागू हो इस प्रयास में प्रधानमंत्री जी का सहयोग करें. उन्होंने कहा किमैं यह भी जानती हूं कि कल कांग्रेस के उसे नेता के मंच पर हिंदू धर्म को लेकर बातें हुई. हम यह कहते हैं कि.. यत्र नार्यस्तु पूजन्ते तत्र रमंते देवता.. लेकिन साथी हमारे धर्म में हमें मां भगवती मां लक्ष्मी मां सरस्वती की आराधना करते हैं. मैं एक और निवेदन करती हूं कि वंदे मातरम् में भी जिन पंक्तियों को कांग्रेस मुख्यालय में रोका गया, उन पंक्तियों में मां दुर्गा का उल्लेख है. दुर्गा स्वरूप को हम शक्ति के केंद्र की दृष्टि से उपासना करते हैं, उसे दुर्गा मां का जय घोष वंदे मातरम का पूरा मंचन पूरा गायन कांग्रेस मुख्यालय में हो।

आरक्षण व्यवस्था को खत्म करना चाहती है BJP

अखिलेश से मुलाकात के बाद संजय सिंह का हमला

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद और उत्तर प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने लखनऊ में सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से उनके आवास पर मुलाकात की. मुलाकात के दौरान आरक्षण, पिछड़े वर्गों के अधिकार और संविधान की रक्षा समेत कई अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई. मुलाकात के बाद संजय सिंह ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी संविधान और आरक्षण के लिए सबसे बड़ा खतरा है. उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी ने एक बार फिर आरक्षण व्यवस्था को खत्म करने की कोशिशें तेज कर दी हैं संजय सिंह ने यूपी की 69 हजार शिक्षक भर्ती का मुद्दा भी उठाया. उन्होंने आरोप लगाया कि योगी सरकार ने 69 हजार शिक्षक भर्ती में पिछड़े वर्गों के अधिकारों से वंचित किया. उन्होंने कहा कि पिछड़े समुदायों के अधिकारों की लड़ाई सड़क से लेकर संसद और सुप्रीम कोर्ट तक लड़ी जाएगी. संजय सिंह के मुताबिक, अखिलेश यादव के साथ बैठक में इन मुद्दों के अलावा कई अन्य राजनीतिक और सामाजिक विषयों पर भी विस्तृत चर्चा हुई. मुलाकात को आगामी राजनीतिक रणनीति और विपक्षी एकजुटता के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है.

संजय सिंह ने शिक्षा व्यवस्था पर उठाए सवाल

संजय सिंह राज्य की शिक्षा व्यवस्था पर लगातार हमला बोल रहे हैं. इससे पहले एक्स पर अपने पोस्ट में राज्य की शिक्षा व्यवस्था पर हमला बोला. उन्होंने लिखा कि उत्तर प्रदेश में हर जगह सरकारी स्कूल बर्बाद हो रहे हैं, जिसके खिलाफ आम आदमी पार्टी मजबूती से अभियान चला रही है, बौद्ध प्रांत के स्कूलों की हालत देखिए. सुल्तानपुर से लेकर सिद्धार्थनगर और प्रतापगढ़ तक सरकारी स्कूल बदहाल हैं, कहीं छत नहीं तो कहीं सफाई नहीं, कहीं बिल्डिंग जर्जर तो टीचर ही नहीं. एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, सोनभद्र के वि.ख. करमा का प्राथमिक विद्यालय 'बसवा निष्ट'-जहां बच्चे शिक्षा नहीं, कीचड़, सीलन और गिरते पलस्तर के बीच खौफ से गुजर रहे हैं! 'डबल इंजन' का कायाकल्प क्या सिर्फ विज्ञापनों और कागजों तक सीमित है ?

संजय सिंह ने योगी सरकार से मांगा जवाब

उन्होंने सवाल किया कि देश का भविष्य ऐसे खंडहरों में कैसे संवरेगा ? सोनभद्र में ॢक्क कार्यकर्ताओं ने बीजेपी सरकार की शिक्षा व्यवस्था को किया श्व×श्चश्वह्वद्द जवाब दीजिए योगी सरकार, इन मासूमों को इनका हक कब मिलेगा

बरेली: लव मैरिज के एक महीने बाद युवक की मौत, घर में फंदे से लटका मिला शव

उत्तर प्रदेश के बरेली के सीबीगंज थाना क्षेत्र के गांव नवदिया में उस समय हड़कंप मच गया, जब 28 वर्षीय फैजान का शव घर में फंदे से लटका मिला. फैजान ने करीब एक महीने पहले ही प्रेम विवाह किया था. निकाह के बाद वह अपनी पत्नी जास्मीन के साथ परिवार से अलग रह रहा था. युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतरवाया और पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया. पत्नी जास्मीन के मुताबिक, शनिवार रात फैजान ने खाना खाया और इसके बाद दोनों सो गए. रात में ऐसी कोई बात नहीं हुई, जिससे उसे अंदाजा हो कि फैजान इतना बड़ा कदम उठा सकते हैं. जब जास्मीन की आंख खुली तो उसने फैजान को पंखे से दुपट्टे के सहारे लटका देखा. यह देखकर उसके होश उड़ गए. उसने तुरंत मायके और ससुराल के लोगों को घटना की जानकारी दी।

प्रेम विवाह के बाद परिवार से दूरी

परिजनों की सूचना पर सीबीगंज पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने कमरे की जांच करने के बाद शव को फंदे से नीचे उतरवाया. इसके बाद पंचनामा भरकर शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया. पुलिस अब युवक की मौत के पीछे की वजह जानने के लिए सभी पहलुओं की जांच कर रही है. जास्मीन ने बताया कि दोनों ने करीब एक महीने पहले प्रेम विवाह किया था. निकाह के बाद से ही दोनों अलग रह रहे थे. उसका कहना है कि प्रेम विवाह से फैजान के परिवार के लोग खुश नहीं थे और उन्होंने उससे संबंध रखने से इन्कार कर दिया था. परिवार से दूरी बनने के कारण फैजान काफी तनाव में चल रहे थे. जास्मीन ने इसी तनाव को फैजान की आत्महत्या की वजह बताया है।

परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप

हालांकि, फैजान के परिजनों ने युवक के शव के सिर से खून निकलने की बात कही है और कुछ गंभीर आरोप भी लगाए हैं. इस वजह से मामले को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं. पुलिस का कहना है कि अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी. पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की सही वजह साफ हो सकेगी. फैजान दो भाइयों और एक बहन में सबसे बड़ा था. वह एक निजी अस्पताल में वार्ड बॉय के तौर पर नौकरी करता था।

उसकी मौत की खबर से परिवार में मातम पसरा हुआ है. मां जीनत निशा का रो-रोकर बुरा हाल है. वहीं पत्नी जास्मीन भी घटना के बाद से सदमे में है. पुलिस का कहना है कि शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है. परिजनों के आरोप और पत्नी के बताए कारण समेत सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है. पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि फैजान की मौत किन परिस्थितियों में हुई।

संक्षिप्त खबरें

जम्मू-कश्मीर की श्रीनगर सेंट्रल जेल से POCSO के दो कैदी फरार लुकआउट नोटिस जारी

जम्मू-कश्मीर की श्रीनगर सेंट्रल जेल से पुलिस की नाक के नीचे से POCSO के दो कैदी फरार हो गए. मामला सामने आने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया. पुलिस ने तुरंत दोनों आरोपियों को धरपकड़ के लिए लुकआउट नोटिस जारी किए हैं. श्रीनगर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने घटना की पुष्टि की है. पुलिस ने उन दोनों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया है. कश्मीर से बाहर निकलने वाले सभी रास्तों के लिए अलर्ट जारी कर दिए गए हैं. पुलिस अधिकारी ने कहा कि POCSO के अलग-अलग मामलों में श्रीनगर सेंट्रल जेल में बंद दो आरोपी जेल से भाग गए हैं. उनके भागने के बाद, उन्हें खोजने और पकड़ने के लिए लुकआउट नोटिस जारी किए गए हैं. कश्मीर जोन पुलिस द्वारा ङ्क पर साझा किए गए नोटिस के अनुसार, अनंतनाग के सांगलन चित्तरगुल निवासी मोहम्मद रफीक गुज्जर के बेटे मुख्तार अहमद गुज्जर को सौरा पुलिस स्टेशन में दर्ज पोक्सो की स्नद्बक्रमें वांछित घोषित किया गया है.

पुलिस ने जनता से की अपील

नोटिस में कहा गया है कि दूसरा आरोपी, सदनपोरा रेगिस्तान निवासी अब्दुल गनी खान का बेटा फरमान खान, लार पुलिस स्टेशन में दर्ज स्नद्बक्र में वांछित है. पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे ऐसी कोई भी जानकारी साझा करें जिससे दोनों आरोपियों को खोजने और गिरफ्तार करने में मदद मिल सके.

जानकारी देने पर मिलेगा इनाम

पुलिस ने कहा, 'उनकी गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी देने पर उचित इनाम दिया जाएगा.' जिन लोगों के पास उनके ठिकाने के बारे में कोई जानकारी हो, उनसे निकटतम पुलिस स्टेशन से संपर्क करने या 112 नंबर डायल करने को कहा गया है. आगे की जांच और भागे हुए आरोपियों को खोजने के प्रयास जारी हैं.

वाराणसी में 116 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा, मुख्य आरोपी समेत 4 गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में साइबर ठगी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. साइबर क्राइम सेल और थाना चेतगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो लोगों को कमीशन का लालच देकर उनके नाम पर फर्म और बैंक खाते खुलवाता था. इन खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी, इन्वेस्टमेंट फ्रॉड और बेटिंग एप से जुड़ी रकम के लेनदेन में किया जाता था. पुलिस ने गिरोह के सरगना समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों में बिहार के रोहतास जिले के सासाराम निवासी नीतीश कुमार पाण्डेय भी शामिल है, जिसे गिरोह का सरगना बताया जा रहा है. जांच के दौरान आरोपियों से जुड़े 41 बैंक खातों की जानकारी सामने आई. इन खातों के संबंध में नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (NCRP) पर कुल 143 शिकायतें दर्ज मिलीं. शिकायतों की जांच में करीब 116.86 करोड़ रुपये की साइबर धोखाधड़ी का पता चला है।

कमीशन का लालच देकर बनाते थे शिकार

पुलिस की जांच में सामने आया कि गिरोह के सदस्य लोगों को कमीशन देने का लालच देकर उनके नाम पर फर्म और बैंक खाते खुलवाते थे. इसके बाद इन खातों की बैंकिंग डिटेल और अन्य जरूरी जानकारी अपने कब्जे में लेकर साइबर ठगी से हासिल रकम को अलग-अलग खातों में ट्रांसफर किया जाता था. इस तरह ठगी की रकम को कई स्तरों पर घुमाकर उसके असली स्रोत को छिपाने की कोशिश की जाती थी।

XePay APK से OTP हासिल करने का आरोप

पुलिस के अनुसार आरोपी XePay APK का इस्तेमाल कर मोबाइल में SMS Forwarding सक्रिय करते थे. इसके जरिए बैंकिंग लेनदेन से संबंधित OTP और अन्य संदेश हासिल किए जाते थे. इसके बाद इन जानकारियों का इस्तेमाल ठगी की रकम को ट्रांसफर करने में किया जाता था. पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और खातों की भी जानकारी जुटा रही है।

भारी मात्रा में सामान बरामद

गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने सात मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, 19 चेकबुक, 40 डेबिट कार्ड और 48 त्तक्र स्कैनर बरामद किए हैं. इसके अलावा दो वाहन भी पुलिस के हाथ लगे हैं. बरामद सामान की जांच की जा रही है, ताकि साइबर ठगी के नेटवर्क से जुड़े अन्य मामलों का पता लगाया जा सके. पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि गिरोह ने कितने लोगों के नाम पर खाते और फर्म खुलवाई थीं और देश के किन-किन हिस्सों में साइबर ठगी की रकम भेजी गई. साथ ही बेटिंग एप और इन्वेस्टमेंट फ्रॉड से जुड़े लेनदेन की भी जांच की जा रही है. अधिकारियों का कहना है कि जांच आगे बढ़ने के साथ गिरोह से जुड़े अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी और ठगी की रकम के संबंध में और खुलासे हो सकते हैं।

रिश्तों का कत्ल! छतरपुर में शराबी बेटे ने की मां की हत्या पैसों को लेकर हुआ था विवाद

मध्य प्रदेश के छतरपुर में रिश्तों को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है. यहां एक बेटे पर अपनी ही मां की बेरहमी से हत्या करने का आरोप लगा है. पुलिस के मुताबिक, शराब के नशे में पैसे मांगने को लेकर मां और बेटे के बीच विवाद हुआ था. विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने अपनी मां पर पत्थर और फुकनी से हमला कर दिया. गंभीर चोट लगने के कारण महिला की मौत हो गई. पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, थाना क्षेत्र में एक महिला और उसके पुत्र के बीच विवाद होने की सूचना मिली थी. सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची. वहां महिला मृत अवस्था में पड़ी मिली. इसके बाद पुलिस ने घटनास्थल की जांच शुरू की और परिवार के लोगों तथा आसपास के लोगों से पूछताछ की. जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मृतका के बेटे झार सिंह का अपनी मां से विवाद हुआ था. आरोप है कि झार सिंह शराब के नशे में घर पहुंचा और अपनी मां से पैसे मांगने लगा. पैसे को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई. देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोपी ने मां पर हमला कर दिया।

पत्थर और फुकनी से किया हमला

पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने मां के सिर, हाथ और पैर पर पत्थर तथा फुकनी से वार किए. हमले में महिला को गंभीर चोटें आई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई. घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. एसपी रजत सकलेचा ने बताया कि महिला और उसके पुत्र के बीच विवाद की सूचना पुलिस को मिली थी. मौके पर पहुंचने पर महिला मृत अवस्था में मिली. पूछताछ और सामने आए साक्ष्यों के आधार पर महिला के बेटे झार सिंह की भूमिका सामने आई. पुलिस के मुताबिक, शराब के नशे में पैसे मांगने को लेकर हुए विवाद के दौरान आरोपी ने अपनी मां पर पत्थर और फुकनी से हमला किया था, जिससे उसकी मौत हो गई।

शराब के नशे में की हत्या

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. मामले में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है. पुलिस घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच कर रही है. शुरुआती जांच में विवाद की वजह पैसे और आरोपी का नशे में होना सामने आया है. पुलिस की कार्रवाई के बाद अब आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश करने की प्रक्रिया की जा रही है. मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

छतरपुर में सनकी प्रेमी का खौफनाक कदम प्रेमिका के लिए उसके दो मासूम बच्चों की कर दी हत्या कुएं में मिले शव

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के लवकुशनगर थाना क्षेत्र में दो मासूम भाइयों की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है. दो दिन से लापता दोनों बच्चों के शव रविवार को पहाड़ तरे के पुरवा और पुरवा बम्होरी गांव के पास एक कुएं में तैरते मिले. घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया. मौके पर भारी पुलिस बल पहुंचा और दोनों शवों को कुएं से बाहर निकाला गया. मृतकों की पहचान कृषि उपज मंडी के पीछे रहने वाले निरपत सिंह यादव के बेटों सचिन यादव (करीब 12 वर्ष) और प्रेम यादव (करीब 8 वर्ष) के रूप में हुई है. परिजनों के मुताबिक, दोनों भाई दो दिन पहले स्कूल गए थे. स्कूल की छुट्टी के बाद दोनों घर लौट रहे थे, लेकिन वापस नहीं पहुंचे. काफी तलाश के बाद भी जब बच्चों का पता नहीं चला तो परिजनों ने लवकुशनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

खिलाने के बहाने बच्चों को ले जाने का आरोप

परिजनों के मुताबिक, दोनों बच्चे आरोपी बालेंद्र सिंह को पहले से जानते थे. आरोप है कि बालेंद्र दोनों भाइयों को खिलाने के बहाने अपने साथ ले गया था. इसके बाद दोनों बच्चे घर नहीं लौटे. पुलिस ने शिकायत के आधार पर अपहरण का मामला दर्ज कर बच्चों की तलाश शुरू की।

रक्षा मंत्रालय में अफसर, लेकिन घर में प्रताड़ना

3 महीने की गर्भवती नाजिया की मौत ने खड़े किए कई सवाल, ससुराल वालों पर FIR

द्वारका जिले के भरथल गांव में रक्षा मंत्रालय में असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर (ASO) 30 साल नाजिया खानम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में पुलिस ने FIR दर्ज कर ली है. नाजिया के परिवार वालों ने ससुराल वालों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है. पुलिस के मुताबिक, नाजिया के पिता की शिकायत पर स्नद्बक्रदर्ज की गई है. शिकायत में ससुरालवालों पर नाजिया को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप लगाए गए हैं. परिवार का आरोप है कि नाजिया की शादी 11 अप्रैल को मुस्लिम रीति रिवाज से आजम अली खान से हुई थी. शादी के कुछ समय बाद से ही नाजिया को उसके पति, सास और ससुर की ओर से परेशान किया जा रहा था. आरोप है कि उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की जाती थी और उसे घर से निकालने और जान से मारने की धमकी भी दी जाती थी।

घरवालों को नाजिया ने बताया था अपना हाल

शिकायत में ये भी कहा गया है कि नाजिया करीब तीन महीने की गर्भवती थी और इसके बावजूद कथित तौर पर उसके साथ प्रताड़ना जारी रही. परिवार के मुताबिक, नाजिया फोन पर समय-समय पर अपने साथ हो रहे व्यवहार की जानकारी देती थी. परिवार को 21 अगस्त की सुबह करीब चार बजे नाजिया के ससुर ने फोन कर उसकी मौत की जानकारी दी थी. इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची. नाजिया का शव भरतल गांव स्थित फ्लैट में पंखे से लटका मिला था. उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. परिवार ने अपनी शिकायत में नाजिया की मौत को लेकर संदेह जताया है और आरोप लगाया है कि उसे लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर आत्महत्या के लिए मजबूर किया गया हो सकता है. परिवार ने ये आशंका भी जताई है कि उसकी हत्या कर घटना को आत्महत्या का रूप दिया गया हो. पुलिस ने ब्व्हस् की धारा 85 और 108 के तहत मामला दर्ज किया है. अब पुलिस मामले की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट समेत अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

प्रदेश स्तरीय तैराकी ट्रायल्स के लिए अरविन्द कुमार का चयन

ललितपुर। खेल निदेशालय लखनऊ के निर्देश पर 24 एवं 25 अगस्त 2026 को बरेली में प्रदेश स्तरीय सिविल सर्विसेज तैराकी चयन/ट्रायल्स आयोजित किए जाएंगे। इन प्रदेश स्तरीय ट्रायल्स के लिए झांसी मंडल से पंचायत राज विभाग में कार्यरत अरविन्द कुमार का चयन हुआ है। विकास खंड जखौरा की ग्राम पंचायत निवाहो में तैनात एवं नदीपुरा निवासी अरविन्द कुमार ने मंडल स्तरीय चयन/ट्रायल्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसके आधार पर उन्हें प्रदेश स्तरीय ट्रायल्स के लिए चुना गया है। अब वह झांसी मंडल की ओर से बरेली में आयोजित होने वाले प्रदेश स्तरीय ट्रायल्स में प्रतिभाग करेंगे। प्रदेश के विभिन्न मंडलों से चयनित तैराकों के प्रदर्शन के आधार पर उत्तर प्रदेश की सिविल सर्विसेज तैराकी टीम का गठन किया जाएगा। चयनित टीम आगामी सत्र 2026-27 में आयोजित होने वाली ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज तैराकी प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी। अरविन्द कुमार के प्रदेश स्तरीय ट्रायल्स के लिए चयनित होने पर पंचायत राज विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ ही जिले के खेल प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त किया। सभी ने उनके उज्ज्वल प्रदर्शन की कामना करते हुए प्रदेश की टीम में स्थान बनाने के लिए शुभकामनाएं दीं।

भोले की भक्ति में सराबोर हुआ चौबयाना, निकली भव्य जल यात्रा

ललितपुर। सावन की भक्ति और आस्था से ओतप्रोत रविवार को चौबयाना मोहल्ला शिवभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। श्री बांकेबिहारी मंदिर, स्कूल नंबर-1 के पास से श्रद्धालुओं ने भव्य जल यात्रा निकाली। डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों के बीच श्रद्धालु नाचते-गाते और भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगाते हुए यात्रा में शामिल हुए। यात्रा के मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। जल यात्रा का शुभारंभ जिला सहकारी बैंक के उपसभापति श्रीकांत कुशवाहा ने किया। चौबयाना स्कूल नंबर-1 से शुरू हुई जल यात्रा श्री रघुनाथजी बड़ा मंदिर, पीली कोठी और खिरकापुरा होते हुए पुराना रजवारा रोड स्थित श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर पहुंची।

रसोइयों का मानदेय बढ़कर हुआ 3 हजार रुपये मिला कैशलेस चिकित्सा कार्ड

ललितपुर। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान गोमती नगर लखनऊ में मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित रसोइया सम्मान समारोह के सजीव प्रसारण के क्रम में रविवार को कलेक्ट्रेट स्थित मा. कल्याण सिंह सभागार में जनपद स्तरीय रसोइया सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विकासखंडों से आई 21 रसोइयों को बढ़े हुए मानदेय का प्रतीकात्मक चेक एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि राज्यमंत्री मनोहर लाल रहे। विशिष्ट अतिथि नपाध्यक्ष सोनाली जैन रहे। इस दौरान सीडीओ शेषनाथ चौहान तथा डीआईओएस ओमप्रकाश की भी उपस्थिति रही। समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके बाद कंपोजिट विद्यालय बुढ़वार की छात्राओं ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत तथा पर्यावरण संरक्षण पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। अतिथियों ने छात्राओं की प्रस्तुति की सराहना की।

फ्लोरोसिसिस प्रभावित क्षेत्रों में हर घर नल योजना फ्लॉप, ग्रामीणों का प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

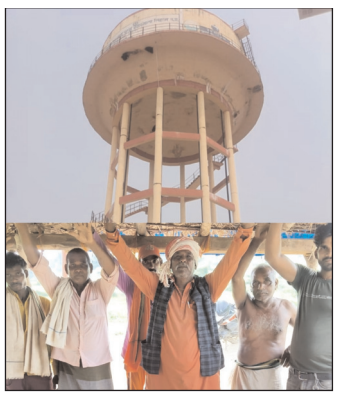

सोनभद्र / उत्तर प्रदेश -जनपद के नव सृजित विकास खंड कोन अंतर्गत जल जीवन मिशन के तहत शुरू की गई हर्रा कदरा ग्राम समूह पेयजल योजना क्षेत्र के ग्रामीणों के लिए अभिशाप साबित हो रही है। फ्लोरोसिस से प्रभावित क्षेत्रों में भी शुद्ध पेयजल उपलब्ध न होने से आक्रोशित ग्रामीणों ने किया जोरदार प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि कार्यदायी संस्था विष्णु प्रकाश आर पुंगलिया लि. की मनमानी और उदासीनता के कारण सरकारी धन का खुलेआम बंदरबांट किया गया है जिसका जीता जागता उदाहरण लोग आज भी फ्लोराइड युक्त या नदी-नालों का दूषित पानी पीने को विवश है

सरकार की महत्वाकांक्षी हर घर नल योजना धरातल पर पूरी तरह विफल साबित हो रही है। कई ग्राम पंचायतों में नल कनेक्शन का कार्य पूरा नहीं हो सका है, लेकिन संबंधित संस्था के कुछ कारखासों कागजों पर इसे पूर्ण दिखा दिया गया है। ग्रामीणों के बार-बार प्रदर्शन के बाद संस्था ने सच्चाई छिपाने के लिए आनन-फानन में सड़कों के किनारे पाइप ढकने और नल कनेक्शन की मरम्मत का काम शुरू किया था किंतु वह भी धरा रह गया। बतादें कि कई जगहों पर डीआई पाइपलाइन, एच डी पी, एमडीपीई पाइपलाइ की गहराई मानक के अनुरूप नहीं है बल्कि पाईप की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाना लाजिमी है। जिसकी वजह से हल्की बरसात या अन्य कारणों से पाइपलाइन आए दिन ध्वस्त हो जाता है । बल्कि संबंधित संस्था द्वारा यह कार्य उच्च स्तरीय जाँच का विषय है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रोजेक्ट लगाने से पहले तैयार होने वाली जीए ड्राइंग के बावजूद नदी की धारा बार-बार क्यों बदल रही है। आधार कार्ड के आधार पर कनेक्शन दिए गए, लेकिन कई वर्षों से नलों से एक बूंद पानी नहीं आ रहा है। संस्था के कुछ चुनिंदा कर्मचारियों पर संबंधित विभाग व आम जनता को गुमराह करने, तथा कनेक्शन व मरम्मत के नाम पर खानापूर्ति कर कागजी कोरम पूरा करने का आरोप है। फ्लोरोसिस प्रभावित कचनरवा, कुड़वा जैसे क्षेत्रों में यह योजना अभिशाप बन गई है। ग्रामीणों के अनुसार, संस्था द्वारा कई वर्षों से कचनरवा के टोला असनाबांध लिंक रोड वार्ड नंबर 3 में आज तक जलापूर्ति नहीं हो पाई है। ग्रामीणों ने सीएम हेल्प लाइन पर भी शिकायत की, लेकिन संबंधित विभाग ने बिना कार्य पूरा किए ही जाँच आख्या लगा दी, जिससे विभागीय अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं।

ओबरा पुलिस की त्वरित कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ओबरा / सोनभद्र – पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा बालकों की सुरक्षा, गुमशुदा/अपहृत बच्चों की शीघ्र बरामदगी तथा बच्चों से सम्बन्धित घटनाओं में त्वरित एवं संवेदनशील कार्रवाई हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर अनिल कुमार के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा प्रभात राय के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक ओबरा सदानन्द राय के नेतृत्व में थाना ओबरा पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। दिनांक 21.08.2026 को वादी हरिप्रसाद पुत्र बुद्धु, निवासी झरिया नाला, ओबरा, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र द्वारा सूचना दी गई कि उनका करीब 13 वर्षीय पुत्र दिनांक 21.08.2026 को समय करीब 17:00 बजे घर से बाजार सब्जी लेने के लिए निकला था, जो वापस घर नहीं आया। काफी खोजबीन एवं रिश्तेदारों के यहां पता करने के बावजूद बालक का कोई पता नहीं चल सका। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना ओबरा पर मु0अ0सं0 180/2026 धारा 137(2) बीएनएस के अन्तर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया।] प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए थाना ओबरा पुलिस द्वारा तत्काल पुलिस टीम गठित कर बालक की तलाश शुरू की गई। पुलिस टीम द्वारा आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर उनका विश्लेषण किया गया तथा सर्विलांस के माध्यम से महत्वपूर्ण सुराग जुटाए गए। स्थानीय लोगों एवं जनसहयोग से भी बालक की तलाश की गई। पुलिस टीम के अथक प्रयास एवं प्राप्त महत्वपूर्ण सुरागों के आधार पर महज 03 घंटे के अन्दर दिनांक 21.08.2026 को समय करीब 20:00 बजे अपहृत बालक को सकुशल बरामद कर लिया गया। बरामद बालक को सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया।

6148 रसोइयों को मिला सरकार का बड़ा तोहफा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। विकास भवन सभागार में रविवार को पीएम पोषण योजना के तहत बेसिक शिक्षा विद्यालयों में कार्यरत रसोइयों का सम्मान समारोह एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिलाधिकारी घनश्याम मीना, सदर विधायक पंकज गुप्ता और जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह ने रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड और बढ़े मानदेय की राशि के प्रतीकात्मक चेक प्रदान किए। सरकार ने रसोइयों का मानदेय 2000 से बढ़ाकर 3000 रुपये कर दिया है। साथ ही पांच लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा, कार्य के दौरान घटना होने पर दो लाख रुपये की सामाजिक सुरक्षा और ड्रेस/साड़ी की राशि 500 से बढ़ाकर 1000 रुपये की गई है। जिले के 6148 रसोइयों को इसका लाभ मिलेगा। लखनऊ में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में प्रदेश की 11 रसोइयों को सम्मानित किया गया, जिसमें उन्नाव के सफीपुर ब्लॉक स्थित प्राथमिक विद्यालय अटवा मोहाल ओसिया की रसोइया खिलाना भी शामिल रहीं। जिलाधिकारी ने रसोइयों से भोजन की स्वच्छता और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने की अपील की। कार्यक्रम में बच्चों ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

मौत को दावत दे रहे बिजली के तार, जमीन से महज 7 फीट ऊपर लटके तार

मियागंज, उन्नाव। बाबा खेड़ा से बरहा कला जाने वाले मुख्य मार्ग पर हाईवे किनारे बिजली के तार जमीन से महज करीब 7 फीट की ऊंचाई पर लटक रहे हैं। लंबे समय से बनी यह स्थिति राहगीरों और वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बनी हुई है।

इस रास्ते पर दिन-रात लोगों और वाहनों की आवाजाही रहती है। ऐसे में नीचे लटक रहे बिजली के तारों से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायत के बावजूद विद्युत विभाग की ओर से तारों को ऊंचा कराने की कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों में विद्युत विभाग की लापरवाही को लेकर नाराजगी है। लोगों ने विभागीय अधिकारियों से तत्काल मौके का निरीक्षण कर तारों को सुरक्षित ऊंचाई पर कराने की मांग की है, ताकि किसी अनहोनी से पहले खतरे को टाला जा सके।

पैर फिसलने से निर्माणाधीन नाले में गिरे बुजुर्ग की मौत, पेट में सरिया घुसने से गई जान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। माखी थाना क्षेत्र के अकबरपुर दबौली गांव में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। निर्माणाधीन नाले के पास पैर फिसलने से 55 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक की पहचान जगतपाल सिंह के पुत्र बिट्टन सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि रविवार को बिट्टन सिंह किसी जरूरी काम से घर से निकले थे। अकबरपुर दबौली में सड़क किनारे नाले का निर्माण कार्य चल रहा है। नाला खुला हुआ था और वहां लोहे के सरिए लगे हुए थे। नाले के पास पहुंचते ही अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और पैर फिसल गया। गहरा गड्ढा होने के कारण वह सीधे नाले के अंदर जा गिरे। गिरते ही एक लोहे का सरिया उनके पेट में घुस गया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिक रक्तस्राव होने से वह मदद

के लिए चीखने-चिल्लाने लगे। चीख सुनकर दौड़े ग्रामीण चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण और राहगीर मौके पर दौड़ पड़े। लोगों ने काफी मशक्कत के बाद उन्हें नाले से बाहर निकाला, लेकिन तब तक काफी खून बह चुका था। गंभीर चोट और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई।झ हादसे के बाद गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए। कुछ देर पहले तक सामान्य तरीके से घर से निकले बिट्टन की मौत से पत्नी मीरा सिंह और दोनों बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शुरू की जांच सूचना पर माखी थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

उन्नाव में सरैयां क्रॉसिंग 36 घंटे बंद रहेगी, मरहला चौराहे से डायवर्ट होगा ट्रैफिक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। शहर के बैराज मार्ग स्थित सरैयां रेलवे क्रॉसिंग पर 36 घंटे तक आवागमन पूरी तरह बंद रहेगा। निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) के कार्य के चलते रेलवे ने ब्लॉक लिया है। इस दौरान वाहनों के साथ राहगीरों की आवाजाही भी रोकी जाएगी। रेलवे की ओर से जारी सूचना के अनुसार प्रतिबंध 24 अगस्त सुबह 8 बजे से 25 अगस्त रात 8 बजे तक लागू रहेगा।

रेलवे ट्रैक के ऊपर लॉन्च होंगे गर्डर

उत्तर रेलवे की ओर से आरओबी के रेलवे हिस्से में गर्डर लॉन्चिंग का काम कराया जाएगा। इसमें नॉन-ट्रैक स्पैन के कंपोजिट गर्डरों को स्थापित किया जाना है। काम के दौरान भारी मशीनरी और क्रेन का इस्तेमाल होगा। सुरक्षा को देखते हुए क्रॉसिंग को पूरी तरह बंद रखने का निर्णय लिया गया है।

मरहला चौराहे से लागू होगा डायवर्जन

यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए मरहला चौराहे के पास से डायवर्जन लागू किया जाएगा। बैराज मार्ग की ओर आने-जाने वाले वाहनों को 39 नंबर रेलवे क्रॉसिंग सहजनी की ओर से गुजारा जाएगा। इससे सरैयां क्रॉसिंग पर भीड़ कम करने और निर्माण कार्य को सुरक्षित तरीके से पूरा करने में मदद मिलेगी। पुलिस बल और बैरिकेडिंग रहेगी उत्तर रेलवे के उप मुख्य अभियंता निर्माण-चतुर्थ, लखनऊ ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर यातायात प्रतिबंध लागू कराने और आवश्यक पुलिस बल तैनात करने का अनुरोध किया है।

क्रॉसिंग बंद रहने के दौरान बैरिकेडिंग के साथ पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी। डायवर्जन वाले मार्गों पर भी यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। लोगों से वैकल्पिक मार्ग अपनाने की अपील रेलवे और प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि 24 अगस्त सुबह 8 बजे से 25 अगस्त रात 8 बजे तक सरैयां रेलवे क्रॉसिंग की ओर जाने से बचें। निर्धारित डायवर्जन मार्ग का इस्तेमाल करें। अधिकारियों के मुताबिक आरओबी का निर्माण पूरा होने के बाद रेलवे क्रॉसिंग पर जाम की समस्या से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है।

डोंगल प्रधान का, पंचायत अधिकारी पर बिना सूचना ग्राम निधि से रकम निकालने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। नवाबगंज विकासखंड की ग्राम पंचायत कोटवा में ग्राम निधि के संचालन को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। ग्राम प्रधान रंजना रावत ने उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग, लखनऊ के अध्यक्ष को शिकायती पत्र भेजकर ग्राम पंचायत अधिकारी पर बिना उनकी जानकारी के ग्राम निधि से धनराशि निकालने का आरोप लगाया है। सरकारी पंचायत विभाग के उपलब्ध रिकॉर्ड में भी कोटवा ग्राम पंचायत नवाबगंज ब्लॉक के अंतर्गत दर्ज है। प्रधान का आरोप है कि ग्राम पंचायत अधिकारी ने डोंगल एक्टिवेट कराने के बहाने उनसे डोंगल लिया था। इसके बाद डोंगल वापस नहीं किया गया और 22 जुलाई 2026 को उनकी जानकारी के बिना ग्राम पंचायत के खाते से धनराशि निकाले जाने का दावा किया गया है। शिकायत के साथ कथित निकासी की सूची भी संलग्न किए जाने की बात कही गई है। शिकायत में प्रधान ने आरोप लगाया है कि ग्राम पंचायत में गौवंशीय पशुओं के दाना-भूसा आदि के लिए आने वाली धनराशि के इस्तेमाल को लेकर भी गंभीर अनियमितताएं की जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित अधिकारी द्वारा अपनी परिचित फर्म के नाम भुगतान कराने तथा इसके बदले कथित रूप से हर माह रकम लेने की बात कही गई है। शिकायत में करीब 95 हजार रुपये की धनराशि के संबंध में भी सवाल उठाए गए हैं। प्रधान का कहना है कि पंचायत अधिकारी द्वारा उन्हें कथित तौर पर धमकाया जाता है और यह कहा जाता है कि वह दलित हैं तथा पंचायत के कामकाज में अधिकारी के विरुद्ध कुछ नहीं कर सकतीं। इन आरोपों ने ग्राम पंचायत में महिला जनप्रतिनिधियों की भूमिका और उनके अधिकारों को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा का तोहफा, बढ़े मानदेय के चेक किए गए वितरित

महरौनी। परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने वाली रसोइया माताओं के लिए सरकार की कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ रविवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र महरौनी में किया गया। कार्यक्रम में रसोइयों को स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ बढ़े मानदेय की जानकारी दी गई और मानदेय के चेक वितरित किए गए। कार्यक्रम खंड शिक्षा अधिकारी नीतू वर्मा के संरक्षण में आयोजित हुआ। नगर पंचायत अध्यक्ष नीलम दुष्यंत बढ़ौनियां मुख्य अतिथि तथा पार्षद प्रेमनारायण साहू विशिष्ट अतिथि रहे। अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबोधन एवं योजना के शुभारंभ का सजीव प्रसारण भी दिखाया गया। खंड शिक्षा अधिकारी नीतू वर्मा ने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को प्रतिदिन भोजन उपलब्ध कराने में रसोइया माताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में रसोइया माताएं मौजूद रहीं।

पीडीए सम्मेलन में उमड़ा जनसैलाब, भाजपा छोड़ सपा में शामिल हुए सैकड़ों कार्यकता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। महराजगंज के हैदरगढ़ रोड स्थित सूर्या उत्सव लॉन में रविवार को समाजवादी पार्टी के पीडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में कार्यकर्ताओं का भारी हुजूम उमड़ा। सम्मेलन में जुटी भीड़ से सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम की अगुवाई महराजगंज-बछरावां विधायक श्यामसुंदर भारती ने की, जबकि मुख्य अतिथि सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल रहे।सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में उमड़ी भीड़ प्रदेश की राजनीतिक दिशा में बदलाव का संकेत है। उन्होंने प्रदेश में कानून-व्यवस्था, महंगाई और जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से पूरी ताकत के साथ जुटने का आह्वान किया। कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में प्रदेश में सपा की सरकार बनाने के लिए कार्यकर्ता गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर पार्टी की नीतियों तथा पूर्ववर्ती सपा सरकार के विकास कार्यों की जानकारी जनता तक पहुंचाएं। भाजपा छोड़ सपा में शामिल हुए कार्यकर्ता सम्मेलन के दौरान भाजपा से जुड़े रहे कई कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल की मौजूदगी में समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश अध्यक्ष ने नवागत कार्यकर्ताओं को अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया और कहा कि पार्टी में शामिल होने वाले प्रत्येक कार्यकर्ता का सम्मान सर्वोपरि है। सपा में शामिल होने वाले कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया। सम्मेलन में पीडीए के मुद्दों को गांव-गांव तक पहुंचाने, बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनाव के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने की रणनीति पर जोर दिया गया। नेताओं ने महंगाई, कानून-व्यवस्था और जनहित के विभिन्न मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार को घेरा।

दिल्ली में हुए लाठीचार्ज का मुद्दा उठाते हुए नेताओं ने सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े किए। कार्यक्रम को विधायक श्यामसुंदर भारती, हरचंदपुर विधायक राहुल लोधी, विधायक अताउर रहमान, विधायक चंद्रप्रकाश लोधी, प्रदेश सचिव गिरधारी लाल, जिला अध्यक्ष वीरेंद्र यादव, विधानसभा अध्यक्ष बृजेंद्र चौधरी समेत अन्य नेताओं ने संबोधित किया। सपा नेताओं ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने और जनता के बीच लगातार सक्रिय रहने की अपील की। सम्मेलन में उमड़ी भीड़ को सपा नेताओं ने 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों के लिए उत्साहजनक संकेत बताया।

छात्रों की गूंजः राहुल गांधी ने मनुस्मृति पर साधा निशाना

बोले- महिलाओं का अपना अस्तित्व, वे भारत की सबसे बड़ी ताकत।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को पुणे में कांग्रेस के युवा संपर्क कार्यक्रम 'छात्रों की गूंज' को संबोधित किया। लड़कियों पर केंद्रित पुणे के इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि महिलाओं का अपनी अस्तित्व है और उनकी पहचान को उनके पिता, पति या बेटों के अधीन नहीं रखा जाना चाहिए। उन्होंने मनुस्मृति के उस नियम को शर्मनाक बताया, जिसके अनुसार महिला को जीवन के हर चरण में पुरुष रिश्तेदारों के अधीन रहना चाहिए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि इस शाम के पीछे का आइडिया है 'पिंजरे को तोड़ो।' अगर इस शाम से मैं आपको एक बात याद दिलाना चाहता हूँ, तो वो ये हैः आप में से हर कोई इस दुनिया में यूनिक है। आप यूनिक हैं। आप स्पेशल हैं। आप एक इंडिविजुअल हैं। और आपके पास अपनी ज़िंदगी के लिए अपना सपना, अपना विज़न है। राहुल गांधी ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत क्या है? । भारत की सबसे बड़ी ताकत यहां की 70 करोड़ महिलायें है। ये 70 करोड़ अनोखी यात्राएँ, अनोखी कल्पनाएँ और अनोखे सपने हैं जिन्हें भारत की महिलाएँ जी रही हैं। महिलाएँ, स्वभाव से, पुरुषों की तुलना में ज़्यादा संवेदनशील, ज़्यादा कोमल, ज़्यादा दयालु और ज़्यादा आगे की सोचने वाली होती हैं। राहुल गांधी ने कहा कि जब भी मैं पुरुषों से बात करता हूं, तो पाता हूं कि औरतों को अक्सर सिर्फ तीन खानों में रखा जाता हैः बेटी, पत्नी, या माँ। इनमें से किसी भी पहचान में कुछ भी गलत नहीं है। लेकिन ये तुम्हारी अकेली पहचान नहीं हो सकतीं। औरतें प्रोफ़ेशनल, खिलाड़ी, लीडर, क्रिएटर, एंटरप्रेन्योर और भी बहुत कुछ होती हैं। फिर भी अक्सर, उनकी पहचान सिर्फ़ मर्द के साथ उनके रिश्ते से ही तय होती है। राहुल गांधी ने दार्शनिक अंदाज में कहा''मैं यहां मनुस्मृति का जिक्र करना चाहूंगा, जिसमें कहा गया है कि बचपन में महिला को अपने पिता के अधीन रहना चाहिए, जवानी में वह अपने पति के अधीन होती है और जब उसका पति मर जाता है, तो वह अपने बेटों के अधीन होती है। महिला को कभी भी स्वतंत्र नहीं होना चाहिए। ये शब्द शर्मनाक हैं। ये शब्द नहीं कहे जाने चाहिए। लेकिन मेरा मानना है कि इस देश की सबसे बड़ी ताकत यह है कि हमारी औरतें आज़ाद हों, अपने लिए खड़ी हों, और खुद पर विश्वास करें। तुम्हारे अपने पिता, भाई, पति, या बेटे के साथ रिश्ते हो सकते हैं, लेकिन तुम उनकी नहीं हो। तुम अपनी हो। राहुल गांधी ने कहा कि समाज महिलाओं को कंट्रोल करने की कोशिश करता है। और इस कंट्रोल के चार तरीके हैंः हिंसा, बेइज्ज़ती, समय और कंट्रोल। यह जुल्म चिंता के रूप में छिपा होता हैः 'हमें आपकी बहुत चिंता है। इसलिए हमें आपको कंट्रोल करने की ज़रूरत है।' उन्होंने कहा कि समाज में महिलाओं को आगे बढ़ने से रोकने के लिए हिंसा का इस्तेमाल किया जाता है। इस हिंसा के तीन तरीके हैंः सालाना 4.5 लाख बेटियों की भ्रूण हत्या। 80% महिलाओं के साथ उत्पीड़न। 29% महिलाओं के साथ शारीरिक हिंसा और 6% महिलाओं के साथ बलात्कार होते हैं।50% महिलाओं को सुरक्षा के नाम पर शिक्षा या काम से रिजेक्शन झेलना पड़ता है।सुरक्षित यात्रा के नाम पर सालाना 17,500 रुपए का अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि देश में महिलाओं को कंट्रोल करने के तरीके समझिए। रूभ्ङ्कद्वद्यद्बह्ल4ः 60% महिलाएं घर से अकेले बाहर नहीं जा सकती। पसंदः 45% महिलाएं शादी/घर की जिम्मेदारी के चलते कॉलेज या करियर छोड़ जाती हैं। आर्थिकः 8% महिलाओं के पास ही जमीन का मालिकाना हक है। राहुल गांधी ने कहा कि हमारे देश में अपमान कई तरीके का हैः समाज में शर्म के कारण यौन हिंसा के 99% मामले रिपोर्ट ही नहीं होते। काम करने के लिए 84% महिलाओं को घर से परमिशन लेनी पड़ती है। काम में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं को 25% कम सैलरी मिलती है और आसानी से प्रमोशन नहीं मिलता। राहुल गांधी ने आगे कहा कि देश में महिलाओं के खिलाफ टाइम को हथियार की तरह इस्तेमाल किया जाता है। एक लड़की या महिला घर में औसतन 5.5 घंटे काम करती है, जबकि उसी घर में लड़के/पुरुष सिर्फ 30 मिनट काम में हाथ बंटाते हैं। रात में घर वापस आने का समय लड़कियों या महिलाओं के लिए 8 बजे तय होता है, जबकि लड़कों के मामले में ऐसा नहीं है। लड़के नौकरी के लिए कई बार परीक्षाएं दे सकते हैं, लेकिन लड़कियों को ज्यादा मौके नहीं दिए जाते और उनसे कहा जाता है- अब शादी की उम्र हो गई है! राहुल गांधी ने स्क्रीन पर पीएम मोदी के कुछ भाषण, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की टिप्पणियां, बीजेपी नेता मनोहर लाल खट्टर की टिप्पणी का वीडियो चलवाया और कहा कि महिलाओं को दबाने का माइंडसेट मनुस्मृति से आता है और आज हमारी लड़ाई इसी माइंडसेट से है।

सीएचसी काकोरी में बदहाल व्यवस्थाओं का दर्द, मरीज और तीमारदार घंटों खड़े रहने को मजबूर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। स्वास्थ्य विभाग की ओर से सरकारी अस्पतालों में मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के दावे किए जाते हैं, लेकिन राजधानी लखनऊ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) काकोरी में बुनियादी सुविधाओं की कमी इन दावों पर सवाल खड़े करती नजर आ रही है। यहां इलाज और जांच के लिए आने वाले मरीजों तथा उनके तीमारदारों के लिए पर्याप्त बैठने की व्यवस्था नहीं होने से उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों से बड़ी संख्या में लोग इलाज के लिए सीएचसी काकोरी पहुंचते हैं। इनमें बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे और पहले से बीमार मरीज भी शामिल होते हैं। अस्पताल पहुंचने के बाद जब उन्हें चिकित्सक से मिलने, जांच कराने या अन्य प्रक्रिया के लिए इंतजार करना पड़ता है, तो बैठने की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण कई लोगों को घंटों खड़े रहना पड़ता है। वहीं, कुछ मरीज और उनके तीमारदार जमीन पर बैठकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखाई देते हैं। **बुजुर्गों और बीमार मरीजों को**

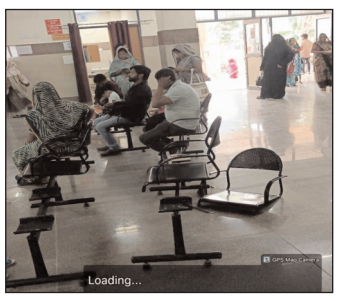

सबसे ज्यादा परेशानी बैठने की व्यवस्था का अभाव उन लोगों के लिए ज्यादा मुश्किल पैदा करता है जो शारीरिक रूप से कमजोर हैं या बीमारी के कारण लंबे समय तक खड़े नहीं रह सकते। बुजुर्ग मरीजों को अस्पताल में घंटों खड़े रहना पड़ने से उनकी परेशानी बढ़ जाती है। महिलाओं और बच्चों के साथ अस्पताल पहुंचने वाले तीमारदारों के सामने भी इंतजार के दौरान बैठने की समस्या बनी रहती है। लोगों का कहना है कि सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले मरीज पहले से ही बीमारी और परेशानी से जूझ रहे होते हैं। ऐसे में अस्पताल में इलाज के साथ-साथ बैठने और प्रतीक्षा करने जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध होना बेहद जरूरी है।

स्वास्थ्य सुविधाओं के दावों पर उठ रहे सवाल सरकार और स्वास्थ्य विभाग लगातार सरकारी अस्पतालों में सुविधाओं को बेहतर बनाने की बात करते हैं। मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए तमाम योजनाएं भी संचालित की जा रही हैं। इसके बावजूद सीएचसी काकोरी में मरीजों और तीमारदारों के लिए पर्याप्त बैठने की व्यवस्था नहीं होना व्यवस्था की जमीनी हकीकत पर सवाल खड़े करता है। मरीजों का कहना है कि अस्पताल में आने वाले लोगों की संख्या को देखते हुए पर्याप्त संख्या में कुर्सियां, बेंच या अन्य बैठने की व्यवस्था की जानी चाहिए, ताकि मरीजों और उनके परिजनों को इलाज के लिए इंतजार करते समय परेशानी न हो।

जिम्मेदार अधिकारियों से संज्ञान लेने की मांग स्थानीय लोगों और अस्पताल आने वाले मरीजों ने संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों से मामले का संज्ञान लेने की मांग की है। लोगों का कहना है कि सीएचसी काकोरी में बैठने की व्यवस्था को तत्काल बेहतर कराया जाए और मरीजों के लिए जरूरी अन्य बुनियादी सुविधाओं की भी समीक्षा की जाए। लोगों की मांग है कि अस्पताल प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग मौके का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति देखें और आवश्यकतानुसार अतिरिक्त बैठने की व्यवस्था कराएं। इससे दूर-दराज से इलाज के लिए आने वाले मरीजों, बुजुर्गों, महिलाओं और उनके तीमारदारों को काफी राहत मिल सकेगी। मरीजों का कहना है कि सरकारी अस्पताल में आने वाले व्यक्ति को इलाज के साथ सम्मानजनक और सुविधाजनक वातावरण मिलना चाहिए। ऐसे में सीएचसी काकोरी की व्यवस्थाओं को जल्द दुरुस्त करना जरूरी है, ताकि मरीजों को इलाज के लिए आने के बाद बुनियादी सुविधाओं के लिए भी परेशान न होना पड़े।

जीसीआरजी कॉलेज लखनऊ में हैकइंडिया 2026 हैकथॉन संपन्न, एआई और वेब3 पर युवाओं ने दिखाया कौशल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
सचिन बाजपेई

लखनऊ, जीसीआरजी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के परिसर में 21 और 22 अगस्त को आयोजित दो दिवसीय एआई, वेब 3 एवं फ्यूचरटेक हैकथॉन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। हैक इंडिया के सहयोग से आयोजित इस 36 घंटे के इन्नोवेशन स्प्रिंट में उत्तर भारत के विभिन्न संस्थानों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में हैक इंडिया के सह-संस्थापक श्री अतुल गुप्ता, श्री शिवम सैनी तथा इंटेलिजेंस ह्यूमन लैब टीम मौजूद रहे। जीसीआरजी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के डीन डॉ. राजेश सिंह ने सभी अतिथियों, मेंटर्स और प्रतिभागियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का आयोजन न्यूरोलॉजिक एआई क्लब और टेककोडर्स कोडिंग क्लब के सहयोग से किया गया। इस हैकथॉन में कुल 55 टीमें शामिल हुई। गहन कोडिंग, मेंटरिंग और मूल्यांकन के बाद 16 टीमें फाइनल प्रेजेंटेशन के लिए शॉर्टलिस्ट की गईं। जजों ने नवाचार, व्यवहार्यता, क्रियान्वयन और प्रभाव के आधार पर टीमों का मूल्यांकन किया।

विजेता टीमें: - प्रथम स्थानः टीम ताकी स्पेस (वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी - VIT) - द्वितीय स्थानः टीम यूएस-5 (जीसीआरजी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स)

- तृतीय स्थानः टीम बाइट टाइटन्स (कानपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी - KIT)

कैश प्राइज पूल में विजेता को 7,000, प्रथम रनर-अप को ?5,000 और द्वितीय रनर-अप को 3,000 दिए गए। इसके अलावा शार्प टोकन्स, इंटर्नशिप अवसर और डिजिटल बैजेस भी प्रदान किए गए। यह आयोजन युवाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ब्लॉकचेन, वेब3 और उभरती तकनीकों के माध्यम से वास्तविक समस्याओं के समाधान विकसित करने का मंच प्रदान करता है। जीसीआरजी प्रशासन ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों में नवाचार और समस्या-समाधान की क्षमता बढ़ाते हैं।

हरियाली तीज समारोह में महिलाओं ने दिखाया हुनर
समाजसेवी रागिनी मिश्रा और दुर्गेश मल्होत्रा रही मौजूद

तीज क्वीन प्रतियोगिता में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा, गायन व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में दुर्गापुरी स्थित होटल गंगा ग्रीन में रागिनी मिश्रा द्वारा आयोजित हरियाली तीज समारोह हर्षोल्लास, उमंग और सांस्कृतिक रंगों के बीच भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता संयुक्त व्यापार मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता गुप्ता ने की। समारोह में शहर की अनेक प्रतिष्ठित महिलाओं ने शिरकत कर आयोजन की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के लिए विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों और मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों को मंच पर अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया, जिसमें महिलाओं ने गायन सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम स्थल पर हरियाली तीज की पारंपरिक उमंग और उत्साह देखते ही बन रहा था। समारोह का प्रमुख आकर्षण 'तीज क्वीन' प्रतियोगिता रही। जिसकी जज दुर्गेश मल्होत्रा थी प्रतियोगिता में प्रतिभागी महिलाओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा, व्यक्तित्व तथा पारंपरिक अंदाज से सभी का ध्यान आकर्षित किया। तीज क्वीन प्रतियोगिता की जज के रूप में समाजसेवी दुर्गेश मेहरोत्रा ने प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता के दौरान महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में महिलाओं ने एक-दूसरे को हरियाली तीज की शुभकामनाएं दीं और पारंपरिक परिधानों में सज-धजकर समारोह में हिस्सा लिया। गायन और अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समारोह को और भी आकर्षक बना दिया। कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं ने भारतीय संस्कृति, लोक परंपराओं और तीज पर्व से जुड़े रीति-रिवाजों को उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर संयुक्त व्यापार मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता गुप्ता ने कहा कि हरियाली तीज जैसे पर्व भारतीय संस्कृति और परंपराओं की समृद्ध विरासत को आगे बढ़ाने का काम करते हैं। ऐसे आयोजनों के माध्यम से महिलाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ ही आपसी मेलजोल और सामाजिक सहभागिता का अवसर भी मिलता है। आयोजक रागिनी मिश्रा ने कहा कि समारोह का उद्देश्य महिलाओं को एक ऐसा मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन करने के साथ भारतीय पर्व-त्योहारों की परंपरा से भी जुड़ सकें। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल सभी महिलाओं और अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

दिलीप मिश्रा फिर बने लखनऊ जिलाध्यक्ष, पत्रकार सुरक्षा संगठन मजबूत करने का संकल्प

....पत्रकारों के हित, सम्मान और सुरक्षा के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने पर दिया जोर।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। वृंदावन स्थित कार्यालय 6सी/126 में शनिवार को राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन के पदाधिकारियों एवं पत्रकारों की मौजूदगी में दिलीप मिश्रा को सर्वसम्मति से दोबारा लखनऊ जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए संगठन को मजबूत बनाने की उम्मीद जताई। बैठक में पत्रकारों के हितों एवं सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने, संगठन की गतिविधियों को और प्रभावी बनाने तथा पत्रकारों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विस्तार से चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन पत्रकारों के अधिकार, सम्मान और सुरक्षा के लिए निरंतर सक्रिय रहेगा। पुनः जिला अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर दिलीप मिश्रा ने सभी

पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि संगठन ने उन्हें जो जिम्मेदारी दोबारा सौंपी है, उसका पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन किया जाएगा। उनका प्रयास रहेगा कि लखनऊ जिले में संगठन को और अधिक मजबूत किया जाए तथा पत्रकारों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी तरीके से शासन-प्रशासन के समक्ष उठाया जाए। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज की आवाज को शासन-प्रशासन और आम जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका

निभाते हैं। ऐसे में पत्रकारों के सम्मान, अधिकार और सुरक्षा के लिए संगठन आगे भी मजबूती से कार्य करता रहेगा।

एक दर्जन से अधिक पत्रकारों को वितरित किए डिप्लोमा प्रमाणपत्र

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा ने मास कम्युनिकेशन की पढ़ाई कर परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले एक दर्जन से अधिक पत्रकारों एवं अभ्यर्थियों को डिप्लोमा प्रमाणपत्र वितरित किए। इस दौरान नीरज, निशी सहित अन्य उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को मास कम्युनिकेशन के डिप्लोमा सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा ने सभी पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारिता के क्षेत्र में लगातार बदलाव हो रहा है। ऐसे में पत्रकारों को पत्रकारिता एवं मास कम्युनिकेशन की विधिवत पढ़ाई पर भी जोर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता की शिक्षा हासिल करने से पत्रकारों को अपने कार्य को बेहतर ढंग से समझने और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलेगी। उन्होंने सभी पत्रकारों से भविष्य को देखते हुए पत्रकारिता की पढ़ाई करने का आह्वान किया। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा, प्रदेश टीम से दिलीप श्रीवास्तव, सचिन दीक्षित एवं राकेश मिश्रा मौजूद रहे। जिला टीम से विनीत कुमार मिश्रा, भारत भूषण और गौरव शुक्ला सहित राजपूत करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष दुर्गेश सिंह 'दीपू' ने भी सहभागिता की।

रक्षाबंधन, बारावफात व जन्माष्टमी को लेकर पीस कमेटी की बैठक, सौहार्द बनाए रखने की अपील

पुलिस ने कहा- नई परंपरा शुरू न करें, अफवाहों पर न दें ध्यान।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। आगामी रक्षाबंधन, बारावफात और जन्माष्टमी के त्योहारों को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए रविवार को मोहनलालगंज थाना परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों और जिम्मेदार लोगों ने हिस्सा लिया। सहायक पुलिस आयुक्त मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक राम बाबू सिंह ने त्योहारों के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधिकारियों ने कहा कि सभी त्योहारों को आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ परंपरागत तरीके से मनाया जाए। किसी भी प्रकार की नई परंपरा शुरू न करने और विवाद की स्थिति से बचने की अपील की गई। पुलिस ने कहा कि यदि कोई अराजकतत्व शांति व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास करता है तो इसकी सूचना तत्काल थाना पुलिस को दें। किसी भी व्यक्ति को स्वयं कानून हाथ में लेकर कार्रवाई न करने की हिदायत दी गई।

एसीपी राजेश कुमार सिंह ने कहा कि त्योहारों को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने में पुलिस के साथ आमजन का सहयोग भी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने लोगों से आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि त्योहारों को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क है और सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। बैठक में त्योहारों के दौरान सड़क और बिजली व्यवस्था को लेकर भी चर्चा हुई। संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर सड़कों पर बने गड्ढों को ठीक कराने तथा बिजली संबंधी समस्याओं का समय रहते समाधान कराने पर जोर दिया गया, ताकि त्योहारों के दौरान लोगों को आवागमन और बिजली आपूर्ति को लेकर परेशानी न हो।

इसके साथ ही धार्मिक कार्यक्रमों, जुलूसों एवं अन्य आयोजनों को निर्धारित समयावधि में ही संचालित करने के निर्देश दिए गए। साउंड सिस्टम और डीजे का प्रयोग न्यायालय एवं प्रशासनिक निर्देशों के अनुरूप करने को कहा गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि ध्वनि की निर्धारित सीमा और समय का उल्लंघन किसी भी स्थिति में नहीं किया जाना चाहिए। प्रभारी निरीक्षक राम बाबू सिंह ने कहा कि त्योहारों के दौरान थाना क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता बढ़ाई जाएगी और संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने क्षेत्रवासियों से पुलिस का सहयोग करने तथा किसी भी तरह की अफवाह या विवाद की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। बैठक में मौजूद संभ्रांत नागरिकों ने पुलिस प्रशासन को त्योहारों के दौरान शांति एवं सौहार्द बनाए रखने में पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया।

स्कूल कार्यालय में घुसकर लैपटॉप व मोबाइल चोरी, मुकदमा दर्ज

मोहनलालगंज, लखनऊ। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद हैं। न्यू जेल रोड स्थित खुजौली के स्कॉलर एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के कार्यालय में अज्ञात व्यक्ति ने अनाधिकृत रूप से प्रवेश कर कीमती सामान चोरी कर लिया। चोर कार्यालय में रखा लेनोवो कंपनी का लैपटॉप और मोबाइल फोन लेकर फरार हो गया। घटना के बाद स्कूल प्रबंधन में हड़कंप मच गया। पुलिस के मुताबिक आशियाना कॉलोनी निवासी इन्द्रेश मिश्र पुत्र स्वर्गीय हरिशंकर मिश्र ने मोहनलालगंज पुलिस को लिखित शिकायत दी। शिकायत में बताया गया कि बीते बुधवार की शाम करीब चार बजे अज्ञात व्यक्ति स्कूल के कार्यालय में दाखिल हुआ और वहां रखा एक मोबाइल फोन तथा लेनोवो कंपनी का लैपटॉप चोरी कर लिया। घटना की जानकारी होने पर स्कूल प्रबंधन ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन चोरी हुए सामान का कोई पता नहीं चल सका।

राजकीय इंटर कॉलेज सकरन में शिक्षकों की कमी पर शुभम रस्तोगी ने उठाई आवाज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। विकासखंड सकरन स्थित राजकीय इंटर कॉलेज में लंबे समय से विषय अध्यापकों की कमी के चलते छात्र-छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। विद्यालय में बड़ी संख्या में विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, लेकिन विषयवार पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। शिक्षकों की कमी के कारण विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए निजी ट्यूशन का सहारा लेना पड़ रहा है। इससे विशेष रूप से गरीब और ग्रामीण परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। अभिभावकों का कहना है कि सरकारी विद्यालय में पर्याप्त शिक्षकों की नियुक्ति होने पर बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सकती है। समस्या को गंभीरता से उठाते हुए भारतीय किसान यूनियन (टिकैत), सीतापुर के जिला मीडिया प्रभारी शुभम रस्तोगी ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजा है। पत्र के माध्यम से उन्होंने राजकीय इंटर कॉलेज सकरन में रिक्त पदों पर आवश्यक विषय अध्यापकों की तत्काल तैनाती कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के भविष्य को देखते हुए इस समस्या का शीघ्र समाधान आवश्यक है। शिक्षकों की पर्याप्त तैनाती से विद्यार्थियों की पढ़ाई बेहतर होगी और उन्हें निजी ट्यूशन पर निर्भरता से राहत मिलेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री से मामले का संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की है।

लहरपुर में आरोग्य मेले में 51 मरीजों की जांच

बदलते मौसम में वायरल फीवर, डायरिया और खांसी-जुकाम के मरीज बढ़े

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लहरपुर सीतापुर। क्षेत्र के अकबरपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। बदलते मौसम और रुक-रुककर हो रही बारिश के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में मौसमी बीमारियों का प्रकोप बढ़ने से बड़ी संख्या में लोग स्वास्थ्य केंद्र पहुंच रहे हैं। आरोग्य मेले में करीब 51 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें चिकित्सकीय परामर्श के साथ निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डॉ. अख्तर हुसैन ने मरीजों की जांच करते हुए उन्हें बदलते मौसम में स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि लगातार गर्मी और बारिश के कारण मौसम में हो रहे

बदलाव से वायरल फीवर, डायरिया, खांसी-जुकाम, त्वचा एवं पेट संबंधी रोगों के मरीज सामने आ रहे हैं। उन्होंने लोगों से साफ पानी पीने, आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा किसी भी तरह के बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर चिकित्सकीय परामर्श लेने की अपील की।

आरोग्य मेले में पहुंचे ग्रामीणों को संचारी रोगों से बचाव और उनकी रोकथाम के उपायों के प्रति भी जागरूक किया गया। इसके साथ ही लोगों को आयुष्मान कार्ड के लाभ तथा परिवार कल्याण संबंधी योजनाओं की जानकारी दी गई। ग्रामीणों का कहना है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अकबरपुर में डॉ. अख्तर हुसैन द्वारा नियमित रूप से मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। जरूरतमंद और असहाय परिवारों को उपचार एवं परामर्श मिलने से उन्हें काफी राहत मिल रही है। क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर चिकित्सक की सक्रियता चर्चा का विषय बनी हुई है।

डॉक्टर अख्तर ने दी बदलते मौसम से बचाव की सलाह

घर के बाहर खड़ा ऑटो और मोबाइल चोरी, वीडियो वायरल होने के बाद दर्ज हुआ मुकदमा

.....शिकायत के बाद कार्रवाई न होने का पीड़ित ने लगाया आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के बैरीसालपुर गांव में शनिवार देर रात घर के बाहर खड़ा ऑटो रिक्शा और मोबाइल फोन चोरी हो गया। सुबह ऑटो और मोबाइल गायब मिलने पर पीड़ित के होश उड़ गए। काफी तलाश के बाद भी कोई सुराग न लगने पर उसने पुलिस से शिकायत की। आरोप है कि थाने और चौकी के चक्कर लगाने के बावजूद तत्काल कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद पीड़ित ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पीड़ित के मुताबिक शनिवार रात करीब एक बजे से सुबह चार बजे के बीच अज्ञात चोर घर के बाहर खड़ा ऑटो रिक्शा चोरी कर ले गए। इसी दौरान उसका मोबाइल फोन भी गायब हो गया। सुबह करीब चार बजे नींद खुलने पर घर के बाहर ऑटो और मोबाइल न मिलने से वह परेशान हो गया। आसपास और गांव में काफी तलाश की गई, लेकिन दोनों का कोई पता नहीं चल सका।

मोबाइल चोरी होने के कारण पीड़ित को परिजनों और पुलिस से संपर्क करने में भी दिक्कत हुई। इसके बाद वह पड़ोसी के घर पहुंचा और उनके मोबाइल से परिजनों को घटना की जानकारी दी। पीड़ित का आरोप है कि शिकायत लेकर वह निगोहां थाने पहुंचा, जहां पुलिसकर्मियों को पूरी घटना की जानकारी दी गई। पीड़ित के अनुसार, निगोहां पुलिस ने घटनास्थल मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र में होने की बात कहकर उसे कनकहा चौकी भेज दिया। आरोप है कि चौकी पर पुलिसकर्मियों ने उसका प्रार्थना पत्र तो ले लिया, लेकिन तत्काल कोई कार्रवाई नहीं की गई। इससे नाराज होकर पीड़ित ने पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। साथ ही संदिग्धों के बारे में जानकारी जुटाकर चोरी गए ऑटो और मोबाइल की बरामदगी के प्रयास किए जा रहे हैं। घटना के बाद ग्रामीणों में भी नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि रात के समय पुलिस गश्त और निगरानी को और प्रभावी बनाया जाना चाहिए, ताकि चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। ग्रामीणों ने जल्द चोरी का खुलासा कर ऑटो बरामद करने और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने पर हरकत में आई पुलिस।

रसोइयों का मानदेय बढ़कर हुआ 3 हजार, 5 लाख तक कैशलेस चिकित्सा सुविधा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रसोईया सम्मान समारोह में चार रसोइयों को वितरित किए गए कैशलेस चिकित्सा कार्ड

महमूदाबाद, सीतापुर। तहसील सभागार महमूदाबाद में पीएम पोषण योजना के अंतर्गत रसोईया सम्मान समारोह एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक श्रीमती आशा मौर्या मौजूद रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन खंड शिक्षा अधिकारी व कार्यक्रम प्रभारी सतीश कुमार मिश्रा के निर्देशन में किया गया। समारोह में नायब तहसीलदार राज बहादुर, शिक्षक संघ के अध्यक्ष संदीप वर्मा, महामंत्री पुनीत वर्मा, एआरपी नरेंद्र सिंह यादव, राहुल वाल्मीकि सहित बड़ी संख्या में रसोइया उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान गीता देवी, शांति देवी, वैजयंती देवी और अशोक कुमार को कैशलेस चिकित्सा कार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के लाइव प्रसारण के माध्यम से रसोइयों के हित में चार महत्वपूर्ण योजनाओं की शुरुआत की गई। इसके तहत रसोइयों का मानदेय 2 हजार रुपये से बढ़ाकर 3 हजार रुपये प्रतिमाह किया गया है।

इसके साथ ही सामाजिक सुरक्षा के तहत 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा, 5 लाख रुपये तक वार्षिक कैशलेस चिकित्सा सुविधा तथा परिधान के लिए दी जाने वाली धनराशि को 500 रुपये से बढ़ाकर 1,000 रुपये किए जाने की घोषणा की गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि सरकार की इन योजनाओं से पीएम पोषण योजना के तहत कार्यरत रसोइयों को आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा मिलेगी और उनके परिवारों को भी इसका लाभ प्राप्त होगा। समारोह के अंत में उपस्थित रसोइयों का सम्मान करते हुए उनके योगदान की सराहना की गई।

संपादकीय

पढ़ाई से दूर होती युवा पीढ़ी की त्रासदी पर मंथन जरूरी

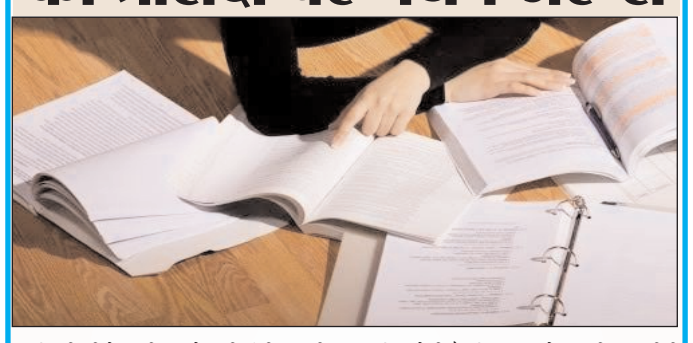

किसी भी देश की सबसे बड़ी पूंजी उसकी युवा शक्ति होती है। जिस राष्ट्र ने अपनी युवा पीढ़ी की प्रतिभा, ऊर्जा और क्षमता का सही उपयोग किया, वही राष्ट्र विकास और वैश्विक प्रभाव के नए शिखर तक पहुंचा। इसलिए जब बड़ी संख्या में बच्चे और युवा शिक्षा से दूर होने लगें, तो यह केवल व्यक्तिगत या पारिवारिक समस्या नहीं रहती, बल्कि पूरे राष्ट्र के भविष्य के लिए गंभीर चेतावनी बन जाती है। हाल ही में नीति आयोग से संबंधित एक रिपोर्ट में बड़ी संख्या में युवाओं के शिक्षा और रोजगार, दोनों से बाहर होने की चिंता सामने आई है। यदि युवा पढ़ाई छोड़ दें और रोजगार से भी नहीं जुड़ पाएं, तो यह स्थिति सरकार, समाज और परिवार सभी के लिए आत्ममंथन का विषय होनी चाहिए। भारत में सरकारें शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अनेक योजनाएं चला रही हैं। निशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा, छात्रवृत्ति, मध्यान्ह भोजन, छात्रावास और विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं के बावजूद बड़ी संख्या में बच्चे बीच में ही पढ़ाई छोड़ देते हैं। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण अक्सर परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति होती है। महंगाई के इस दौर में अल्प आय वाला परिवार भोजन, आवास, स्वास्थ्य और अन्य जरूरी खर्चों को पूरा करने में ही संघर्ष करता है। ऐसे में बच्चों की शिक्षा का खर्च उसके लिए अतिरिक्त बोझ बन जाता है। यही कारण है कि अनेक छोटे बच्चे माता पिता के साथ मजदूरी, फुटपाथ पर सामान बेचने अथवा अन्य छोटे-मोटे कामों में हाथ बंटाते दिखाई देते हैं। उनके हाथों में किताबें और कॉपियां होनी चाहिए, लेकिन परिस्थितियां उन्हें परिवार की जिम्मेदारियों का भागीदार बना देती हैं। यह भी विचारणीय है कि केवल स्कूल में प्रवेश दिला देना ही शिक्षा के उद्देश्य की पूर्ति नहीं है। असली चुनौती यह है कि बच्चा स्कूल में बना रहे, नियमित पढ़े और उच्च शिक्षा तक पहुंच सके। हर वर्ष स्कूल चलो अभियान और नामांकन अभियान चलाए जाते हैं, लेकिन हमें यह भी जानना होगा कि पिछले वर्ष जिन बच्चों का नामांकन हुआ था, उनमें से कितने आज भी स्कूल में हैं और कितने बीच में पढ़ाई छोड़ चुके हैं। स्कूल छोड़ने वाले प्रत्येक बच्चे के पीछे एक कहानी होती है। किसी के घर में आर्थिक संकट होता है, किसी को परिवार की जिम्मेदारी उठानी पड़ती है, किसी को रोजगार की तलाश करनी पड़ती है और कहीं दस्तावेजों की जटिलता भी बाधा बन जाती है। आधार कार्ड अथवा अन्य आवश्यक दस्तावेजों में त्रुटि होने पर उन्हें सुधारने की प्रक्रिया गरीब परिवारों के लिए समय, धन और परेशानी का कारण बन सकती है। यदि किसी बच्चे की शिक्षा केवल इसलिए रुक जाए कि उसके दस्तावेज में कोई गलती है, तो यह व्यवस्था की गंभीर विडंबना है। सरकारों को अब केवल नामांकन के आंकड़ों पर संतुष्ट होने के बजाय शिक्षा से बाहर होने वाले बच्चों के वास्तविक कारणों की पहचान करनी होगी। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए शिक्षा के साथ भोजन, स्वास्थ्य, आवास और आवश्यक शैक्षणिक सामग्री की व्यवस्था को और मजबूत करना होगा। सहायता का आधार जाति या धर्म नहीं, बल्कि वास्तविक आर्थिक और सामाजिक जरूरत होनी चाहिए। साथ ही, स्कूल और कॉलेज छोड़ने वाले बच्चों का स्थानीय स्तर पर नियमित सर्वेक्षण होना चाहिए। यदि कोई बच्चा लगातार अनुपस्थित है या पढ़ाई छोड़ चुका है, तो संबंधित विभाग और स्थानीय प्रशासन को उसके परिवार से संपर्क कर कारण जानना चाहिए। केवल कागजों में योजनाएं चलाने से समस्या का समाधान नहीं होगा; जमीनी स्तर पर बच्चे तक योजना का लाभ पहुंचना जरूरी है। भारत आज युवा देश है। यही युवा आने वाले वर्षों में देश की अर्थव्यवस्था, विज्ञान, तकनीक, उद्योग, प्रशासन और सामाजिक विकास की दिशा तय करेंगे। इसलिए एक भी प्रतिभाशाली बच्चा केवल गरीबी या व्यवस्था की जटिलता के कारण शिक्षा से वंचित होता है तो यह उस बच्चे का ही नहीं, देश का भी नुकसान है। आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार और समाज मिलकर यह संकल्प लें कि कोई बच्चा गरीबी के कारण स्कूल न छोड़े और कोई युवा अवसरों के अभाव में अपने भविष्य से समझौता न करे। शिक्षा केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का आधार है। इसलिए पढ़ाई से दूर होते बच्चों और युवाओं की बढ़ती संख्या को केवल आंकड़ा समझकर नजरअंदाज करना उचित नहीं होगा। यह हमारे वर्तमान की चुनौती और भविष्य की चेतावनी है। अब समय आ गया है कि सरकारें, प्रशासन, शिक्षण संस्थान और समाज मिलकर इस समस्या की जड़ तक पहुंचें और ऐसा प्रभावी तंत्र विकसित करें, जिसमें आर्थिक कमजोरी किसी बच्चे की शिक्षा की राह में दीवार न बने। क्योंकि जिस देश की युवा पीढ़ी शिक्षित, सक्षम और आत्मनिर्भर होगी, वही देश वास्तव में मजबूत और सशक्त राष्ट्र बन सकेगा।

अरविंद रावल

प्राइवेट स्कूल की फीस, किताबों का सौदा और ड्रेस के ढेर में अंतिम सांस लेती शिक्षा व्यवस्था

राजीव शुक्ला -(संपादक)

भारत में प्रारंभिक शिक्षा को लेकर समय समय पर चर्चाएं होती रहीं हैं लेकिन प्रारंभिक शिक्षा में सुधार दसकों से नहीं हो पा रहा है। एक तरफ बदहाल सरकारी विद्यालय और दूसरी तरफ महंगे प्राइवेट विद्यालयों की मार से आम आदमी पिसता नजर आ रहा है। शिक्षा किसी भी समाज की बुनियाद होती है। यह वह माध्यम है जिसके जरिए एक पीढ़ी अपने अनुभव, ज्ञान और संस्कार अगली पीढ़ी तक पहुंचाती है। लेकिन आज शिक्षा के इसी पवित्र उद्देश्य पर बाजारवाद का दबाव बढ़ता जा रहा है। खासकर निजी स्कूलों में फीस, किताबों, यूनिफॉर्म, परिवहन और दूसरी अनिवार्य सुविधाओं के नाम पर अभिभावकों पर बढ़ता आर्थिक बोझ यह सवाल खड़ा करता है कि क्या शिक्षा अब अधिकार और जिम्मेदारी से आगे बढ़कर एक बड़ा कारोबार बनती जा रही है? शहरों में जैसे ही नया शैक्षणिक सत्र शुरू होता है, अभिभावकों की चिंता भी शुरू हो जाती है। स्कूल की फीस के साथ प्रवेश शुल्क, वार्षिक शुल्क, गतिविधि शुल्क, स्मार्ट क्लास, परिवहन और न जाने कितने नामों से खर्च सामने आते हैं। इसके बाद किताबों और कॉपियों की लंबी सूची हाथ में थमा दी जाती है। कई बार किताबें केवल निर्धारित दुकानों से ही खरीदने का दबाव महसूस होता है। यूनिफॉर्म और जूते तक के लिए विशेष दुकानों का रास्ता बताया जाता है। सवाल यह है कि शिक्षा का वास्तविक खर्च कितना है और उसके नाम पर अभिभावकों से कितना वसूला जा रहा है? सबसे अधिक परेशानी उस मध्यमवर्गीय परिवार को होती है जिसकी आय सीमित है, लेकिन बच्चों को अच्छी शिक्षा देने का सपना बड़ा है। माता-पिता अपनी जरूरतों में कटौती कर बच्चों की फीस जमा करते हैं। घर का बजट बिगड़ता है, बचत प्रभावित होती है और कई परिवार कर्ज तक लेने को मजबूर हो जाते हैं। महंगाई के इस दौर में जब रोजमर्रा की जरूरतें ही लगातार महंगी हो रही हैं, शिक्षा का बढ़ता खर्च परिवारों के लिए अतिरिक्त संकट बन गया है। किताबों का कारोबार भी इस व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। हर साल बदलती किताबें अभिभावकों की जेब पर असर डालती हैं। बच्चे की पुरानी किताब अगले वर्ष किसी दूसरे बच्चे के काम आ सके, यह व्यवस्था मजबूत हो तो खर्च कम किया जा सकता है। लेकिन कई जगह नई किताबों की अनिवार्यता जैसी परिस्थितियां पुन: खरीदारी का रास्ता खोल देती हैं। शिक्षा के नाम पर किताब ज्ञान का माध्यम कम और बिक्री की वस्तु अधिक दिखाई देने लगे तो चिंता स्वाभाविक है। यूनिफॉर्म भी इसी कहानी का दूसरा अध्याय है। एक स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे के लिए अलग-अलग प्रकार की ड्रेस, जूते, बेल्ट, टाई, स्वेटर और अन्य सामान आवश्यक कर दिए जाते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लिए यह छोटी रकम नहीं होती। बच्चा बड़ा होता है तो ड्रेस छोटी हो जाती है और फिर नया खर्च सामने आ जाता है। यदि शिक्षा व्यवस्था में समानता और संवेदनशीलता का विचार है तो क्या जरूरतमंद परिवारों के लिए ऐसी व्यवस्था नहीं होनी चाहिए जिससे उनका आर्थिक बोझ कम हो? यहां एक और महत्वपूर्ण सवाल स्कूलों की फीस को लेकर है। निजी विद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए संसाधनों की आवश्यकता होती है। अच्छे शिक्षक, बेहतर भवन, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय और आधुनिक तकनीक निश्चित रूप से खर्च मांगते हैं। लेकिन पारदर्शिता भी उतनी ही जरूरी है। अभिभावकों को यह जानने का अधिकार होना चाहिए कि उनसे लिए जा रहे शुल्क का आधार क्या है और उसमें किन-किन सेवाओं की लागत शामिल है। शिक्षा को केवल व्यवसाय मान लेने का सबसे बड़ा नुकसान बच्चों पर पड़ता है। जब स्कूल अभिभावकों की आर्थिक क्षमता और बच्चे की शैक्षिक जरूरत के बजाय शुल्क वसूली की क्षमता से पहचाने जाने लगें तो शिक्षा का मूल उद्देश्य कमजोर पड़ता है। शिक्षा का लक्ष्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक दिलाना नहीं, बल्कि बच्चे को जिम्मेदार, संवेदनशील और विवेकशील नागरिक बनाना भी है। सरकार और प्रशासन की भूमिका भी यहां महत्वपूर्ण हो जाती है। नियम-कानून केवल कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर प्रभावी दिखाई देने चाहिए। फीस निर्धारण, किताबों की बिक्री, यूनिफॉर्म और अन्य अनिवार्य खर्चों को लेकर स्पष्ट और पारदर्शी व्यवस्था होनी चाहिए। अभिभावकों की शिकायतों के समाधान के लिए ऐसी प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए जहां उन्हें बिना डर अपनी बात रखने का अवसर मिले। लेकिन समस्या का समाधान केवल सरकार या स्कूलों से नहीं होगा। अभिभावकों को भी जागरूक होना पड़ेगा। उन्हें किसी भी शुल्क या अनिवार्य खरीदारी के बारे में जानकारी मांगनी चाहिए और जहां नियमों का उल्लंघन दिखाई दे, वहां सामूहिक रूप से आवाज उठानी चाहिए। शिक्षा के क्षेत्र में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा जरूरी है, लेकिन ऐसी प्रतिस्पर्धा नहीं जिसमें बच्चे और अभिभावक आर्थिक दबाव में पिसते रहें। जरूरत इस बात की है कि निजी स्कूलों को शिक्षा की गुणवत्ता और आर्थिक पारदर्शिता दोनों के लिए जवाबदेह बनाया जाए। फीस की जानकारी पहले से स्पष्ट हो, अतिरिक्त शुल्कों का औचित्य बताया जाए, किताबों और यूनिफॉर्म के विकल्प उपलब्ध हों तथा अभिभावकों पर अनावश्यक खरीदारी का दबाव न हो। इससे स्कूल और अभिभावक के बीच विश्वास भी मजबूत होगा।

आज सबसे बड़ा सवाल यही है कि हम आने वाली पीढ़ी को कैसी शिक्षा देना चाहते हैं? ऐसी शिक्षा जो बच्चे की प्रतिभा को निखारे, उसके भीतर सवाल पूछने का साहस पैदा करे और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव जगाए, या ऐसी व्यवस्था जिसमें हर नए सत्र के साथ अभिभावक फीस, किताब और ड्रेस के बिलों में उलझ जाएं? शिक्षा को बाजार की जरूरतों से पूरी तरह अलग करना शायद संभव न हो, लेकिन उसे केवल बाजार की वस्तु बनने से रोकना निश्चित रूप से संभव है। स्कूल ज्ञान के मंदिर कहलाते हैं तो उनकी व्यवस्था में संवेदनशीलता, पारदर्शिता और सामाजिक जिम्मेदारी भी दिखाई देनी चाहिए। क्योंकि जब शिक्षा की कीमत इतनी बढ़ जाए कि गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार अपने बच्चों के सपनों का खर्च उठाने में असमर्थ होने लगें, तब सवाल केवल फीस का नहीं रहता—सवाल पूरे समाज के भविष्य का हो जाता है।

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् से विरोध कैसा?

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में 'वंदे मातरम्' हर धर्म, जाति और वर्ग के भारतीयों के लिए राष्ट्रीय चेतना, संघर्ष और बलिदान का प्रतीक रहा है इस तथ्य को भी नकारा नहीं जा सकता कि इस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान सभी धर्मों के भारतीयों में राष्ट्रभक्ति और स्वाधीनता की भावना जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हजारों स्वतंत्रता सेनानियों के लिए यह मातृभूमि के प्रति समर्पण और स्वतंत्रता की आकांक्षा का स्वर था। 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने घोषणा की थी कि 'जन गण मन' भारत का राष्ट्रगान होगा और 'वंदे मातरम्' को भी राष्ट्रगान के समान सम्मान दिया जाएगा। इस प्रकार 'वंदे मातरम्' स्वतंत्र भारत की राष्ट्रीय चेतना और स्वतंत्रता संघर्ष की विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा बना। 2026 में 'वंदे मातरम्' को लेकर एक महत्वपूर्ण नया अध्याय जुड़ा है। गृह मंत्रालय के 28 जनवरी 2026 के दिशानिर्देश के अनुसार छह पदों वाले 'वंदे मातरम्' के पूर्ण संस्करण को आधिकारिक प्रोटोकॉल में स्थान दिया गया। इसके बाद आकाशवाणी ने 26 मार्च 2026 से छह पदों वाले पूर्ण संस्करण का प्रसारण प्रारंभ किया। यह परिवर्तन केवल गीत के अधिक व्यापक स्वरूप को सामने लाने वाला कदम नहीं है, बल्कि स्वतंत्रता आंदोलन की इस ऐतिहासिक धरोहर को उसके मूल स्वरूप में समझने और सम्मान देने का अवसर भी है। इसी वर्ष 'राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2026' के माध्यम से 'वंदे मातरम्' को भी राष्ट्रीय सम्मान से संबंधित वैधानिक संरक्षण प्रदान किया गया। जानबूझकर राष्ट्रगीत के गायन को रोकना अथवा उसके प्रदर्शन में व्यवधान उत्पन्न करना अब कानून के दायरे में आता है। इसलिए यह कहना अधिक उचित होगा कि 2026 में 'वंदे मातरम्' के सम्मान और उसके पूर्ण संस्करण के आधिकारिक प्रयोग को लेकर कानूनी एवं प्रोटोकॉल संबंधी व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। सही अर्थ और निष्पक्ष भाव से विचार किया जाए तो 'वंदे मातरम्' किसी राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं है और न ही किसी एक विचारधारा का निजी प्रतीक। यह भारत के स्वतंत्रता संघर्ष की सामूहिक स्मृति का हिस्सा है तथा मातृभूमि के प्रति कृतज्ञता, समर्पण और सम्मान व्यक्त करने का ऐतिहासिक माध्यम है। लोकतंत्र में संविधान सर्वोपरि है वहीं व्यक्ति की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और उसकी व्यक्तिगत आस्था का सम्मान लोकतांत्रिक व्यवस्था की मूल भावना है। साथ ही राष्ट्रीय प्रतीकों और राष्ट्रीय विरासत के प्रति सम्मान भी नागरिक दायित्व का महत्वपूर्ण हिस्सा है। असहमति का अधिकार लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन राष्ट्रीय प्रतीकों को अनावश्यक राजनीतिक टकराव का विषय बनाना सामाजिक समरसता के लिए उचित नहीं कहा जा सकता। 'वंदे मातरम्' का अर्थ मातृभूमि के प्रति वंदन और सम्मान की भावना से जुड़ा है। इसमें भारतभूमि को माता के रूप में देखने की भारतीय सांस्कृतिक दृष्टि अभिव्यक्त होती है। इसलिए इसे केवल धार्मिक दृष्टि से देखना या किसी एक समुदाय से जोड़ना इसके ऐतिहासिक और राष्ट्रीय महत्व को सीमित करना होगा। राष्ट्रगीत का सम्मान किसी धर्म, जाति अथवा राजनीतिक विचारधारा के प्रति निष्ठा की परीक्षा नहीं है, बल्कि उस स्वतंत्रता संघर्ष के प्रति सम्मान है जिसमें असंख्य भारतीयों ने अपना जीवन समर्पित किया। यह प्रश्न भी विचारणीय है कि हम राष्ट्रीय प्रतीकों को राजनीतिक चश्मे से क्यों देखने लगते हैं? 'वंदे मातरम्' का सम्मान करने वाला व्यक्ति किसी विशेष राजनीतिक विचारधारा का समर्थक है और उससे असहमति रखने वाला व्यक्ति राष्ट्रविरोधी—ऐसी सरलीकृत धारणाएं लोकतांत्रिक समाज के लिए उचित नहीं हैं। राष्ट्र और राष्ट्रीय विरासत किसी राजनीतिक दल या विचारधारा से कहीं बड़े हैं। वास्तविक राष्ट्रभक्ति केवल नारों और प्रतीकों तक सीमित नहीं होती। वह नागरिक कर्तव्यों के पालन, संविधान के सम्मान, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा, सामाजिक समरसता, कानून के पालन और देशहित को निजी स्वार्थ से ऊपर रखने में दिखाई देती है। 'वंदे मातरम्' का मूल भाव भी अंततः मातृभूमि के प्रति इसी समर्पण और कृतज्ञता की प्रेरणा देता है। इसलिए 'वंदे मातरम्' को राजनीतिक विवाद का विषय बनाने के बजाय हमें उसके ऐतिहासिक संदर्भ और भावार्थ को समझना चाहिए। 2026 में पूर्ण छह-पद वाले संस्करण को आधिकारिक प्रोटोकॉल में स्थान मिलना और राष्ट्रगीत को वैधानिक संरक्षण प्राप्त होना इस बात को रेखांकित करता है कि 'वंदे मातरम्' की राष्ट्रीय गरिमा किसी दल या सरकार की निजी संपत्ति नहीं, बल्कि भारत की साझा राष्ट्रीय विरासत है। जिस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में भारतीयों के भीतर स्वाधीनता की चेतना को स्वर दिया, उसके प्रति सम्मान व्यक्त करने में विरोध कैसा ?आधा गाने पर सहमति और पूरा गाने पर आपत्ति का प्रश्न ही क्यों? जब वर्षों तक इस गीत को स्वतंत्रता आंदोलन में सभी धर्मों का सम्मान मिला तो अब आपत्ति कैसी? सभी भारतवासियों को यह समझना बेहद जरूरी है कि 'वंदे मातरम्' केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष की स्मृति, मातृभूमि के प्रति श्रद्धा और राष्ट्रीय चेतना का ऐतिहासिक स्वर है। इसकी गरिमा बनाए रखना भारत की साझा राष्ट्रीय विरासत के प्रति सम्मान है।

प्रो.(डा.) मनमोहन प्रकाश

रक्षाबंधन : भाई-बहन के स्नेह का अमर प्रतीक

भारतवर्ष विश्वभर में सबसे अधिक सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक रूप से समृद्ध देश है। यह धर्मों, आस्थाओं, मेलों और त्योहारों की भूमि है। कुछ त्योहार जनमानस के लिए आम हैं, जबकि कुछ दो विशेष संबंधों, यथा-करवा चौथ (पत्नी और पति), हरितालिका या तीज (पत्नी एवं पति), जीवितपुत्रिका या जीवतिया (माँ एवं संतान), भैया दूज (भाई एवं बहन), गुरु पूर्णिमा (शिक्षक एवं शिष्य) आदि , के आपसी बंधन को सशक्त बनाते हैं । भाई और बहन के बीच ऐसा ही अटूट बंधन बनाने वाला त्योहार रक्षाबंधन है, जिसमें बहन अपनी समृद्धि एवं भलाई हेतु प्रार्थना करने के लिए अपने भाई की दाहिनी कलाई पर ''राखी'' नामक पवित्र धागा बांधती है और बदले में भाई बहनों की उचित देखभाल की जिम्मेदारी लेने की पेशकश करता है।

पारंपरिक रूप से भारतीय उप-महाद्वीप में यह त्योहार हर साल विक्रमी संवत पंचांग के श्रावण महीने के अंतिम दिन यानी पूर्णिमा को मनाया जाता है। व्यापक अर्थों में, रक्षाबंधन त्योहार निर्बल जनों को शक्तिशाली जनों से सुरक्षा प्राप्ति का प्रतीक है। संस्कृत के दो शब्द ''रक्षा'' एवं ''बंधन'' यानी ''सुरक्षा का बंधन'' ईमानदार और उदात्त मानवीय भावनाओं का प्रतीक है। इस अवसर पर आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों के लिए एक प्रतिज्ञा भी ली जाती है। रक्षाबंधन को लेकर कई पौराणिक और धार्मिक कथाएं प्रचलित हैं। देवों एवं दानवों के बीच एक बार भयानक युद्ध हुआ, जिसमें देवराज इंद्र को हार का डर सता रहा था। तब देवराज की पत्नी इंद्राणी ने अपनी धार्मिक शक्ति से एक पवित्र धागा तैयार किया और इंद्र के दाहिने हाथ के चारों ओर इस इच्छा के साथ बांध दिया कि यह उन्हें दानवों से रक्षा करेगी। उसकी इच्छा तब पूरी हुई जब बाद के दिनों में देवों ने दानवों को पराजित कर दिया और देवराज इंद्र अन्य देवताओं के साथ सुरक्षित वापस लौट आए। महाभारत में वर्णित है कि एक बार भगवान कृष्ण पतंग उड़ा रहे थे, इस दौरान उनकी उंगली धागे से कट गई। रक्त का प्रवाह देख द्रौपदी ने तुरंत अपनी साड़ी से एक टुकड़ा फाड़कर उसे कृष्ण की घायल उंगली पर बांध दिया। कृष्ण ने उन्हें जीवन भर सभी बाधाओं से बचाने का वचन दिया, जो चीरहरण एवं कई अन्य अवसरों के दौरान पूरी हुई । एक अन्य पौराणिक कथा के अनुसार, मृत्यु के देवता यमराज ने 12 साल के लंबे समय के बाद श्रावण पूर्णिमा पर अपनी जुड़वां बहन यामी या यमुना के यहां भ्रमण किया। यमुना ने यमराज की कलाई पर पवित्र धागा बांधा और यमराज ने घोषणा की कि जो कोई भी इस अवसर पर अपनी बहन की रक्षा करने का वचन देगा, वह अमरत्व को प्राप्त करेगा। रक्षाबंधन आस्थाओं के साथ-साथ इतिहास की कई घटनाओं पर भी आधारित है। महाराजा रणजीत सिंह की पत्नी सिख महारानी जिंदन नेपाल नरेश जंगबहादुर को राखी बांधा करती थीं। 1849 में, जब अंग्रेजों ने सिख क्षेत्रों को अपने कब्जे में ले लिया, तो जंगबहादुर ने जिंदन को आश्रय दिया। 326 ईसा पूर्व में, जब सिकंदर और राजा पोरस के बीच युद्ध अपने चरम सीमा पर थी, सिकंदर की पत्नी रोक्साना ने अपने पति को नुकसान न पहुंचाने के अनुरोध के साथ पोरस को राखी भेजी।

पोरस ने व्यक्तिगत रूप से सिकंदर पर हमला करना बंद कर दिया। 1535 ईस्वी के आसपास, राणा सांगा की विधवा रानी कर्णावती ने महसूस किया कि वह गुजरात के सुल्तान बहादुर शाह के आक्रमण से अपने क्षेत्र चित्तौड़गढ़ की रक्षा नहीं कर सकती हैं, और उन्होंने हुमायूँ को एक राखी भेजकर उनकी मदद मांगी थी। हुमायूँ तुरंत रणक्षेत्र को रवाना हो गया, लेकिन तब तक सुल्तान ने पहले ही किले पर विजय प्राप्त कर ली थी और रानी ने जौहर के रूप में सतीत्व को प्राप्त कर लिया था । हुमायूँ ने किले को पुन: अपने कब्जे में लेकर कर्णावती के पुत्र विक्रमजीत को गद्दी पर बैठाया। 18वीं शताब्दी में, सिख खालसा सेनाओं ने किसानों को अफगान आक्रमणकारियों से बचाने के वादे के रूप में राखी प्रणाली की शुरुआत की।

ई0 प्रभात किशोर

मार्गदर्शी ऐप से उत्तर प्रदेश में सुरक्षित, सुगम और स्मार्ट सार्वजनिक परिवहन की नई पहल

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) ने यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए 'मार्गदर्शी ऐप' की शुरुआत की है। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को डिजिटल तकनीक से जोड़ने वाली यह पहल यात्रियों को बस यात्रा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी एक ही मंच पर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे यात्रियों को न केवल यात्रा की बेहतर योजना बनाने में सहायता मिलेगी, बल्कि बसों की वास्तविक समय स्थिति, आगमन का अनुमानित समय और मार्ग संबंधी जानकारी भी आसानी से प्राप्त हो सकेगी।

वास्तविक समय यात्रा जानकारी की सुविधा

परिवहन विभाग के मार्गदर्शी ऐप की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक रियल-टाइम ट्रैकिंग है। यात्री मोबाइल ऐप के माध्यम से अपनी बस की वर्तमान स्थिति देख सकते हैं और उसके निर्धारित स्टॉप पर पहुंचने के अनुमानित समय की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इससे यात्रियों को बस के इंतजार में अनावश्यक समय बिताने से राहत मिलेगी और वे अपनी यात्रा को अधिक व्यवस्थित ढंग से तय कर सकेंगे। इस ऐप के माध्यम से यात्रियों को अपने आसपास स्थित बस स्टॉप तथा विभिन्न मार्गों की जानकारी भी मिल सकेगी। दो स्टॉपेज के बीच उपलब्ध बस सेवाओं और उनके समय की जानकारी प्राप्त होने से यात्रियों के लिए उपयुक्त बस का चयन करना आसान होगा। यह सुविधा विशेष रूप से उन यात्रियों के लिए उपयोगी होगी जो किसी नए शहर या क्षेत्र में सार्वजनिक परिवहन का उपयोग कर रहे हैं।

बसों की स्थिति और देरी की जानकारी

डिजिटल तकनीक के माध्यम से बस संचालन को अधिक पारदर्शी बनाने पर भी जोर दिया गया है। मोबाइल ऐप और वेब एप्लिकेशन के माध्यम से यात्री बस की स्थिति, संभावित देरी और महत्वपूर्ण घोषणाओं की वास्तविक समय जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इस व्यवस्था से यात्रियों को बस के समय में होने वाले बदलावों की जानकारी पहले ही मिल सकेगी। परिणामस्वरूप वे अपनी यात्रा की योजना में आवश्यक बदलाव कर सकेंगे और समय की बचत होगी। सार्वजनिक परिवहन के प्रति यात्रियों का विश्वास बढ़ाने में भी ऐसी डिजिटल सुविधाओं की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता

मार्गदर्शी ऐप की एक प्रमुख विशेषता यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ी डिजिटल व्यवस्था है। ऐप में डिजिटल एसओएस बटन की सुविधा दी गई है, जिसके माध्यम से आकस्मिक या आपातकालीन स्थिति में सहायता के लिए डायल-112 से सीधे संपर्क किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त बसों में पैनिक बटन की व्यवस्था भी सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

किसी आपात स्थिति में यात्री तत्काल सहायता प्राप्त करने के लिए इस व्यवस्था का उपयोग कर सकते हैं। इससे यात्रियों, विशेषकर महिलाओं और अन्य संवेदनशील वर्गों के लिए सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुरक्षित बनाने की दिशा में मदद मिल सकती है। बसों में उपलब्ध सुरक्षा व्यवस्था यात्रियों के साथ-साथ पुलिस और आपातकालीन सेवाओं के बीच त्वरित समन्वय को भी बढ़ावा दे सकती है। आपात स्थिति में सूचना तेजी से संबंधित एजेंसियों तक पहुंचने से सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

मोबाइल और वेब एप्लिकेशन की सुविधा

मार्गदर्शी की सेवाओं को मोबाइल ऐप के साथ-साथ वेब एप्लिकेशन के माध्यम से भी उपलब्ध कराने का उद्देश्य डिजिटल पहुंच को व्यापक बनाना है। यात्री अपनी आवश्यकता के अनुसार मोबाइल फोन या वेब माध्यम से सेवाओं का उपयोग कर सकते हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बसों और मार्गों की जानकारी उपलब्ध होने से यात्रा की योजना बनाना आसान होगा। यात्रियों को बस स्टैंड पहुंचने से पहले ही उपलब्ध सेवाओं और संभावित समय की जानकारी मिल सकेगी, जिससे सार्वजनिक परिवहन के उपयोग का अनुभव अधिक सुविधाजनक और व्यवस्थित बनाया जा सकेगा।

सार्वजनिक परिवहन के डिजिटल बदलाव की दिशा में कदम

उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में करोड़ों लोग प्रतिदिन सार्वजनिक परिवहन पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में परिवहन सेवाओं को डिजिटल तकनीक से जोड़ना यात्रियों की जरूरतों के अनुरूप व्यवस्था विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

मार्गदर्शी ऐप के माध्यम से रियल-टाइम जानकारी, डिजिटल फीडबैक, आपातकालीन सहायता, बस ट्रैकिंग और मार्ग संबंधी जानकारी जैसी सुविधाओं को एक मंच पर लाने का प्रयास किया गया है। इससे यात्रियों को बेहतर जानकारी मिलने के साथ-साथ परिवहन निगम के संचालन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने में भी मदद मिल सकती है। यूपीएसआरटीसी की मार्गदर्शी ऐप पहल सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक, पारदर्शी और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बस की वास्तविक समय स्थिति से लेकर अनुमानित आगमन समय, मार्ग और स्टॉपेज की जानकारी, सुझाव एवं शिकायत की सुविधा तथा डिजिटल एसओएस जैसी सुरक्षा व्यवस्थाएं यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने की क्षमता रखती हैं।

विशेष रूप से महिलाओं की सुरक्षा और आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित सहायता की व्यवस्था इस पहल को और महत्वपूर्ण बनाती है। यदि इन डिजिटल सेवाओं का प्रभावी संचालन, नियमित अद्यतन और यात्रियों की प्रतिक्रिया के आधार पर निरंतर सुधार सुनिश्चित किया जाता है, तो मार्गदर्शी ऐप उत्तर प्रदेश की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक और यात्री-केंद्रित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आधुनिक सार्वजनिक परिवहन केवल बसों के संचालन तक सीमित नहीं है, बल्कि यात्री सुरक्षा, सूचना की पारदर्शिता, तकनीकी सुविधा और बेहतर सेवा अनुभव भी उसकी प्राथमिक जिम्मेदारियों का हिस्सा हैं।

आशीष सिंह, अनुवादक

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

8.24 किलो गांजे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

ओडिशा से ललितपुर तक फैला नेटवर्क

ट्रेन टिकट और 19,100 रुपये नकद बरामद

मंडी चौकी पुलिस की कार्रवाई, मोटरसाइकिल, दो मोबाइल

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

थाना कोतवाली पुलिस और मंडी चौकी पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो कथित गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 8.24 किलोग्राम अवैध गांजा, तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, दो मोबाइल फोन, रेलवे टिकट एवं पेनल्टी स्लिप तथा गांजे की बिक्री से प्राप्त बताए गए 19,100 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में गांजे की खेप का कनेक्शन ओडिशा से सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, 22 अगस्त 2026 की रात करीब 9.25 बजे मंडी चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक ललित उज्जवल पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में गश्त और संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि आरएमबी कॉलोनी के पास एक व्यक्ति लाल रंग के बैग में गांजा लेकर अपने साथियों के साथ बिक्री के लिए आया है। सूचना पर क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के निर्देशन में पुलिस टीम ने गल्ला मंडी के पीछे नहर की पटरी के कच्चे रास्ते पर दबिश दी। वहां दो युवक मोटरसाइकिल के पास बैग लेकर खड़े दिखाई दिए। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। पुलिस की नियमानुसार तलाशी में अंकुर तिवारी के कब्जे से लाल रंग के सफर लिखे अटैची बैग में चार पैकेटों में कुल 5.058 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। वहीं दूसरे आरोपी कैलाश साहू के कब्जे से जामुनी रंग के अल्फा लिखे प्लास्टिक अटैची बैग में तीन पैकेटों में 3.182 किलोग्राम गांजा मिला। इस प्रकार दोनों के कब्जे से कुल 8.24 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। इसके अलावा कैलाश साहू के पास से गांजे की बिक्री के बताए गए 19,100 रुपये, दो मोबाइल फोन, रेलवे पेनल्टी स्लिप तथा ओडिशा से ललितपुर आने का ट्रेन टिकट भी बरामद किया गया। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को भी कब्जे में ले लिया। पूछताछ में कैलाश साहू ने बताया कि वह ओडिशा से ट्रेन के माध्यम से गांजा लेकर ललितपुर आया था और इसे अंकुर तिवारी को बेचने के लिए लाया था। वहीं, अंकुर तिवारी ने कथित तौर पर बताया कि वह पहले भी कैलाश साहू के माध्यम से ओडिशा से गांजा मंगवाकर ललितपुर क्षेत्र में घूम-घूमकर बेचता रहा है। पुलिस अब दोनों आरोपियों से जुड़े अन्य लोगों और मादक पदार्थ की आपूर्ति के नेटवर्क के संबंध में भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक मनीष कुमार शुक्ला को सौंपी गई है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई की जा रही है।

आबकारी एक्ट के दो वारंटी गिरफ्तार, न्यायालय में किया चालान

महरौनी। थाना महरौनी पुलिस ने न्यायालय से जारी वारंट के अनुपालन में कार्रवाई करते हुए आबकारी अधिनियम से संबंधित दो वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद माननीय न्यायालय में पेश किया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार वारंटियों में शिवराज पुत्र सुखानन्द साहू, निवासी ग्राम सैदपुर, थाना महरौनी, जिसके विरुद्ध मुकदमा संख्या 1102/19 धारा 60 आबकारी एक्ट तथा संतोष पुत्र कलुवा अहिरवार, उम्र करीब 41 वर्ष, निवासी ग्राम सैदपुर, जिसके विरुद्ध मुकदमा संख्या 206/10 धारा 60(1) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज है। थाना पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर उनका चालान माननीय न्यायालय किया। पुलिस की इस कार्रवाई से वारंटियों में हड़कंप की स्थिति रही।

देवरान जैन मंदिर की चोरी का वांछित गिरफ्तार

बार पुलिस पहले भी दो अन्य आरोपियों को भेज चुकी है जेल

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

बार पुलिस ने देवरान स्थित जैन मंदिर में हुई चोरी के मामले में एक और वांछित आरोपी राज राजपूत उर्फ चीनू को गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। यह चोरी 8 अप्रैल 2026 की रात ग्राम देवरान स्थित जैन मंदिर में हुई थी। चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर भगवान श्री पार्श्वनाथ और महावीर स्वामी सहित करीब 11 अष्टधातु की मूर्तियां, दानपेटी, सिंहासन और छत्र चुरा लिए थे। दानपेटी से नकदी भी चोरी होने की बात सामने आई थी।

घटना के संबंध में 9 अप्रैल 2026 को मुकेश जैन की तहरीर पर थाना बार में मुकदमा दर्ज किया गया था। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय जानकारी और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई। पुलिस ने इस मामले में पहले ही मंदिर के चौकीदार सहित एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई नकदी में से करीब 4,080 रुपये बरामद किए गए थे। इसी क्रम में अब वांछित चल रहे राज राजपूत उर्फ चीनू पुत्र सूरज सिंह, निवासी ग्राम देवरान, थाना बार, जनपद ललितपुर को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 950 रुपये बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी के विरुद्ध थाना बार में मुकदमा संख्या 69/2026, धारा 305(डी)/317(2) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है।

संक्षिप्त खबरें

खेत से सोलर इन्वर्टर, वीएफडी और स्प्रेयर मशीन चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

कोतवाली पुलिस ने चोरी का सामान किया बरामद, मुकदमा दर्ज होने के बाद से चल रहे थे वांछित

ललितपुर। कोतवाली पुलिस ने चोरी के एक मामले में वांछित चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी किया गया सोलर इन्वर्टर, वीएफडी सोलर और दवा छिड़काव करने वाली स्प्रेयर मशीन बरामद की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया। एसपी संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह और क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चोरी के मुकदमे में वांछित दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मैलवाराखुर्द निवासी बबलू अहिरवार पुत्र पारीक्षित अहिरवार, शाहिद पुत्र मोहम्मद खान के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक ग्राम रजवारा निवासी अजय कुमार तिवारी पुत्र रामप्रकाश ने 23 जुलाई 2026 को कोतवाली पुलिस को सूचना दी थी कि नामजद व्यक्तियों द्वारा उनके खेत से एक सोलर इन्वर्टर, एक वीएफडी सोलर और एक दवा छिड़काव करने वाली स्प्रेयर मशीन चोरी कर ली गई है। शिकायत के आधार पर कोतवाली ललितपुर में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की विवेचना और आरोपियों की तलाश के लिए गठित पुलिस टीम ने रविवार, 23 अगस्त 2026 को मुकदमे में वांछित बबलू अहिरवार और शाहिद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी किया गया सामान भी बरामद कर लिया। इस संबंध में कोतवाली ललितपुर में मु.अ.सं. 908/2026, धारा 305/317(2) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया।

बसपा की सेक्टर व बूथ स्तर की समीक्षा बैठक आयोजित, 2027 की तैयारियों पर मंथन

» घनश्यामचंद्र खरवार ने कार्यकर्ताओं से संगठन मजबूत करने का किया आह्वान
» आमिर, अरबाज और फरान खान ने ग्रहण की पार्टी की सदस्यता

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में शनिवार को बसपा जिला कार्यालय पर जिला कमेटी सहित ललितपुर एवं महरौनी विधानसभा कमेटियों की सेक्टर और पोलिंग बूथ स्तर की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन की मजबूती, बूथ स्तर पर तैयारियों और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं से सक्रियता बढ़ाने का आह्वान किया गया। बैठक के मुख्य अतिथि घनश्यामचंद्र खरवार, पूर्व सांसद राज्यसभा/लोकसभा एवं बुंदेलखंड प्रभारी रहे। उनके साथ लालाराम अहिरवार, बुंदेलखंड प्रभारी, रामबाबू चिरगइयां एवं मानवेंद्र सिंह पटेल, मुख्य मंडल प्रभारी झांसी मंडल मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथियों में रविकांत मौर्या, दीपक अहिरवार और रामसिंह कुशवाहा, मंडल प्रभारी झांसी मंडल शामिल रहे। बैठक की अध्यक्षता बसपा जिलाध्यक्ष जानकी प्रसाद बौद्ध एडवोकेट ने की।

मुख्य अतिथि घनश्यामचंद्र खरवार ने कार्यकर्ताओं को बसपा प्रमुख मायावती के निर्देशों से अवगत कराया। उन्होंने आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बसपा कार्यकर्ताओं को पूरी निष्ठा और मेहनत के साथ संगठन को मजबूत करने के लिए काम करना होगा। उन्होंने मायावती के पूर्व मुख्यमंत्रित्व काल की सरकारों में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, ग्रामीण विकास और कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए पार्टी की नीतियों को जनता तक पहुंचाने की बात कही। खरवार ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बेहतर कानून व्यवस्था के मुद्दों को लेकर कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाना चाहिए। बैठक में पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं से आर्थिक सहयोग करने का आह्वान भी किया गया। कार्यकर्ताओं ने पार्टी को मजबूत बनाने के लिए आर्थिक सहयोग करने का वचन लिया। बैठक में जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद खां एडवोकेट, जिला महासचिव छोटेलाल प्रजापति, जिला सचिव संजय चौधरी, जिला कार्यकारिणी सदस्य कल्याण पटेल, जिला खजांची एडवोकेट निधि सिंह, जिला संयोजक बीवीएफ राघवेंद्र सिंह गौतम सहित विधानसभा प्रभारी केहर सिंह गौतम, धर्मेंद्र अहिरवार, देवेंद्र मैनवार, तन्सु राम नयागांव, प्रेम नारायण पाल एडवोकेट, बृजेश अहिरवार, राम बगस विधानसभा अध्यक्ष महरौनी, संतोष अहिरवार विधानसभा अध्यक्ष ललितपुर, भूपेंद्र सरवैया, देशपत गौतम, तुलाराम राजपूत, ठाकुर दास, चंद्रभान सिंह बेसरा पूर्व जिलाध्यक्ष, अमन संतोष पूर्व जिलाध्यक्ष, हाजी मोहम्मद फैयाज पूर्व जिला उपाध्यक्ष, अंकुल बडोनियां, महाराज सिंह, राम दयाल मनहर, डॉ. मोहम्मद अनीश, महेश अगोरा, राम किशन सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के अंत में उपस्थित अतिथियों और पदाधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत किया गया। वहीं बहुजन समाज पार्टी की नीतियों में आस्था व्यक्त करते हुए आमिर खान, अरबाज खान और फरान खान ने बसपा की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी पदाधिकारियों ने तीनों का माला पहनाकर स्वागत किया और संगठन में सक्रिय भूमिका निभाने की शुभकामनाएं दीं।

भोले की भक्ति में सराबोर हुआ चौबयाना, निकली भव्य जल यात्रा

» जयकारों से गूंजा शहर, जगह-जगह पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत
» पंचमुखी हनुमान मंदिर में शिव अभिषेक, हवन और भंडारे का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

सावन की भक्ति और आस्था से ओतप्रोत रविवार को चौबयाना मोहल्ला शिवभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। श्री बांकेबिहारी मंदिर, स्कूल नंबर-1 के पास से श्रद्धालुओं ने भव्य जल यात्रा निकाली। डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों के बीच श्रद्धालु नाचते-गाते और भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगाते हुए यात्रा में शामिल हुए। यात्रा के मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। जल यात्रा का शुभारंभ जिला सहकारी बैंक के उपसभापति श्रीकांत कुशवाहा ने किया। चौबयाना स्कूल नंबर-1 से शुरू हुई जल यात्रा श्री रघुनाथजी बड़ा मंदिर, पीली कोठी और खिरकापुरा होते हुए पुराना रजवारा रोड स्थित श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर पहुंची।

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। पूरे मार्ग में हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारे गूंजते रहे। जल यात्रा के पंचमुखी हनुमान मंदिर पहुंचने के बाद मुख्य यजमान बेबी राजा धर्मेंद्र सिंह परमार सहित अन्य श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का विधिविधान से जलाभिषेक किया। प्रशांत मालवीय, शिवाजी मालवीय एवं पवन महाराज ने पूजन एवं अभिषेक की धार्मिक क्रियाएं संपन्न कराईं। इसके बाद मंदिर परिसर में हवन का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने आहुतियां अर्पित कर सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। हवन के उपरांत भगवान शिव की आरती की गई। इसके बाद आयोजित भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। जल यात्रा से लेकर पूजन, हवन और भंडारे तक पूरे आयोजन में श्रद्धा, उल्लास और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला।

मूर्ति निर्माण कार्य रोके जाने पर राठौर क्षत्रिय समाज में रोष

» नपाध्यक्ष से मिला प्रतिनिधिमंडल
» रक्षाबंधन पर मदार टेरेसा होम में बच्चों के साथ पर्व मनाने का निर्णय

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

जिला राठौर क्षत्रिय समाज की मंत्री मंडल की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को जिला समाज कार्यालय अम्बेडकर पार्क के सामने आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर राठौर ने की। बैठक में समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों, संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। संचालन विनोद राठौर (मुनीम) ने किया। बैठक में मूर्ति निर्माण कार्य रोके जाने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। विनोद राठौर ने बताया कि मूर्ति निर्माण कार्य के ठेकेदार द्वारा समाज को जानकारी दी गई है कि नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी के निर्देश पर निर्माण कार्य रोक दिया गया है। इस मामले को लेकर जिला राठौर समाज का प्रतिनिधिमंडल नपाध्यक्ष सोनाली जैन से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने निर्माण कार्य रोके जाने का कारण जानना चाहा। प्रतिनिधिमंडल को संबंधित अधिकारी एवं बाबू से जानकारी लेने के बाद बताया गया कि मूर्ति निर्माण के संबंध में शासन की स्वीकृति नहीं है। चेयरमैन की ओर से बताया गया कि किसी भी निर्माण कार्य का टेंडर जारी करने से पूर्व शासन से आवश्यक स्वीकृति लेना नगर पालिका के संबंधित अधिकारी का दायित्व है। हालांकि, प्रतिनिधिमंडल को यह आश्वासन भी दिया गया कि चूंकि मूर्ति निर्माण का कार्य शुरू हो चुका है, इसलिए मूर्ति की स्थापना कराई जाएगी। इसके बावजूद बैठक में समाज पदाधिकारियों ने निर्माण कार्य रोके जाने पर रोष व्यक्त किया।

बैठक में आगामी रक्षाबंधन पर्व को सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जिला समाज का मंत्री मंडल मदार टेरेसा होम, पनारी में असहाय एवं बेसहारा बच्चों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाएगा। समाज पदाधिकारियों ने कहा कि पर्व के माध्यम से बच्चों के साथ खुशियां साझा करना समाज सेवा की दिशा में सकारात्मक पहल होगी। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व पार्षद रविशंकर राठौर ने कहा कि समाज का प्रत्येक राठौर बंधु समाज सेवा से जुड़ सकता है। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति स्वयं को समाज सेवा से वंचित महसूस करता है, उसके लिए समाज के द्वार हमेशा खुले हैं। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने और अधिक से अधिक लोगों को सामाजिक गतिविधियों से जोडऩे पर जोर दिया। बैठक में समाज के संगठन विस्तार सहित विभिन्न समसामयिक विषयों पर भी चर्चा की गई। बैठक में अध्यक्ष चन्द्रशेखर राठौर, जिला प्रभारी समिति विनोद राठौर (मुनीम), कोषाध्यक्ष अरविन्द राठौर बैटरी, उपाध्यक्ष इंजी. सुन्दरसिंह राठौर, रतन लाल राठौर (डोंगरा), जिला मंत्री विनय कुमार राठौर, जिला मीडिया प्रभारी शिब्बू राठौर, सदस्य रविशंकर राठौर (पूर्व पार्षद), राजकुमार राठौर (धंतौली), जितेन्द्र कुमार (जित्तू भैया पार्षद), जिला संगठन मंत्री अजय राठौर (बाड़ा), जिला प्रचार मंत्री इंजी. अरविन्द राठौर, जिला ऑडिटर रघुवीर राठौर (रामनगर), जिला प्रवक्ता सन्तोष राठौर (ट्रेविल्स) आदि मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष चंद्रशेखर राठौर ने की जबकि बैठक का संचालन विनोद राठौर (मुनीम) ने किया।

पंजाब मेल से मुंबई भागने की फिराक में नाबालिग किशोरी, ललितपुर स्टेशन पर पकड़ी गई

ललितपुर। मिर्जापुर जिले के थाना चुनार क्षेत्र के एक गांव से घर से बिना बताए लापता हुई 15 वर्षीय किशोरी को आरपीएफ की सतर्कता से ललितपुर रेलवे स्टेशन पर बरामद कर लिया गया। किशोरी के साथ मौजूद एक युवक को भी पुलिस ने पकड़ लिया। दोनों पंजाब मेल एक्सप्रेस से मुंबई जाने की फिराक में थे। मिली जानकारी के अनुसार किशोरी के घर से अचानक चले जाने के बाद परिजनों ने थाना चुनार में सूचना दी थी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए किशोरी की तलाश शुरू कर दी। तलाश के दौरान जानकारी सामने आई कि चंद्रभान यादव नामक युवक किशोरी को अपने साथ लेकर ट्रेन से मुंबई की ओर जा रहा है। इसी बीच आरपीएफ को मामले की जानकारी मिली। सतर्कता बरतते हुए आरपीएफ ने पंजाब मेल एक्सप्रेस में निगरानी बढ़ाई और ट्रेन के ललितपुर रेलवे स्टेशन पहुंचने पर किशोरी और युवक को पकड़ लिया। किशोरी को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। किशोरी के ललितपुर में बरामद होने की सूचना उसके परिजनों को दे दी गई है। सूचना मिलने के बाद परिजन ललितपुर के लिए रवाना हो गए। पुलिस द्वारा किशोरी की बरामदगी के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। बताया गया कि मामला थाना चुनार क्षेत्र से जुड़ा होने के कारण आगे की कानूनी कार्रवाई संबंधित पुलिस द्वारा की जाएगी। किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने के आरोप में पकड़े गए युवक से भी पुलिस पूछताछ कर रही है।

बिरधा ब्रिज पर तेज रफ्तार कंटेनर ने 14 वर्षीय किशोर को रौंदा, मौत

ललितपुर | थाना कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला रावतयाना निवासी शाकिर का 14 वर्षीय पुत्र अरमान उर्फ गोलू अपने दो दोस्तों अलताफ और अयान के साथ मोटरसाइकिल संख्या यूपी 94 पी 3921 से धामौनी शरीफ का उर्स देखकर घर लौट रहा था। 11 मई 2026 की तड़के करीब चार बजे बिरधा ब्रिज के पास एनएच-44 पर उन्होंने शौच आदि के लिए मोटरसाइकिल सड़क किनारे रोक दी। बताया गया कि अलताफ और अयान सड़क किनारे चले गए, जबकि अरमान अपनी मोटरसाइकिल के पास खड़ा था। इसी दौरान सागर की ओर से तेज गति से आ रहे कंटेनर ट्रक संख्या एचआर 55 बीए 9389 के चालक ने कथित रूप से लापरवाही से वाहन चलाते हुए सड़क किनारे खड़े अरमान और उसकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अरमान गंभीर रूप से घायल हो गया और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के पिता शाकिर ने मामले में कार्रवाई के लिए पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना-पत्र दिया था। आरोप है कि तत्काल कार्रवाई न होने पर उन्होंने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के आदेश के बाद थाना कोतवाली पुलिस ने कंटेनर के अज्ञात चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281, 106, 324(2) समेत संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है।

आंगनबाड़ी भर्ती में धांधली का आरोप

ललितपुर। विकासखंड बार के ग्राम देवरान में आंगनबाड़ी कार्यकत्री के रिक्त पद पर नियुक्ति को लेकर अनियमितता के आरोप लगाए गए हैं। ग्राम देवरान निवासी सोनम दुबे ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की है। साथ ही बाल विकास परियोजना अधिकारी बार पर शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाने तथा धमकी देने का आरोप लगाया है। शिकायती पत्र के अनुसार सोनम दुबे ने ग्राम देवरान में आंगनबाड़ी कार्यकत्री के रिक्त पद के लिए आवेदन किया था। आरोप है कि निर्धारित प्रक्रिया के तहत चयन करने के बजाय विभागीय स्तर पर अनियमितता करते हुए सीधी भर्ती की जगह पदोन्नति कर दी गई। इस संबंध में प्रार्थिनी ने 8 अगस्त 2026 को जिलाधिकारी के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी। सोनम दुबे का आरोप है कि उक्त शिकायत से नाराज होकर 21 अगस्त 2026 को सीडीपीओ बार उसके घर पहुंचीं और शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाया। आरोप है कि इस दौरान पूर्व शिकायत के कथित निस्तारण संबंधी पत्र पर जबरन हस्ताक्षर कराने का प्रयास किया गया। विरोध करने पर शिकायतकर्ता के साथ अभद्रता किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायती पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि सीडीपीओ द्वारा प्रार्थिनी और उसके परिवार को पुलिस के माध्यम से झूठे एवं फर्जी मामलों में फंसाने की धमकी दी गई। इसके बाद अधिकारी के वहां से चले जाने की बात कही गई है। पीड़िता ने जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी से पूरे मामले की उच्चस्तरीय अथवा किसी स्वतंत्र विभाग के अधिकारी से निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। प्रार्थिनी का कहना है कि जांच के बाद यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए तथा उसे न्याय दिलाया जाए।

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा महरौनी, किले के हनुमान मंदिर से निकली विशाल कांवड़ यात्रा

स्वतंत्र प्रभात | महरौनी

सावन मास की पावन बेला में धार्मिक आस्था और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। श्री अनंत बलवंत श्री किले के हनुमान जी महाराज नवयुवा समिति महरौनी के तत्वावधान में किले के हनुमान मंदिर परिसर से शिव नगरी श्री कुंडेश्वर धाम तक विशाल कांवड़ यात्रा का भव्य आयोजन किया गया।

कांवड़ यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु नवयुवक, माताएं-बहनें एवं शिवभक्त कांवड़ लेकर शामिल हुए। हाथों में कांवड़ और मुख पर 'हर-हर महादेव' के जयघोष के साथ श्रद्धालु पूरे उत्साह और भक्ति भाव से कुंडेश्वर धाम की ओर रवाना हुए। यात्रा के दौरान नगर का वातावरण शिवमय नजर आया। यात्रा की भव्यता और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक राजा दिनेश सिंह के निर्देशन में पुलिस प्रशासन द्वारा यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखी गई। पुलिसकर्मियों ने मार्ग पर यातायात व्यवस्था संभालते हुए कांवड़ यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की। आयोजन में विवेक पुरोहित, विनीत पुरोहित, शनि परिहार, मनीष परिहार, अनुज साहू, बलराम पुरोहित पुजारी, केतन साहू, विनोद मिश्रा शास्त्री, गौरव परिहार, अमन ताम्रकार, हर्ष लखेरा, हर्ष सोनी, संजू राजा, अर्जुन परिहार सहित समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। कांवड़ यात्रा ने धार्मिक एकता, श्रद्धा और शिवभक्ति का संदेश देते हुए महरौनी से कुंडेश्वर धाम तक आस्था की अनुपम छटा बिखेरी।

घर के बाहर से इलेक्ट्रिक स्कूटी चोरी, आरोपी गिरफ्तार, स्कूटी बरामद

» जाखलौन पुलिस ने 24 घंटे के भीतर की कार्रवाई
» चोरी के मुकदमे में वांछित था आरोपी

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

थाना जाखलौन पुलिस ने चोरी के एक मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई इलेक्ट्रिक स्कूटी बरामद की है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने जाखलौन कस्बे में घर के बाहर खड़ी इलेक्ट्रिक स्कूटी चोरी की थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई की। पुलिस के मुताबिक, 21 अगस्त 2026 को जाखलौन कस्बा निवासी द्वारका प्रसाद पुत्र मोतीलाल रजक ने थाना जाखलौन में तहरीर देकर बताया था कि उसके घर के बाहर खड़ी इलेक्ट्रिक स्कूटी चोरी हो गई है। शिकायत में चोरी के लिए नीरज राजपूत पर आरोप लगाया गया था। तहरीर के आधार पर पुलिस ने थाना जाखलौन में मु.अ.सं. 174/2026 के तहत बीएनएस की धारा 303(2) में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन, एएसपी कालू सिंह और क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के पर्यवेक्षण में चलाए जा रहे अभियान के तहत जाखलौन पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस ने 22 अगस्त 2026 को ग्राम नयागांव पुलिया के पास से मुकदमे में वांछित आरोपी जाखलौन के ग्राम चौसा निवासी नीरज राजपूत पुत्र भगवान दास को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरी की गई एक इलेक्ट्रिक स्कूटी भी बरामद की। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी की जा रही है और उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष जाखलौन राम प्रकाश के साथ पुलिस टीम शामिल रही।

जखौरा पुलिस ने अवैध तमंचे और कारतूस के साथ आरोपी को दबोचा

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

थाना जखौरा पुलिस ने अवैध शस्त्रों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चेकिंग के दौरान एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 315 बोर का अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह और क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में थाना जखौरा पुलिस द्वारा अवैध शस्त्रों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने हर्षपुर के मजरा चिमना संजय गौर पुत्र जगपाल सिंह गौर को हिरासत में लिया। जामा तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर तथा एक जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद हुआ। बरामदगी के आधार पर थाना जखौरा में मु.अ.सं. 219/2026, धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ थाना जखौरा, तालबेहट और बार में आर्म्स एक्ट, आबकारी अधिनियम तथा एनडीपीएस एक्ट के तहत पूर्व में भी मामले दर्ज हैं। गिरफ्तारी और बरामदगी करने वाली टीम में थाना जखौरा के प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार बैस तथा उपनिरीक्षक अभिषेक पंवार, चौकी प्रभारी बांसी, मय पुलिस टीम शामिल रही। गिरफ्तारी और बरामदगी की कार्रवाई 23 अगस्त 2026 को की गई।

नवग्रहेश्वर मंदिर में अखंड रामायण पाठ शुरू सोमवार को होगा समापन

बार। कस्बे के प्राचीन नवग्रहेश्वर मंदिर में रविवार सुबह 11 बजे से 24 घंटे के अखंड रामायण पाठ का शुभारंभ हुआ। पाठ का समापन सावन के अंतिम सोमवार को होगा। समापन अवसर पर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक, पूजा-अर्चना और प्रसाद वितरण किया जाएगा।

बार का नवग्रहेश्वर मंदिर तालाब के किनारे पहाड़ी की ऊंची चोटी पर स्थित है। मंदिर का प्राकृतिक वातावरण और आसपास का मनमोहक दृश्य इसकी सुंदरता को और बढ़ाता है। धार्मिक आस्था के साथ-साथ मंदिर की प्राकृतिक सुंदरता भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करती है। सावन के महीने में यहां दूर-दराज से श्रद्धालु पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक और पूजा-अर्चना करते हैं। अखंड रामायण पाठ शुरू होने के साथ ही रविवार को क्षेत्र में वर्षा शुरू हो गई। बारिश के बीच मंदिर में रामायण पाठ जारी रहा। श्रद्धालुओं ने इसे भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद मानते हुए प्रसन्नता जताई। मंदिर परिसर रामायण की चौपाइयों और भजनों से भक्तिमय बना हुआ है। 24 घंटे चलने वाले इस धार्मिक आयोजन के समापन पर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक कर श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया जाएगा।

साहब... हमारे गांव में कब बनेगा दूसरा स्थाई श्मशान घाट

बिरधा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बंट में विकास की बदहाली की तस्वीर आई सामने

गाँव में जिम्मेदारों की अनदेखी से द्वारा स्थाई श्मशान घाट न बनने से खुले आसमान के नीचे अंतिम संस्कार करने को मजबूर

भरी बरसात के बीच खुले आसमान के नीचे अंतिम संस्कार करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

साहब... हमारे गांव में दूसरा स्थाई श्मशान घाट आखिरकार कब बनेगा, यह बात ग्रामीणों ने शनिवार की शाम उसे समय कहीं जब वह अपने ही गांव में मृतक हुए एक ग्रामीण का अंतिम संस्कार करने के लिए गांव के दूसरे छोर पर खुले आसमान के नीचे पहुंचे थे। बताया गया है कि ग्रामीण की मौत के बाद करीब 4 घंटे का इंतजार इसलिए करना पड़ा की बारिश हो रही थी और गांव के दूसरे छोर पर तीन सेट युक्त श्मशान घाट नहीं था जिस कारण उसका अंतिम संस्कार नहीं हो सका बरसात रुकने के बाद ग्रामीण शब्द लेकर खुले आसमान के नीचे पहाड़ी पर पहुंचे जहां उन्होंने अंतिम संस्कार किया बताया गया है कि गांव से इस अंत्येष्टि स्थल तक जाने के लिए कोई अच्छा रास्ता भी नहीं है। जबकि ग्रामीण कई बार इस मामले को लेकर ब्लॉक स्तर से लेकर जिलाधिकारी स्तर तक ज्ञापन दे चुके हैं लेकिन जिम्मेदारों की अनदेखी की चलती गांव में दूसरा सर्व सुविधायुक्त श्मशान घाट अब तक नहीं बन पाया है। इस मामले में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि ने गांव में जगह की उपलब्धता न होने का हवाला दिया तो वहीं ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने भी जिला पंचायत राज अधिकारी और जिलाधिकारी को कई बार पत्र लिखने के बाद भी मंजूरी न मिलने का हवाला देकर पल्ला झाड़ लिया।

जहां एक ओर योगी सरकार समूचे प्रदेश के साथ-साथ जनपद ललितपुर के चहुमुखी विकास करने का दावा कर रही है और संभवत विकास हो भी रहा है। यह दावा शनिवार को उस समय खोखला नजर आया जब योगी सरकार के जनपद प्रभारी मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने पत्रकार वार्ता के दौरान कहा था। हालांकि इस दौरान चाहू मुख विकास के दावे उस समय खोकली नजर आए, जब पूरा क्लास सीट से जिला पंचायत सदस्य रही कृष्णा मानसिंह यादव द्वारा अपने ही इलाके के करीब आधा दर्जन गांवों के मजरों में पक्की सड़क और विद्युतीकरण को ज्ञापन दिया था इसके साथ ही शनिवार की शाम को ही सोशल मीडिया पर विकासखंड बिरधा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बांट की एक ऐसी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई जिसने योगी सरकार के चौतार का विकास करने के दावों को कटघरे में लाकर खड़ा कर दिया। बताया गया है कि बांट गांव में दूसरे शमशान घटना होने की वजह से गांव में मृतक हुए ग्रामीण सुखलाल विश्वकर्मा का अंतिम संस्कार करीब 5 घंटा तक नहीं हो पाया क्योंकि बारिश हो रही थी और भारी बारिश के बीच खुले आसमान के नीचे उसका अंतिम संस्कार कर पाना संभव नहीं था। जबकि इस इलाके में क्षेत्रीय सांसद अनुराग शर्मा, क्षेत्रीय विधायक व प्रदेश सरकार के श्रम सेवायोजन राज्य मंत्री मनोहर लाल पंथ मन्नू कोरी ब्लाक प्रमुख के साथ-साथ जिम्मेदार अधिकारी और ग्राम प्रधान मौजूद है, इसके बावजूद अब तक शमशान घाट नहीं बन पाने से ग्रामीणों में आक्रोश पनप उठा। इस दौरान ग्रामीणों ने खुले आसमान के नीचे मृतक ग्रामीण का अंतिम संस्कार किया और एक साथ यह आवाज भी उठी, कि साहब हमारे गांव में कब स्थाई सर्व सुविधा युक्त शमशान घाट बनेगा, ताकि मृतक हुए ग्रामीणों का अंतिम संस्कार अच्छी तरह किया जा सके। अब इस मामले में अब देखने वाली बात है होगी कि जब इस मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है और ग्रामीणों ने अपनी आवाज बुलंद कर दी है तो फिर इस गांव में सर्व सुविधाओं युक्त श्मशान घाट कब तक बन पाता है। यह भी जानकारी प्राप्त हुई है कि गांव से अंत्येष्टि स्थल तक आने जाने के लिए कोई अच्छा रास्ता भी नहीं है लोग पथरीले रास्ते से होकर आरती को लेकर जाते हैं और जी आरती में चार लोग लगते हैं उसे आरती में 8 से 10 लोग लगाए जाते हैं, ताकि अर्थी अंत्येष्टि स्थल तक पहुंच सके। इस मामले में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि जयराम सिंह निरंजन ने गांव में जगह की उपलब्धता न होने का हवाला दिया, तो वहीं ग्राम प्रधान बेबी राजा के प्रतिनिधि जितेंद्र सिँह यादव ने भी जिला पंचायत राज अधिकारी और जिलाधिकारी को कई बार पत्र लिखने के बाद भी मंजूरी न मिलने का हवाला देकर पल्ला झाड़ लिया।

सहारा की रकम मिलने के बाद 36 हजार लौटाने से किया इनकार, एजेंट को धमकी देने का आरोप

पूर्व सहारा एजेंट की तहरीर पर न्यायालय के आदेश से मुकदमा दर्ज, कोतवाली पुलिस ने शुरू की जांच

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

थाना कोतवाली क्षेत्र में सहारा इंडिया की आरडी के भुगतान से जुड़ा धोखाधड़ी और धमकी का मामला सामने आया है। आरोप है कि सहारा इंडिया के एक पूर्व एजेंट ने ग्राहक को जरूरत के समय 36 हजार रुपये नकद दिए थे। बाद में ग्राहक के खाते में सहारा की आरडी की रकम आने के बावजूद उसने रुपये वापस करने से कथित तौर पर इनकार कर दिया। रकम मांगने पर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप है। शिकायत पर न्यायालय के आदेश के बाद कोतवाली पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। मुहल्ला आजादपुरा निवासी हरनाम सिंह पुत्र ग्यासीराम कुशवाहा के अनुसार, वह सहारा इंडिया में एजेंट के रूप में कार्य करते थे। इसी दौरान ग्राम बरखेरा, थाना जाखलौन निवासी पुष्पेन्द्र यादव पुत्र धनुपराम यादव ने सहारा इंडिया की ललितपुर शाखा में आरडी खाता खुलवाया था। आरोपी ने 12 माह में कुल 36 हजार रुपये जमा किए थे। सहारा इंडिया का कारोबार बंद होने के बाद ऑनलाइन भुगतान की प्रक्रिया शुरू हुई, लेकिन आरोपी की आरडी का भुगतान तत्काल ऑनलाइन नहीं हो पा रहा था। आरोप है कि पुष्पेन्द्र ने हरनाम सिंह से अपनी आर्थिक जरूरत बताते हुए 36 हजार रुपये नकद देने का अनुरोध किया और कहा कि सहारा से ऑनलाइन भुगतान मिलते ही वह पूरी रकम वापस कर देगा। हरनाम सिंह का कहना है कि उन्होंने 5 अगस्त 2025 को गवाह रवि नगाइच और रामकुमार साह की मौजूदगी में पुष्पेन्द्र यादव को 36 हजार रुपये नकद दिए थे। आरोप के अनुसार, रकम लेने के संबंध में पुष्पेन्द्र ने एक प्रतिज्ञापत्र भी लिखा था। इसके बाद 8 जनवरी 2026 को सहारा इंडिया की आरडी का 36 हजार रुपये का भुगतान पुष्पेन्द्र यादव के पंजाब नेशनल बैंक, शाखा जाखलौन स्थित खाते में पहुंच गया।

संक्षिप्त खबरें

मजदूरी मांगने पर दलित मिस्त्री से मारपीट

जातिसूचक गाली और धमकी का आरोप

तरगुवां की टीवीएस एजेंसी में हुआ विवाद

ललितपुर। कोतवाली तालबेहट क्षेत्र के ग्राम तरगुवां स्थित टीवीएस एजेंसी पर मोटरसाइकिल मिस्त्री का काम करने वाले 18 वर्षीय युवक ने वाहन की मरम्मत की मजदूरी मांगने पर मारपीट, जातिसूचक गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने तीन नामजद और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की विवेचना क्षेत्राधिकारी तालबेहट द्वारा की जा रही है। ग्राम तरगुवां निवासी राजा पुत्र हरचरन धोबी टीवीएस एजेंसी पर मोटरसाइकिलों की मरम्मत का काम करता है। तहरीर के मुताबिक, 21 अगस्त 2026 को दोपहर करीब 2.35 बजे ग्राम बरौदाडांग निवासी शानीराजा पुत्र बहोरन सिंह, अनमोल सिंह पुत्र भूपेन्द्र सिंह, दीपेन्द्र सिंह पुत्र कल्यान सिंह तथा एक अज्ञात व्यक्ति एजेंसी पर अपनी गाड़ी ठीक कराने पहुंचे। वाहन की मरम्मत पूरी होने के बाद जब उसने अपनी मजदूरी के रुपये मांगे तो आरोपी कथित रूप से नाराज हो गए और उसके साथ गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर जातिसूचक टिप्पणी करने का भी आरोप है।

आरोप लगाया गया है कि पीड़ित ने जब आरोपियों से कहा कि वह अपने सेठ को पूरे काम का हिसाब देगा, तो आरोपियों ने उसके साथ लात-घूंसों से मारपीट शुरू कर दी। इससे राजा को चोटें आईं। पीड़ित का दावा है कि एजेंसी में लगे सीसीटीवी कैमरों में घटना रिकॉर्ड हुई है। आरोप है कि मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना के संबंध में पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 352, 351(3) और एससीएसटी एक्ट की धारा 3(1)(द), 3(1)(घ) तथा 3(2)(व्ही.ए.) भी लगाई गई हैं।

लेखपालों के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण संगठन एंटी करप्शन एवं विजिलेंस द्वारा की जा रही कार्यवाही को गलत अनुचित फर्जी बताया

दुर्भावनापूर्ण ढंग से ट्रैप कार्यवाही पर रोक लगाने को लेकर लेखपाल संघ ने किया धरना प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

प्रदेश के लेखपालों के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण संगठन (ACO)/ एंटी करप्शन एवं विजिलेंस द्वारा की जा रही गलत, अनुचित, फर्जी एवं दुर्भावनापूर्ण ढंग से ट्रैप कार्यवाही पर रोक लगाने को लेकर उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ की शाखा तालबेहट के तहसील अध्यक्ष उपेन्द्र सिंह परमार व तहसील मंत्री सुरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में परगना के समस्त लेखपालों द्वारा धरना प्रदर्शन किया गया। धरना प्रदर्शन के दौरान लेखपालों द्वारा अपने अपने विचार व्यक्त किये गए व उसके पश्चात मुख्यमंत्री सम्बोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी तालबेहट अभिजीत सिंह को सौंपा गया और तत्काल एसी कार्यवाही को रोक लगाने की मांग उठाई।

दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि लेखपाल राजस्व विभाग का मेहनती, ईमानदार एवं जनता से सीधे जुड़ा हुआ अग्रिम पंक्ति का कर्मचारी है, जो बेहद कठिन परिवेश में गांव-गांव घूमकर शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के साथ-साथ भूमि संबंधी विवादों, पैमाइश, अतिक्रमण एवं अन्य राजस्व कार्यों का दायित्व पूरी निष्ठा से निभाता है। ऐसे कठिन एवं चुनौतीपूर्ण कार्य के बावजूद लेखपाल अपने कर्तव्यों का निरंतर निर्वहन करता है। भूमि विवाद, पैमाइश, अतिक्रमण हटाने अथवा किसी व्यक्ति के अवैध कार्य को नियमों के विपरीत न किए जाने की स्थिति में संबंधित व्यक्ति अथवा दलाल द्वारा लेखपाल से रंजिश रखना असामान्य नहीं है। कई बार असंतुष्ट व्यक्ति अपने निजी स्वार्थ अथवा दुर्भावना ग्रस्त होकर लेखपाल को झूठे मामले में फंसाने का प्रयास करते हैं।वर्तमान में भ्रष्टाचार निवारण संगठन (ACO) / एंटी करप्शन एवं विजिलेंस टीम द्वारा कई मामलों में शिकायत की वास्तविकता, शिकायतकर्ता की पृष्ठभूमि, उसकी रंजिश एवं शिकायत के उद्देश्य तथा संबंधित कार्य में लेखपाल की वास्तविक भूमिका एवं अधिकार क्षेत्र का पर्याप्त परीक्षण किए बिना ट्रैप कार्यवाही किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। प्रदेश के विभिन्न जनपदों में पूर्व में भी ऐसी घटनाएं सामने आती रही हैं और हाल ही में दिनांक 20 अगस्त 2026 को जनपद अयोध्या की तहसील सोहावल में लेखपाल उत्कर्ष दीप के साथ हुई घटना ने पूरे लेखपाल संवर्ग को अत्यंत आहत एवं आक्रोशित किया है। उक्त प्रकरण से संबंधित उपलब्ध तथ्यों, सीसीटीवी फुटेज एवं वायरल वीडियो सहित अन्य साक्ष्यों के संबंध में गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं कि क्या संबंधित लेखपाल द्वारा वास्तव में रिश्वत की मांग अथवा स्वीकार की गई थी अथवा उसे षड्यंत्र पूर्वक फंसाने का प्रयास किया गया। ऐसी घटनाओं से प्रदेश के लेखपालों में भय, मानसिक प्रताड़ना एवं असुरक्षा की भावना लगातार बढ़ रही है और ऐसे शोषणकारी एवं अत्याचारी माहौल में कर्मचारियों के लिए भयमुक्त होकर निष्पक्ष एवं ईमानदारी से कार्य करना संभव नहीं हो पा रहा है। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ भ्रष्टाचार के किसी भी रूप का समर्थन नहीं करता। यदि कोई कर्मचारी रिश्वत मांगने अथवा लेने का दोषी पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही होनी चाहिए। किंतु किसी निर्दोष कर्मचारी को निजी रंजिश, षड्यंत्र, झूठी शिकायत अथवा जबरन ट्रैप के माध्यम से फंसाया जाना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। इसी गंभीर विषय के विरोध में एवं निर्दोष लेखपाल श्री उत्कर्ष दीप को न्याय दिलाने की मांग को लेकर प्रदेश के सभी 75 जनपदों, 351 तहसीलों में थाना दिवस का बहिष्कार करते हुए समस्त लेखपालों द्वारा एक दिवसीय कलम बंद हड़ताल एवं धरना प्रदर्शन किया गया ।

रात में लघु शंका के लिए उठकर बाथरूम गए किशोर की सांप के काटने से हुई मौत

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

थाना बालाबेहट क्षेत्र के स्थानीय कस्बे में घर में सो रहे एक किशोर को उस समय सांप ने काट लिया, जब वह बाथरूम करने के लिए वहां पर पहुंचा। बाथरूम का गेट खोलते ही सांप के काटने से उसकी मौत हो गई। हालांकि उसके परिजनों ने इसकी झाड़ फूंक कराई लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। घटना की सूचना पर पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

ग्राम बालाबेहट के मुहल्ला रामस्नेही निवासी कक्षा 7 में पढ़ने बाला 13 वर्षीय अभय उर्फ़ छोटू पुत्र हीरालाल अहिरवार शनिवार की रात अपने परिजनों के साथ खाना खाकर घर में ही सो गया। बताया गया है कि रात्रि करीब 11 बजे उसे लघु शंका लगी, तो वह उठकर कमरे के बाहर बने बाथरूम के पास गया। बाथरूम का गेट को खोला,तो गेट खोलते ही किसी जहरीले सांप ने काट लिया। सांप के काटने के बाद जब बालक अचेत अवस्था में हुआ, तो बालक के परिजन झाड़ फूंक कराने सीमावर्ती गांव दावर ले गए। झाड़ फूंक के बाद परिजन अपने घर ले आए घर आते ही बालक को उल्टियां होनी शुरू हो गई। परिजन आनन फानन उसका इलाज कराने की तैयारी कर ही रहे थे, कि बालक ने रात्रि करीब 1:00 बजे दम तोड़ दिया। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

घर में दादा-दादी और बहन के साथ सो रहे मासूम नाती की सांप के काटने से हुई मौत

ललितपुर। थाना नाराहट क्षेत्र के स्थानीय कस्बे में रहने वाले 7 वर्षीय मासूम की सांप के काटने से मौत हो गई। बताया गया है कि सांप के काटने की खबर पर उसके परिजनों से पहले तो गांव में झाड़ फूंक कराई और फिर ललितपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जहां से उसे झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। परिजन जब झांसी मेडिकल कॉलेज जा रहे थे तभी रास्ते में मासूम ने दम तोड़ दिया। जिसके बाद वह लौटकर वापस आए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

नाराहट निवासी 07 वर्षीय प्रभाश पुत्र राम प्रसाद शनिवार की शाम अपने दादा अमर और दादी गणेश तथा अपनी बहन रागिनी के साथ अपने घर में सो गया, क्योंकि उसके माता-पिता राजस्थान मजदूरी करने के लिए गए हुए थे। बताया गया है की रात्रि करीब 11:00 बजे प्रभास को एहसास हुआ कि उसे किसी ने काटा है, तो वह रोने लगा। इस दौरान उसकी दादी-दादी उठे और बत्ती जलाई, तो बिस्तर में सांप देखा गया। इसके बाद उसके परिजनों ने पहले तो गांव के ही पास में उसकी झाड़ फूँक कराई और उसके बाद इलाज के लिए ललितपुर मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। ललितपुर मेडिकल कॉलेज में उसे प्राथमिक उपचार दिया गया और उसकी गंभीर हालत को देखते हुए झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जब परिजन झांसी मेडिकल कॉलेज लेकर जा रहे थे तभी रास्ते में उसकी मौत हो गई. जिसके बाद वह लौटकर जिला मुख्यालय वापस आए और पुलिस की मदद से मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। बताया गया है कि मृतक कक्षा 2 का छात्र था और वह अपनी इकलौती बहन का इकलौता भाई था।

रसोइयों का मानदेय बढ़कर हुआ 3 हजार रुपये मिला कैशलेस चिकित्सा कार्ड

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान गोमती नगर लखनऊ में मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित रसोइया सम्मान समारोह के सजीव प्रसारण के क्रम में रविवार को कलेक्ट्रेट स्थित मा. कल्याण सिंह सभागार में जनपद स्तरीय रसोइया सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विकासखंडों से आईं 21 रसोइयों को बढ़े हुए मानदेय का प्रतीकात्मक चेक एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि राज्यमंत्री मनोहर लाल रहे। विशिष्ट अतिथि नपाध्यक्ष सोनाली जैन रहे। इस दौरान सीडीओ शेषनाथ चौहान तथा डीआईओएस ओमप्रकाश की भी उपस्थिति रही। समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके बाद कंपोजिट विद्यालय बुढ़वार की छात्राओं ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत तथा पर्यावरण संरक्षण पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। अतिथियों ने छात्राओं की प्रस्तुति की सराहना की। मुख्य अतिथि ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा रसोइयों के मानदेय में वृद्धि करते हुए इसे 2 हजार से बढ़ाकर 3 हजार रुपये प्रतिमाह किया गया है। इसके साथ ही रसोइयों के वस्त्र-परिधान के लिए 1 हजार रुपये की सहायता तथा 5 लाख तक के कैशलेस चिकित्सा उपचार की सुविधा के लिए कार्ड उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार रसोइयों के सम्मान एवं कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। नपाध्यक्ष सोनाली जैन ने कहा कि रसोइयाएं विद्यालयों में बच्चों के लिए भोजन तैयार करने के साथ महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रही हैं। मुख्यमंत्री द्वारा उनका मानदेय बढ़ाने के साथ सम्मान भी बढ़ाया गया है। उन्होंने बताया कि रसोइयों के लिए 2 लाख तक के दुर्घटना बीमा की घोषणा भी सराहनीय कदम है। कार्यक्रम में विभिन्न विकासखंडों से आईं 21 रसोइयों को बढ़े हुए मानदेय के प्रतीकात्मक चेक और कैशलेस चिकित्सा कार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। अंत में बीएसए रत्नेश कुमार ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों एवं रसोइयों का आभार व्यक्त किया। समारोह का संचालन अध्यापिका अभिलाषा चौधरी एवं निओमी लाल ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान सदर विधायक प्रतिनिधि श्रीकान्त कुशवाहा एवं शिक्षक विधायक प्रतिनिधि केदारनाथ तिवारी भी मौजूद रहे।

तेज रफ्तार बाइक ने सामने से आ रही मोटरसाइकिल में मारी टक्कर, दो गंभीर

ललितपुर। थाना बानपुर क्षेत्र में पुतलीधाट के आगे पुलिया के पास तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने सामने से आ रही दूसरी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां एक घायल की हालत गंभीर होने पर उसे झांसी रेफर कर दिया गया। पीड़ित की तहरीर पर बानपुर पुलिस ने अज्ञात बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली महरौनी के ग्राम सिलावन निवासी सुरेन्द्र पुत्र द्वारका प्रसाद राय अपने साथी म.प्र. के जिला टीकमगढ़ अंतर्गत थाना बल्देवगढ़ के ग्राम कन्नपुरा निवासी नीरज पुत्र बृजकिशोर राय के साथ मोटरसाइकिल संख्या यूपी 94 एएल 5476 से किसी आवश्यक कार्य से बानपुर आ रहे थे। 19 अगस्त 2026 को दोपहर करीब 12 से एक बजे के बीच जब दोनों पुतलीधाट से आगे पुलिया के पास पहुंचे, तभी बानपुर की ओर से आ रही मोटरसाइकिल संख्या यूपी 94 एडी 1535 के अज्ञात चालक ने कथित रूप से बाइक को तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल में सामने से जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना जोरदार था कि सुरेन्द्र की मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हो गई और उस पर सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर जुटे लोगों की मदद से दोनों घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल ललितपुर पहुंचाया गया। सुरेन्द्र का जिला अस्पताल में उपचार किया गया, जबकि नीरज की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए झांसी रेफर कर दिया। घटना के संबंध में सुरेन्द्र की तहरीर पर थाना बानपुर पुलिस ने बीएनएस की धारा 281, 125(ए), 324(4) समेत संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है।

वरिष्ठ नागरिक के केसीसी खाते से 1.05 लाख रुपये की कथित अवैध निकासी

बैंक कर्मियों पर फसल बीमा का लाभ दिलाने के नाम पर हस्ताक्षर कराने का आरोप

ललितपुर। सर्व यू.पी. ग्रामीण बैंक की मुख्य शाखा में एक वरिष्ठ नागरिक के किसान क्रेडिट कार्ड खाते से कथित रूप से 1.05 लाख रुपये की अनधिकृत निकासी किए जाने का मामला सामने आया है। ग्राम निवाहो निवासी सीताराम पुत्र स्व.नंदकिशोर ने थाना दिवस कोतवाली में प्रार्थना-पत्र देकर बैंक के तत्कालीन शाखा प्रबंधक समेत अन्य कर्मचारियों पर मिलीभगत कर धनराशि निकालने का आरोप लगाया है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और धनराशि वापस दिलाने की मांग की है। शिकायतकर्ता के अनुसार, उनका केसीसी खाता और बचत खाता सर्व यू.पी. ग्रामीण बैंक की मुख्य शाखा ललितपुर में संचालित है। उन्होंने 23 मार्च 2026 को अपने केसीसी खाते में 2,20,500 रुपये जमा किए थे। आरोप है कि इसी दौरान तत्कालीन शाखा प्रबंधक ने फसल बीमा एवं अन्य योजनाओं का लाभ दिलाने की बात कहकर उनसे निकासी वाउचर और अन्य प्रपत्रों पर हस्ताक्षर करा लिए। सीताराम का आरोप है कि 25 मार्च 2026 को बैंक कर्मियों की कथित मिलीभगत से उनके केसीसी खाते से 1,05,000 रुपये निकाल लिए गए। उनका कहना है कि यह धनराशि न तो उनकी जानकारी में निकाली गई और न ही उनके बचत खाते में जमा की गई। कुछ समय बाद जब उन्होंने बैंक पहुंचकर अपने खाते का विवरण प्राप्त किया तो उन्हें कथित अनधिकृत लेन-देन की जानकारी हुई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि मामले की जानकारी होने के बाद जब उन्होंने बैंक कर्मियों से स्पष्टीकरण मांगा और खाते का स्टेटमेंट मांगा तो उनके साथ कथित रूप से अभद्र व्यवहार किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि संदिग्ध लेन-देन वाले स्थान पर काले रंग की लाइन खींचकर उसे छिपाने का प्रयास किया गया। वरिष्ठ नागरिक ने पुलिस प्रशासन से मामले की गंभीरता से जांच कराने की मांग की है। उन्होंने 23 और 25 मार्च 2026 की बैंक शाखा की सीसीटीवी फुटेज, बैंक सर्वर लॉग, डिजिटल रिकॉर्ड, निकासी वाउचर तथा मूल दस्तावेज सुरक्षित कराए जाने की मांग की है, ताकि कथित लेन-देन की वास्तविकता सामने आ सके। साथ ही उन्होंने मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी पाए जाने वाले बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और 1.05 लाख रुपये की धनराशि वापस दिलाने की मांग की है। पुलिस जांच के बाद ही आरोपों की वास्तविकता स्पष्ट हो सकेगी। मामले में बैंक प्रबंधन अथवा संबंधित अधिकारियों का पक्ष सामने आने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा का तोहफा

प्रतीकात्मक कार्ड व बढ़े मानदेय के चेक किए गए वितरित

स्वतंत्र प्रभात | महरौनी

परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने वाली रसोइया माताओं के लिए सरकार की कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ रविवार को ब्लॉक संसाधन केंद्र महरौनी में किया गया। कार्यक्रम में रसोइयों को स्वास्थ्य सुरक्षा के साथ बढ़े मानदेय की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम खंड शिक्षा अधिकारी नीतू वर्मा के संरक्षण में आयोजित हुआ। नगर पंचायत अध्यक्ष नीलम दुष्यंत बडौनियां मुख्य अतिथि एवं पार्षद प्रेमनारायण साहू विशिष्ट अतिथि रहे। अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबोधन एवं योजना के शुभारंभ का सजीव प्रसारण भी दिखाया गया। खंड शिक्षा अधिकारी नीतू वर्मा ने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को प्रतिदिन भोजन उपलब्ध कराने में रसोइया माताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। कैशलेस चिकित्सा सुविधा उनके योगदान के सम्मान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

नगर पंचायत अध्यक्ष नीलम दुष्यंत बडौनियां ने कहा कि रसोइयों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा किसी संजीवनी से कम नहीं है। बढ़े मानदेय से उन्हें आर्थिक मजबूती भी मिलेगी, संचालन हृदेश गोस्वामी ने किया, जबकि एआरपी शाहिद खान ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रदीप मिश्रा, राजीव तिवारी, संतोष गुप्ता, राजीव श्रीवास्तव, लखनलाल सेन, कुलदीप जैन, अशोक तिवारी, नूर मोहम्मद, प्रशान्त कुमार सहित शिक्षक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में रसोइया माताएं मौजूद रहीं।

प्रदेश स्तरीय तैराकी ट्रायल्स के लिए अरविन्द कुमार का चयन

» मंडल स्तरीय ट्रायल में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद मिला मौका

» 24-25 अगस्त को बरेली में दिखाएंगे प्रतिभा

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

खेल निदेशालय लखनऊ के निर्देश पर 24 एवं 25 अगस्त 2026 को बरेली में प्रदेश स्तरीय सिविल सर्विसेज तैराकी चयन/ट्रायल्स आयोजित किए जाएंगे। इन प्रदेश स्तरीय ट्रायल्स के लिए झांसी मंडल से पंचायत राज विभाग में कार्यरत अरविन्द कुमार का चयन हुआ है। विकास खंड जखौरा की ग्राम पंचायत निवाहो में तैनात एवं नदीपुरा निवासी अरविन्द कुमार ने मंडल स्तरीय चयन/ट्रायल्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसके आधार पर उन्हें प्रदेश स्तरीय ट्रायल्स के लिए चुना गया है। अब वह झांसी मंडल की ओर से बरेली में आयोजित होने वाले प्रदेश स्तरीय ट्रायल्स में प्रतिभाग करेंगे। प्रदेश के विभिन्न मंडलों से चयनित तैराकों के प्रदर्शन के आधार पर उत्तर प्रदेश की सिविल सर्विसेज तैराकी टीम का गठन किया जाएगा। चयनित टीम आगामी सत्र 2026-27 में आयोजित होने वाली ऑल इंडिया सिविल सर्विसेज तैराकी प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी। अरविन्द कुमार के प्रदेश स्तरीय ट्रायल्स के लिए चयनित होने पर पंचायत राज विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ ही जिले के खेल प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त किया। सभी ने उनके उज्ज्वल प्रदर्शन की कामना करते हुए प्रदेश की टीम में स्थान बनाने के लिए शुभकामनाएं दीं।

सर्पदंश को न लें हल्के में

झाड़-फूंक में समय गंवाया तो जा सकती है जान

» ललितपुर में रोजाना 3-4 मरीज पहुंच रहे अस्पताल

» विशेषज्ञ ने ग्रामीणों से तत्काल चिकित्सा सहायता लेने की अपील की

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

बारिश के मौसम में जिले और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सर्पदंश के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। वर्तमान में प्रतिदिन करीब तीन से चार सर्पदंश पीड़ित मरीज अस्पताल की ओपीडी और इमरजेंसी में उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। ऐसे में चिकित्सकों ने लोगों से सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक और घरेलू उपचार में समय बर्बाद न करने तथा तत्काल अस्पताल पहुंचने की अपील की है। ऑटोनोमस स्टेट मेडिकल कॉलेज के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के एसोसिएट प्रो.डा.घनश्याम अहिरवार ने जनहित में जारी जागरूकता संदेश में कहा कि सर्पदंश एक मेडिकल इमरजेंसी है। समय पर अस्पताल पहुंचना पीड़ित की जान बचाने में सबसे महत्वपूर्ण कदम है। सर्पदंश के बाद झाड़-फूंक, तंत्र-मंत्र, जड़ी-बूटी या अन्य पारंपरिक उपचार में समय गंवाना गंभीर और जानलेवा साबित हो सकता है। डा.घनश्याम अहिरवार के अनुसार सांप के काटने के बाद सबसे पहले घबराने के बजाय मरीज को शांत रखें। काटे गए अंग को कम से कम हिलाएं-डुलाएं और पीड़ित को जल्द से जल्द निकटतम सरकारी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र की इमरजेंसी में पहुंचाएं। यदि सुरक्षित दूरी से संभव हो तो सांप की पहचान के लिए उसकी फोटो ली जा सकती है, लेकिन सांप को पकडऩे या मारने का प्रयास नहीं करना चाहिए। चिकित्सकीय सलाह के बिना मरीज को किसी प्रकार की दवा या घरेलू उपचार देने से भी बचना चाहिए। चिकित्सक ने सर्पदंश के बाद कुछ सावधानियां बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि झाड़- फूंक या तंत्र-मंत्र में समय न गंवाएं। घाव को काटकर खून निकालने का प्रयास न करें और न ही घाव पर मिट्टी, राख, जड़ी-बूटी या अन्य पदार्थ लगाएं। काटे गए अंग पर कसकर रस्सी या पट्टा बांधना भी नुकसानदायक हो सकता है। मरीज को शराब या किसी अन्य नशीली चीज का सेवन भी न कराएं। विशेषज्ञ के अनुसार सर्पदंश का उपचार संभव है। समय पर अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकीय जांच और आवश्यकता के अनुसार एंटी स्नेक वेनम (एएसवी) सहित आवश्यक उपचार देकर मरीज की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों से अपील की कि सर्पदंश को अंधविश्वास या झाड़- फूंक का विषय न बनाएं, बल्कि इसे मेडिकल इमरजेंसी समझते हुए बिना देरी किए अस्पताल पहुंचाएं। झाड़- फूंक में समय न गंवाएं, सर्पदंश के बाद तुरंत अस्पताल जाएं, जीवन बचाएं।

सुकुवां-डुकुवां डैम में मछली पकडऩे से रोकने पर चौकीदार पर हमला, चार नामजद

लाठी-डंडों से मारपीट, स्टीमर में तोड़फ़ोड़ और जान से मारने की धमकी का आरोप

ललितपुर। थाना पूराकलां क्षेत्र के सुकुवां-डुकुवां बांध में मछली पकडऩे का विरोध करना डैम के चौकीदार और उसके साथी को भारी पड़ गया। आरोप है कि बांध में जाल डालकर मछली पकड़ रहे लोगों को रोकने पर चार नामजद आरोपियों ने अपने साथियों के साथ चौकीदार और उसके साथी पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में दोनों घायल हो गए। आरोपियों पर स्टीमर में तोड़फ़ोड़ करने और जान से मारने की धमकी देकर भागने का भी आरोप है। पुलिस ने पीड़ित के पुत्र की तहरीर पर चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गोविंद नगर निवासी पानबाई के नाम सुकुवां-डुकुवां डैम में मछली पालन का सरकारी ठेका है। इसकी रखवाली के लिए अशोक यादव चौकीदार के रूप में तैनात हैं। 19 अगस्त 2026 की रात करीब 11 बजे अशोक यादव गांव के ही जाहर सिंह यादव के साथ स्टीमर से डैम क्षेत्र में चेकिंग के लिए निकले थे। भैसनवाराकलां गांव की ओर पहुंचने पर उन्होंने कथित तौर पर रवि, देवेन्द्र, मदन और अजय समेत कुछ अन्य लोगों को डैम में जाल डालकर मछली पकड़ते देखा। आरोप है कि चौकीदार अशोक यादव और जाहर सिंह ने मछली पकडऩे से मना किया तो आरोपी गाली-गलौज करने लगे। इसके बाद चारों नामजद आरोपियों ने अपने 4-5 अन्य साथियों के साथ दोनों पर लात-घूंसों और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में अशोक यादव और जाहर सिंह घायल हो गए। तहरीर के मुताबिक, हमलावरों ने डैम में मौजूद स्टीमर में भी तोडफ़ोड़ की और दोनों को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग निकले। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे अशोक के पुत्र सुदीप और उनके चचेरे भाई नरेश ने कथित तौर पर भाग रहे आरोपियों को पहचान लिया। मामले में भैसनवाराकलां निवासी सुदीप पुत्र अशोक यादव की तहरीर पर थाना पूराकलां पुलिस ने ग्राम गेवरा निवासी रवि पुत्र सोबरन ढीमर, देवेन्द्र पुत्र सोबरन ढीमर, मदन पुत्र परसादी ढीमर और अजय पुत्र मुकद्दम ढीमर के खिलाफ बीएनएस की धारा 324(4), 351(3), 352, 115(2) और 191(2) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

संक्षिप्त खबरें

बनकटा में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का जयवर्धन तिवारी ने फीता काटकर शुभारंभ किया

इटवा (सिद्धार्थनगर)। तहसील क्षेत्र में ग्राम पंचायत ग्राम बनकटा में जयवर्धन तिवारी के अथक प्रयास से लखनऊ के बेल्सन हॉस्पिटल द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित स्वास्थ्य शिविर के बतौर मुख्य अतिथि जयवर्धन तिवारी ने फीता काटकर स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया। और डा.एस कांत तिवारी ने शिविर में आँखों की जांच भी किया।बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं क्षेत्रवासियों में सहभागिता कर निःशुल्क स्वास्थ्य की जांच कर दवा दी गई। डॉ. गंगाधर शुक्ल व डॉ. विमलेश ने मरीजों को सुचार रूप से शुगर, व बीपी का जाँच कर जोड़ों का दवा भी दी गई।इस अवसर पर अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ के लिए शिविर में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया गया। इस दौरान जयवर्धन तिवारी ने कहा कि क्षेत्रवासियों की सेवा व उनके सुख-दुःख में साथ खड़ा रहना और स्वस्थ एवं सशक्त इटवा विधानसभा निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करना ही मेरा संकल्प है। जनसेवा के, लिए सदैव तत्पर यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। इस अवसर पर ऊषा चौधरी , प्रधान पप्पू चौरसिया, राकेश चौधरी, बब्बुनर सिंह , सहित क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

164 मरीजों को जांच करदी गई दवाएं

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर)। न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिस्कोहर में रविवार को जन आरोग्य मेला आयोजित हुआ। जिसमें क्षेत्र से आए हुए मरीजों को जांच कर दवा दी गई। इस दौरान डॉक्टर इशियाक अहमद द्धारा 113 मरीजों का जांच किया गया और दवा दी गई। न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोहड़ोरा कठौतिया रामनाथ में जन आरोग्य मेले में 51मरीजों को देखा गया उन्हें दवा दी गई। इस मौके पर डॉक्टर इशियाक अहमद, डॉक्टर राहुल कुमार ,फार्मासिस्ट त्रिशुल चतुर्वेदी,राकेश कुमार चौधरी, धीरज राय,राजू आदि लोग उपस्थित रहे।

टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के संकल्प में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण

रायबरेली- टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत माई भारत वालंटियर अनुभवनात्मक शिक्षण कार्यक्रम (ELP) के पांचवें एवं अंतिम दिवस का प्रशिक्षण संपन्न हुआ। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. अनुपम सिंह एवं जिला युवा अधिकारी वर्तिका सिंह के मार्गदर्शन में वालंटियर्स को ग्राम हैबतमऊ एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। डॉ. अनुपम सिंह ने कहा कि टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के संकल्प को साकार करने में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। युवाओं की सक्रिय भागीदारी से टीबी के प्रति जागरूकता और समय पर जांच को बढ़ावा मिलेगा। स्टेट स्तर से आई विश्व स्वास्थ्य संगठन की डॉ. विजय कार्थे एवं टीएसयू के शैलेंद्र उपाध्याय ने वालंटियर्स के प्रशिक्षण एवं सीखने के स्तर का मूल्यांकन किया। प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले वालंटियर्स को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक करुणा शंकर मिश्र ने कहा कि टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के लिए ग्राम पंचायत, स्वास्थ्यकर्मियों, युवाओं और आमजन की सामूहिक भागीदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि कोई संभावित मरीज जांच से न छूटे और कोई टीबी मरीज उपचार बीच में न छोड़े, इसके लिए वालंटियर्स जागरूकता अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाएं। कार्यक्रम में जिला प्रोग्राम समन्वयक अभय मिश्रा, जिला पब्लिक प्राइवेट मिक्स समन्वयक मनीष श्रीवास्तव, जिला टीबी-एचआईवी समन्वयक अतुल कुमार सहित एनटीईपी स्टाफ मौजूद रहा। प्रशिक्षण को सफल बनाने में कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर मौसमी, दिव्यांशु एवं रामबली का सराहनीय योगदान रहा। समापन पर वालंटियर्स ने टीबी मुक्त ग्राम पंचायत और टीबी मुक्त भारत के संकल्प को जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

मानदेय वृद्धि और कैशलेस चिकित्सा कार्ड से रसोइया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। प्रधानमंत्री पोषण योजनान्तर्गत रसोईयों का सम्मान समारोह एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण का कार्यक्रम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लखनऊ से किया गया। जिसका लाइव प्रसारण विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह के साथ लोहिया कलाभवन में देखा गया। विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या को बुके देकर स्वागत किया गया। बेसिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों के छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा आप लोगों को उपहार दिया गया है। रसोईयों को इलाज के लिए 05 लाख तक निःशुल्क कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ दिया गया है। स्कूलों में बच्चों को भोजन बनाने हेतु ड्रेस में रू0 500 प्रतिवर्ष की वृद्धि की गयी है। इसके साथ मानदेय में 1000 की वृद्धि की गयी है। रू0 2 लाख तक दुर्घटना योजना का लाभ दिया जायेगा। जिलाधिकारी को धन्यवाद देते हुए कहा कि आज सभी विधानसभा में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। विधायक शोहरतगढ़ ने सभी को बधाई दिया। जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या ने इस अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा रक्षाबंधन से पूर्व रसोईयों को 4 उपहार दिया गया है। 1000 की मानदेय में वृद्धि की कर रसोईयों का सम्मान बढ़ाया है। सरकार द्वारा पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने सभी जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री का धन्यवाद देते हुए कहा कि आप सभी का मानदेय बढ़ाया गया है। इसके साथ ही कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ दिया जायेगा। विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने 05-05 रसोईयों को कैशलेस चिकित्सा कार्ड, ड्रेस वितरण, प्रतीकात्मक चेक, एवं उत्कृष्ट कार्य हेतु 05 रसोईयों को सम्मानित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार ने सभी रसोइयों को बधाई देते हुए पूरे मनोयोग से कार्य करने का आवाहन किया। इस अवसर पर संबधित खण्ड शिक्षा अधिकारी, जिला समन्वयक,शिक्षक, रसोईया आदि उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार की गलत नीतियों से आम जनता आजिज : माता प्रसाद पाण्डेय

इटवा (सिद्धार्थनगर)। रविवार को इटवा स्थित डॉ0 राम मनोहर लोहिया डिग्री कॉलेज में समाजवादी पार्टी के द्वारा सेक्टर / सह सेक्टर प्रभारियों की बैठक आयोजित की गई । बैठक में इटवा विधायक/ नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय ने सभी सेक्टर का समीक्षा करते हुए कहा कि सभी लोग अपने - अपने सेक्टर के बूथों पर जाकर लोगों से मिलकर समाजवादी पार्टी की योजनाओं को लोगों को बताए और पार्टी में ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने का काम करें ।जिससे विधानसभा चुनाव 2027 में अच्छे मतों से चुनाव में जीत हासिल हो सकें। भाजपा सरकार की गलत नीतियों साथ ही साथ पूरे प्रदेश की जनता मंहगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से ऊब चुकी है और बदलाव का मन बना चुकी है। बैठक में जिला महासचिव कमरुज्जमा खान, विधानसभा अध्यक्ष बबलू खान, सुरेश पाण्डेय, अब्दुल लतीफ, सुनील यादव, दिनेश मिश्रा, बबलू पाठक, अनूप सिंह, भोला यादव, अभिषेक सिंह, शक्तिनाथ पाण्डेय, एजाज शाह, अजय चतुर्वेदी, कमर अहमद, सुशील तिवारी, राम बिलास चौहान, सतीश पाण्डेय, सौरभ श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

बेल्हा की बहनों की 1100 राखियां सीमा पर तैनात जवानों को भेजी गइ

राखी में छलका देशभक्ति का जज्बा, एलायंस क्लब ने जवानों के लिए भेजीं राखियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। रक्षाबंधन से पहले प्रतापगढ़ की बहनों ने देश की सीमाओं पर तैनात सैनिक भाइयों के लिए राखी भेजकर स्नेह और सम्मान का अनूठा संदेश भेजा है। एलायंस क्लब इंटरनेशनल की पहल पर जिले की बहनों द्वारा तैयार की गई 1100 राखियां एकत्र कर राष्ट्रपति को भेजी गई, ताकि ये रक्षा सूत्र देश की रक्षा में डटे जवानों तक पहुंच सकें। बीते दिन एलायंस क्लब इंटरनेशनल के पदाधिकारियों ने क्लब के इंटरनेशनल डायरेक्टर एवं समाजसेवी रोशनलाल उमरवैश्य के नेतृत्व में सभी राखियां प्रधान डाकघर के माध्यम से राखियां राष्ट्रपति को भेजी गई। इस अवसर पर रोशनलाल उमरवैश्य ने कहा कि देश की सीमाओं पर कठिन परिस्थितियों में तैनात वीर सैनिकों के त्याग और बलिदान का ऋण कभी चुकाया नहीं जा सकता। राखी का यह रक्षा सूत्र सैनिक भाइयों के प्रति बहनों के आत्मीय भाव का प्रतीक है और उनका मनोबल बढ़ाने का कार्य करता है। उन्होंने बताया कि एलायंस क्लब और महिला क्लब की ओर से पिछले 26 वर्षों से लगातार सैनिक भाइयों के लिए राखियां भेजने की परंपरा निभाई जा रही है। डाक अधीक्षक ईसम सिंह ने एलायंस क्लब के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि सैनिकों के प्रति सम्मान और अपनत्व का यह भाव समाज के लिए प्रेरणादायी है। वहीं सीनियर पोस्टमास्टर संजय गुप्ता ने कहा कि प्रतापगढ़ की बहनों द्वारा भेजे गए ये रक्षा सूत्र सैनिक भाइयों को भावनात्मक संबल और नई ऊर्जा प्रदान करेंगे। क्लब की नॉर्थ जोन एडवाइजर पूनम गुप्ता ने कहा कि देश के वीर जवान हर परिस्थिति में राष्ट्र की रक्षा के लिए तत्पर रहते हैं। ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि। सैनिकों ने देशवासियों का मनोबल बढ़ाया है। उन्होंने प्रार्थना की कि बहनों द्वारा भेजी गई राखियां जवानों के लिए सदैव रक्षा कवच बनें और उन्हें शक्ति प्रदान करें। इस अवसर पर शैलेंद्र पांडे निरीक्षक, प्रतिभा सहायक मंडली, अमित कुमार, श्रेया सिंह, सचिन शुक्ला, पूनम गुप्ता, श्वेता जायसवाल, डाली सिंह, रेखा उमरवैश्य, अर्चना खंडेलवाल, प्राची गुप्ता, डॉ. दयाराम मौर्य, संतोष कुमार, छेदीलाल, देवानंद, आदर्श कुमार, विवेक कुमार सहित क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

सिद्धार्थनगर : सनई-पकड़ी मार्ग पर डंपर पलटा, चालक की दर्दनाक मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर थाना क्षेत्र के सनई पकड़ी मार्ग पर सड़क निर्माण के लिए गिट्टी लेकर जा रहा डंपर शनिवार की रात हादसे का शिकार हो गया। सनई से करीब एक किलोमीटर दूर हुए हादसे में 48 वर्षीय डंपर चालक हरिशंकर की मौके पर ही मृत्यु हो गई। रात में सड़क सूनी होने के कारण हादसे की जानकारी सुबह हो सका। मृतक हरिशंकर पुत्र महाबली उसका बाजार थाना क्षेत्र के उस्का बाजार नगर पंचायत के सरदार पटेल नगर वार्ड के निवासी थे। वह क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण कार्य में डंपर चलाते थे। शनिवार रात भी वह डंपर लेकर उसका बाजार की ओर जा रहे थे। रविवार तड़के करीब तीन बजे सनई- पकड़ी मार्ग पर उनका डंपर अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसा इतना भीषण था कि हरिशंकर ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जेब में मिला आधार कार्ड, तब हुई पहचान रात के समय मार्ग पर आवाजाही कम होने के कारण किसी की नजर हादसे पर नहीं पड़ी। सुबह सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने डंपर के आसपास जांच के बाद चालक की जेब की तलाशी ली। उसमें मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान हरिशंकर के रूप में हुई। इसके बाद पुलिस ने परिवार को सूचना दी। थानाध्यक्ष मिथलेश राय ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

महिला आयोग की सदस्य 25 अगस्त को जनसुनवाई, व विभिन्न कार्यक्रमों में होगी शामिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा 24 और 25 अगस्त को प्रतापगढ़ के दौरे पर रहेगी। इस दौरान वह महिला एवं बाल कल्याण से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ विभिन्न संस्थानों का निरीक्षण, जनसुनवाई और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगी। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद के साथ रक्षाबंधन उत्सव में भी शामिल होंगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 24 अगस्त को अपरान्ह 4 बजे महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा कौशाम्बी के भरवारी स्थित कैंप कार्यालय से प्रतापगढ़ के लिए रवाना होगी। अपरान्ह 5.30 बजे निरीक्षण भवन, प्रतापगढ़ पहुंचकर रात्रि विश्राम करेंगी। 25 अगस्त को सुबह 8 बजे आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण करेगी। इस दौरान गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और नवजात बच्चों का अन्नप्राशन कराया जाएगा। इसके बाद पूर्वान्ह 9 बजे वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया जाएगा। पूर्वान्ह 11 बजे मेडिकल कालेज, प्रतापगढ़ पहुंचकर निरीक्षण करेंगी और प्रशिक्षु छात्र-छात्राओं से संवाद करेंगी। इसके बाद अपरान्ह एक बजे विकास भवन में जनसुनवाई एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित होगा।अपरान्ह 2 बजे विकास भवन में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक होगी।इसके बाद अपरान्ह 3.30 बजे अफीम कोठी में सदर तहसील क्षेत्र के स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद करेंगी। अपरान्ह 4 बजे रानीगंज कैंप कार्यालय, बभनमई-रामगढ़ में रक्षाबंधन उत्सव में शामिल होंगी। कार्यक्रम में पूर्व विधायक धीरज ओझा की सहभागिता रहेगी। अपरान्ह 6 बजे निरीक्षण भवन प्रतापगढ़ पहुंचने के बाद सुविधा के अनुसार वह कौशाम्बी के भरवारी स्थित कैंप कार्यालय के लिए रवाना होगी।

गैर जमानती वारंट के दो अभियुक्त हुये गिरफ्तार

प्रतापगढ़। थाना संग्रामगढ़ पुलिस द्वारा ई-सम्मन पोर्टल से प्राप्त न्यायालय द्वारा जारी गैर जमानती वारंट के अनुपालन में वांछित वारण्टी अभियुक्तों में अभियुक्त कमलेश कुमार पटेल पुत्र सरजू पटेल निवासी ग्राम लाला का पुरवा, थाना संग्रामगढ़, जनपद प्रतापगढ़, उम्र करीब 55 वर्ष को संबंधित क्रिमिनल केस 181/2020, मु0अ0सं0 184/2018 धारा 138 विद्युत अधिनियम में जारी गैर जमानती वारंट के अनुपालन में संग्रामगढ़ बाजार स्थित गुमटी से गिरफ्तार किया गया। इसी क्रम में अभियुक्त हीरालाल पटेल पुत्र सरजू पटेल निवासी ग्राम बावलिया, थाना संग्रामगढ़, जनपद प्रतापगढ़, उम्र करीब 65 वर्ष को संबंधित क्रिमिनल केस में जारी वारंट के अनुपालन में उसके घर से गिरफ्तार किया गया।

जिला सेवायोजन कार्यालय में रोजगार मेले का आयोजन आज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया है कि जिला सेवायोजन कार्यालय कटरा रोड प्रतापगढ़ परिसर में बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज सोमवार को प्रातः 10 बजे से रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की तीन प्रतिष्ठित कंपनियां द्वारा सेल्स एग्जीक्यूटिव, ऑपरेटर असिस्टेंट व पैकर्स एंड मूवर्स/स्टोर एसोसिएट के विभिन्न पदों पर अभ्यर्थियों का चयन करेंगी। उन्होने बताया है कि रोजगार मेले में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ पंजीयन प्रमाण-पत्र, मूल शैक्षिक प्रमाण-पत्र, सीवी/बायोडाटा और पासपोर्ट साइज फोटो लेकर उपस्थित होना होगा। इच्छुक अभ्यर्थी रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिए अपनी सहमति भी व्यक्त कर सकते हैं। उन्होने बताया है कि रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिए अभ्यर्थी रोजगार संगम पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं। रोजगार मेले से संबंधित जानकारी के लिएअभ्यर्थीrojgaarsangam.up.gov.in/ncs.gov.in पर ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं। भर्ती में यात्रा, रहने, खाने, मेडिकल, परिवहन, बोनस आदि की सुविधाएं संबंधित कंपनी के नियम एवं शर्तों के अनुसार होगी।

दुष्कर्म एवं पॉक्सो एक्ट के मुकदमे में वांछित बाल अपचारी हुआ गिरफ्तार

प्रातापगढ़। थाना कोतवाली नगर द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर थाना कोतवाली नगर पर पंजीकृत अन्तर्गत धारा 65(1)/351(3) बीएनएस एवं 3/4(2) पॉक्सो एक्ट में वांछित बाल अपचारी को थाना क्षेत्रान्तर्गत पूर्व माध्यमिक विद्यालय से भगवा चौराहे की ओर जाने वाली सड़क से पुलिस अभिरक्षा में लिया गया।पुलिस अभिरक्षा में लिए गए बाल अपचारी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया और प्रकरण में नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही जारी है।

रसोइया बहनों के परिश्रम और सेवा को मिला सम्मान, कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

इटवा (सिद्धार्थनगर)। नगर पंचायत इटवा कार्यालय परिसर स्थित सभागार में प्रधानमंत्री मध्याह्न भोजन (पीएम पोषण) योजना के अंतर्गत रसोइया सम्मान समारोह एवं कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष इटवा विकास जायसवाल ने विभिन्न विद्यालयों में बच्चों को मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली रसोइया बहनों को सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने रसोइयों के कार्यों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और बेहतर स्वास्थ्य की कामना की। नगर पंचायत अध्यक्ष विकास जायसवाल ने कहा कि विद्यालयों में पढ़ने वाले नौनिहालों को पौष्टिक एवं संतुलित आहार उपलब्ध कराने में रसोइया बहनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। बच्चों के स्वस्थ शरीर और बेहतर मानसिक विकास के लिए पौष्टिक भोजन जरूरी है। रसोइया बहनें प्रतिदिन पूरी जिम्मेदारी, मेहनत और सेवा भावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रही हैं। उनके इसी समर्पण से विद्यालयों में बच्चों को निर्धारित समय पर भोजन उपलब्ध हो पाता है। उन्होंने कहा कि रसोइया केवल भोजन तैयार करने का कार्य नहीं करतीं, बल्कि बच्चों के स्वास्थ्य और उनके भविष्य के निर्माण में भी अप्रत्यक्ष रूप से महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। सरकार की योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने में इनकी मेहनत की अहम भूमिका है। ऐसे में उनके परिश्रम और सेवा को सम्मानित करना समाज की जिम्मेदारी भी है।कार्यक्रम में रसोइया बहनों को सम्मानित करते हुए विकास जायसवाल ने कहा कि उनके परिश्रम, सेवा और समर्पण को सम्मान देना तथा उनके स्वास्थ्य एवं कल्याण की चिंता करना प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कैशलेस चिकित्सा कार्ड का वितरण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का लाभ मिलने से रसोइया बहनों को आवश्यकता के समय बेहतर चिकित्सा सुविधा प्राप्त करने में सहूलियत होगी। समारोह के दौरान उपस्थित अतिथियों ने भी रसोइया बहनों के कार्यों की प्रशंसा की। वक्ताओं ने कहा कि मध्याह्न भोजन योजना का उद्देश्य केवल बच्चों को भोजन उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति, पोषण और शिक्षा के प्रति उनकी रुचि को बढ़ावा देना भी है। इस पूरी व्यवस्था को सफल बनाने में रसोइयों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष कृष्णा मिश्रा, इटवा मंडल अध्यक्ष कन्हैया विश्वकर्मा, बिस्कोहर मंडल अध्यक्ष कुंवर मिश्रा, वरिष्ठ भाजपा नेता शिवजी तिवारी, जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ आदित्य कुमार शुक्ला, ब्लॉक अध्यक्ष अजय साहू, ब्लॉक महामंत्री विनोद कुमार उपाध्याय सहित अन्य पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। इसके अलावा शिवप्रकाश पाण्डेय, विनीता चौधरी, पृथ्वीराज चौहान, ब्लॉक अध्यक्ष मुहम्मद इमरान, कपिल तिवारी, राजकुमार शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष करुणेश मौर्य, प्रदीप मिश्रा, बालकृष्ण मिश्रा, राजेंद्र यादव, मोहित द्विवेदी, मीनू मिश्रा समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के जिला कार्यालय का हुआ उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। कोतवाली देहात क्षेत्र के अंतर्गत सुखपाल नगर में स्थित आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) के जिला कार्यालय का उद्घाटन प्रदेश महासचिव जोन प्रभारी विनय सागर द्वारा किया गया।कार्यक्रम के दौरान मण्डल प्रभारी प्रयागराज राशिद ख़ान, ज़िला अध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार सरोज, भाई-चारा कमेटी के मण्डल प्रभारी मुनव्वर ख़ान, मण्डल प्रभारी प्रयागराज डॉ. आक़िब ज़फ़र, भावी प्रत्याशी फूलपुर शाहिद अख़्तर, पूर्व मण्डल अध्यक्ष बाबू लाल मौर्या, भाई-चारा कमेटी के मण्डल प्रभारी विजय सरोज, महानगर अध्यक्ष प्रयागराज मो. अर्श, ज़िला प्रभारी सोहेल ख़ान एवं ज़िला प्रभारी सदर नियाज़ हसन ने प्रदेश महासचिव/ज़ोन प्रभारी विनय सागर को शॉल, माला एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश महासचिव/ज़ोन प्रभारी विनय सागर ने कहा कि पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं सदस्य जिस तरह तन-मन-धन से संगठन को मजबूत करने में जुटे हैं, वह निश्चित रूप से सराहनीय है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) बेहतर प्रदर्शन करेगी। जिला कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम के पश्चात आगामी 02 सितंबर को भीम आर्मी के चीफ़ एवं आज़ाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट चंद्रशेखर आज़ाद के आगमन को लेकर विधानसभा विश्वनाथगंज के मैदान का भी निरीक्षण किया गया।इस अवसर पर जिला प्रभारी बाबागंज चंद्रकेश गौतम, ज़िला प्रभारी रामपुरखास परशुराम सरोज, ज़िला प्रभारी विश्वनाथगंज मो. नफ़ीस, ज़िला उपाध्यक्ष अनिरुद्ध सरोज, डॉ. शाहिद सिद्दीकी, मो. अमान, ज़िला मीडिया प्रभारी निखिल आज़ाद, ज़िला उपाध्यक्ष राम सजीवन सरोज, डॉ. राम सजीवन गौतम, मो. यासीन, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष मो. आदिल, विश्वनाथगंज विधानसभा अध्यक्ष अजीत गौतम, ज़िला महासचिव धर्मेंद्र गौतम, ज़िला संगठन मंत्री मो. शम्सुद्दीन, ज़िला जीत गौतम, विधानसभा अध्यक्ष रामपुरखास अंकित गौतम, विधानसभा अध्यक्ष बाबागंज गुलशन सरोज, भावी ज़िला पंचायत सदस्य लक्ष्मणपुर मो. शब्बीर, भावी ज़िला पंचायत सदस्य मोहम्मद रऊफ़ एवं महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष सरोजा सरोज, महिला मोर्चा जिला सचिव आरती बिंद एवं समाजसेवी आसिफ़ सलमानी, समाजसेवी डॉ. जलालुद्दीन,ई. मो.सलमान, कार्यालय प्रभारी पवन कुमार आदि कार्यकर्ता एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति के तहत बहू-बेटी सम्मेलन में महिलाओं को किया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के तहत रविवार को थाना महराजगंज की मिशन शक्ति टीम ने ग्राम गढ़ी पोखरनी में 'बहू-बेटी सम्मेलन' एवं चौपाल का आयोजन कर महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में महिलाओं को 1090, 181, 112, 108, 1076, 102, 1930, 101 और 1098 सहित विभिन्न आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। टीम ने बताया कि 1090 पर शिकायत करने वाली महिला की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है। इसके साथ ही कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन, मातृशक्ति वंदन योजना तथा आंगनबाड़ी पोषण योजना के बारे में भी जानकारी दी गई। महिलाओं को रात्रि महिला स्कॉर्ट 112 की सुविधा से अवगत कराते हुए उनकी समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुना गया और जरूरत पड़ने पर पुलिस सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं से किसी भी प्रकार की समस्या होने पर बिना संकोच पुलिस से संपर्क करने की अपील की। कार्यक्रम में संबंधित बीट आरक्षियों एवं संभ्रांत नागरिकों की सहभागिता रही। थाना महराजगंज की ओर से हेड कांस्टेबल शत्रुजीत राय, कांस्टेबल अरुण कुमार, महिला हेड कांस्टेबल गीता सिंह, महिला आरक्षी रक्षा यादव, हिमानी तोमर, सांवली राठौर, राधा कुमारी एवं दीक्षा वर्मा ने सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

दुल्लभछड़ा- गुवाहाटी एक्सप्रेस दोनों दिशाओं में जल्द बहाल करने की मांग

मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का ध्यान आकर्षित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: असम बराक घाटी के यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही परेशानी को देखते हुए दुल्लभछड़ा-गुवाहाटी एक्सप्रेस का परिचालन दोनों दिशाओं में शीघ्र बहाल करने की मांग जोर पकड़ने लगी है। क्षेत्र के हजारों यात्रियों की सुविधा और बेहतर रेल संपर्क को ध्यान में रखते हुए इस महत्वपूर्ण ट्रेन सेवा को जल्द से जल्द पुनः शुरू करने की मांग की जा रही है। यात्रियों का कहना है कि क्षेत्र में अन्य रेल सेवाओं का परिचालन जारी है, ऐसे में दुल्लभछड़ा-गुवाहाटी एक्सप्रेस की सेवा भी बिना किसी और विलंब के बहाल की जानी चाहिए। वर्तमान में श्रीभूमि जिले के यात्रियों को गुवाहाटी जाने के लिए बदरपुर पहुंचकर दूसरी ट्रेन पकड़नी पड़ती है अथवा रात्रिकालीन अगरतला जाने वाली ट्रेनों पर निर्भर रहना पड़ता है। इसके चलते यात्रियों को लंबे समय तक प्रतीक्षा करने के साथ-साथ अतिरिक्त यात्रा, समय और आर्थिक खर्च वहन करना पड़ रहा है। इस स्थिति से विशेष रूप से बुजुर्गों, महिलाओं, छात्रों, नौकरीपेशा लोगों और व्यापारियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यात्रियों के अनुसार, दुल्लभछड़ा- गुवाहाटी एक्सप्रेस का नियमित परिचालन श्रीभूमि जिले सहित पूरे बराक घाटी के लोगों के लिए गुवाहाटी से सीधा और सुविधाजनक रेल संपर्क उपलब्ध कराता है। ट्रेन सेवा बहाल होने से यात्रियों को राहत मिलने के साथ-साथ शिक्षा, व्यापार, चिकित्सा और प्रशासनिक कार्यों के सिलसिले में गुवाहाटी आने-जाने वाले लोगों को भी काफी सुविधा होगी। इससे बराक घाटी और गुवाहाटी के बीच रेल संपर्क और अधिक सुगम हो सकेगा। यात्रियों ने नॉर्थईस्ट फ्रंटियर रेलवे तथा संबंधित रेल अधिकारियों से मामले को गंभीरता से लेते हुए दुल्लभछड़ा-गुवाहाटी एक्सप्रेस का परिचालन दोनों दिशाओं में शीघ्र पुनः शुरू करने की मांग की है। इस संबंध में यात्रियों ने असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा तथा केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का भी ध्यान आकर्षित किया है। यात्रियों को उम्मीद है कि दोनों स्तरों पर मामले को संज्ञान में लेकर संबंधित रेल अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे, जिससे लंबे समय से चली आ रही इस समस्या का जल्द समाधान हो सके। बराक घाटी के यात्रियों ने जनहित को ध्यान में रखते हुए दुल्लभछड़ा-गुवाहाटी एक्सप्रेस की सेवा दोनों दिशाओं में जल्द बहाल किए जाने की पुरजोर मांग की है।

नदीगांव थाने में आगामी त्योहारों को लेकर हुई पीस कमेटी की बैठक

कोंच(जालौन)- आगामी त्योहारों को लेकर नदीगांव थाना परिसर में रविवार को शांति समिति की बैठक संपन्न हुई जिसमें अधिकारियों ने बारावफात, रक्षाबंधन व जन्माष्टमी पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील की। बैठक की अध्यक्षता प्रभारी निरीक्षक राजकुमार चौधरी ने की। उन्होंने लोगों से तीनों पर्व आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें। निर्धारित रूट से ही बारावफात के जुलूस को निकालें और किसी नई परंपरा को न अपनाएं, सोशल मीडिया पर भ्रामक या आपत्तिजनक संदेश प्रसारित करने से भी बचें। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत पुलिस को सूचित करे। इस दौरान एसआई सुनील सैनी, चेतराम बुंदेला, अखिलेश मिश्रा, मुकेश दुबे, उदय यादव, मनोज दीक्षित, शैलेंद्र कुमार, नंदलाल चौरसिया, हेमंत यादव, शाकिर खान, मोहम्मद हाफिज जीशान हाशमी, कल्लू खान, अशफाक खान, सलामत खान, रामनरेश प्रधान, मुंशीलाल, रंजीत यादव डेश, गंभीर यादव ककरौली आदि मौजूद रहे।

हाईवे के किनारे खड़े वाहनों पर बड़ी कार्यवाही

192 वाहनों का एमवी एक्ट के तहत चालान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में सड़क सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कानपुर नगर के प्रमुख हाई-वे पर विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान संबंधित जोन के यातायात निरीक्षकों एवं सीसी टीम प्रभारियों द्वारा हाईवे के किनारे अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों को हटवाया गया तथा वाहन चालकों को सड़क किनारे वाहन खड़ा न करने, निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करने, वाहन खराबी की स्थिति में आवश्यक सुरक्षा संकेतक (रिफ्लेक्टर, ट्रायंगल, पार्किंग लाइट आदि) लगाने तथा यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने के संबंध में जागरूक एवं निर्देशित किया गया। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 192 वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम (MV Act) के अंतर्गत नियमानुसार चालान की कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस कानपुर नगर द्वारा आमजन व वाहन चालकों से अपील की गई है कि यातायात नियमों का पालन करें, हाईवे अथवा मुख्य मार्गों के किनारे अनावश्यक रूप से वाहन खड़ा न करें तथा सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में यातायात पलिस का सहयोग करें।

संक्षिप्त खबरें

'गो ग्रीन ड्राइव' पहुंची लुधियाना, ऋतिक अरोड़ा ने किया पौधरोपण

लुधियाना। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई 'गो ग्रीन ड्राइव' शनिवार को लुधियाना पहुंची। पर्यावरण एवं सामाजिक न्याय आयोग के चेयरमैन ऋतिक अरोड़ा ने मंडी गोबिंदगढ़ से अभियान की शुरुआत की। अभियान के तहत लुधियाना में करीब 3,000 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस दौरान गुरु नानक स्टेडियम में भी पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर बैडमिंटन खिलाड़ी आर.के. अरोड़ा ने भी पौधरोपण अभियान में हिस्सा लिया। उनके साथ पैरा-बैडमिंटन की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शबाना और अश्विनी कुमार ने भी पौधे लगाए। ऋतिक अरोड़ा ने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि केवल पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे पेड़ बनने तक संरक्षित करना भी हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने लुधियाना के लोगों से जरूरतमंद बैडमिंटन खिलाड़ियों की मदद करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि प्रतिभावान खिलाड़ियों को आगे बढ़ने के लिए समाज के सहयोग की आवश्यकता होती है। सक्षम लोगों को ऐसे खिलाड़ियों के समर्थन के लिए आगे आना चाहिए।

पति और सास पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

कोंच(जालौन)- प्रेम विवाह करने वाली एक महिला ने अपने पति और सास पर उसका उत्पीड़न करने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्यवाही किए जाने की गुहार लगाई है। मोहल्ला जयप्रकाश नगर कोंच निवासी महिला उमरा ने कोतवाली पुलिस को दिए अपने प्रार्थना पत्र में बताया कि उसने राजा नाम के युवक से प्रेम विवाह किया है। लेकिन अब पति राजा और सास सलमा दहेज न लाने पर उसे घर पर नहीं रहने दे रहे हैं। महिला ने पुलिस को बताया कि पति और सास गाली गलौच और मारपीट कर उसका उत्पीड़न कर रहे हैं, साथ ही तलाक की धमकी देकर उसे घर से बाहर निकाल दिया है जिससे वह दर-दर भटकने पर मजबूर है। मामले को लेकर महिला ने पुलिस से कार्यवाही किए जाने की गुहार लगाई है। वहीं पुलिस ने मामले की जांच कर कार्यवाही किए जाने का भरोसा महिला को दिया है।

रामलीला अध्यक्ष मंत्री का चुनाव आज

कोंच(जालौन)- धर्मादा रक्षिणी सभा द्वारा संचालित श्रीरामलीला महोत्सव वर्ष 2026 की चुनाव प्रक्रिया आज दिन सोमवार को समय दोपहर 12 वजे गल्ला मंडी स्थित शंकरजी के मंदिर पर सम्पन्न होगी। धर्मादा रक्षिणी सभा के अध्यक्ष विजय गुप्ता भोले एवं मंत्री विनोद दुबे लौना ने बताया कि रामलीला महोत्सव सानंद सम्पन्न कराने के लिए अध्यक्ष एवं मंत्री के सामूहिक आवेदन लिए गए है। उन्होंने बताया कि आए हुए आवेदनों में ही किसी को अध्यक्ष/मंत्री बनाया जाएगा। बताया गया कि अध्यक्ष/ मंत्री को धर्मादा रक्षिणी सभा द्वारा मनोनीत किया जाएगा। उन्होंने सभी गल्ला व्यापारियों से आग्रह किया है कि शंकरजी के मंदिर पर समय से उपस्थित रहकर चुनाव प्रक्रिया को सम्पन्न कराएं।

पंजाब सरकार की नीतियों से नगर निगम कर्मचारियों में खुशी: विजय दानव

लुधियाना- भारतीय वाल्मीकि धर्म समाज (भावाधस) के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य संचालक एवं चेयरमैन दलित विकास बोर्ड विजय दानव के नेतृत्व में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान से मुलाकात की। इस दौरान कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने संबंधी फैसलों के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। विजय दानव ने बताया कि सरकार ने सफाई सेवकों और सीवरमैनों की सेवाएं नियमित करने तथा न्यूनतम 3 साल की सेवा पूरी कर चुके आउटसोर्स कर्मचारियों को सीधे इन-सोर्स आधार पर लेने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि 1 अगस्त 2026 से ठेका आधारित सफाई सेवकों और सीवरमैनों का मानदेय भी बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि ड्यूटी के दौरान किसी कर्मचारी की मृत्यु होने पर परिवार के योग्य सदस्य को तरस के आधार पर नौकरी देने का फैसला भी कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत है। दानव ने दावा किया कि वाल्मीकि और एससी समाज सरकार की नीतियों से खुश है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों को जल्द नियुक्ति पत्र देने और नियमितीकरण की प्रक्रिया पूरी करने का आश्वासन दिया।

एएसआई नवजोत सिंह ने संभाला कंगनवाल पुलिस चौकी का कार्यभार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- पुलिस कमिश्नर लुधियाना आईपीएस स्वप्न शर्मा की ओर से कमिश्नरेट में पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों के तबादलों के क्रम में थाना साहनेवाल के अंतर्गत आती कंगनवाल पुलिस चौकी की जिम्मेदारी एएसआई नवजोत सिंह को सौंपी गई है। नवजोत सिंह ने आज विधिवत रूप से चौकी इंचार्ज का कार्यभार संभाल लिया। एएसआई नवजोत सिंह इससे पहले विभिन्न थानों में बतौर मुख्य मुंशी तथा कई वरिष्ठ अधिकारियों के रीडर के रूप में सेवाएं निभा चुके हैं। विभागीय कोर्स पूरा करने के बाद उन्हें हेड कांस्टेबल से पदोन्नत कर एएसआई बनाया गया है। उनके कार्य के प्रति लगन और समर्पण को देखते हुए उन्हें पदोन्नति के बाद यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। चार्ज संभालने के बाद 'जागृति लहर न्यूज' से बातचीत में एएसआई नवजोत सिंह ने कहा कि पुलिस कमिश्नर लुधियाना और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में मिली जिम्मेदारी को वह पूरी ईमानदारी और तनदेही से निभाएंगे। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था को मजबूत करना, आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाना तथा अपराधियों और नशा तस्करों पर प्रभावी कार्रवाई करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कानून के अनुसार निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

72 लाख की लूट का मास्टरमाइंड निकला ड्राइवर, जीजा के साथ रची थी साजिश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जालंधर। सूर्या एन्क्लेव निवासी लोहा कारोबारी ललित मित्तल से 72 लाख रुपये की लूट के मामले में कमिश्नरेट पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूट की पूरी रकम के अलावा दो बिना नंबर की कारें, दो मोबाइल फोन, एक बेसबेट और एक डंडा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, जांच में सामने आया कि कारोबारी का चालक सन्नी भी लूट की साजिश में शामिल था। उसने अपने जीजा हरदीप सिंह उर्फ दीपु और अन्य साथियों के साथ मिलकर वारदात की योजना बनाई थी। पुलिस के मुताबिक, वारदात के बाद लूट की रकम का बंटवारा शुरू हो गया था। मुख्य साजिशकर्ता बंटी उर्फ मोना को 13 लाख रुपये, जबकि चालक सन्नी और उसके जीजा हरदीप सिंह उर्फ दीपु को 12-12 लाख रुपये मिले थे। शेष रकम का बंटवारा होना बाकी था।

खर्च की गई रकम भी बरामद

पुलिस कमिश्नर सतिंदर सिंह ने बताया कि आरोपियों ने लूट की रकम में से कुछ राशि खर्च कर दी थी। पूछताछ के दौरान पुलिस ने खर्च की गई रकम को भी बरामद कर लिया। पुलिस ने कुल 72 लाख रुपये की नकदी बरामद करने का दावा किया है।

पीछे से कार में मारी थी टक्कर

ललित मित्तल ने 17 अगस्त को थाना रामामंडी में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह कार से घर लौट रहे थे। इसी दौरान सफेद रंग की एक कार ने उनकी कार को पीछे से टक्कर मार दी। इसके बाद कार सवार आरोपियों ने उन्हें रोक लिया और उनकी कार की खिड़की तोड़कर अंदर रखा नकदी से भरा बैग लूट लिया। बैग में करीब 72 लाख रुपये थे। मामले की जांच के दौरान पुलिस को कारोबारी के चालक सन्नी की भूमिका पर संदेह हुआ। पूछताछ और जांच के बाद पुलिस ने लूट की साजिश में शामिल छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल वाहनों और अन्य सामान को भी जब्त कर लिया है।

कांवड़ियों का जत्था कछला घाट जल लेने रवाना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/भदपुरा। गांव परतीतपुर से रविवार शाम पांच बजे 80 कांवड़ियों का डाक कांवड़ का जत्था कछला घाट से पवित्र जल लेने के लिए रवाना हुआ। जत्थे को पूर्व ब्लॉक प्रमुख पुरुषोत्तम गंगवार ने अंग वस्त्र धारण कराकर विधि-विधान से रवाना किया। इस दौरान कांवड़ियों में काफी उत्साह दिखाई दिया। डीजे की धुन पर शिवभक्त नाचते-गाते और भगवान भोलेनाथ का गुणगान करते हुए आगे बढ़े। रवाना होने से पहले सभी कांवड़ियों ने गांव स्थित शिव मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का आशीर्वाद लिया और यात्रा के सफल होने की प्रार्थना की। कांवड़ियों के जत्थे के रवाना होने के दौरान गांव में भक्तिमय माहौल बना रहा। ग्रामीणों ने भी शिवभक्तों का उत्साह बढ़ाया और उन्हें शुभकामनाएं दीं। कांवड़िए कछला घाट पहुंचकर पवित्र गंगाजल लेकर वापस लौटेंगे। इसके बाद गांव के शिव मंदिर में भगवान शिव का जलाभिषेक किया जाएगा। इस मौके पर देवेश गंगवार, अमन गंगवार, राजीव कुमार, कल्याण, रवि कुमार, मोहित कुमार समेत अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

चिठिया रहमत अली में फिर दिखा तेंदुआ, डर के मारे जान बचाकर भागा किसान

तीन दिन पहले महिला के सामने आया था तेंदुआ, अब किसान के सामने से गुजरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/क्योलड़िया। क्षेत्र में तेंदुए की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है। शुक्रवार को रुकुमपुर में तेंदुआ दिखाई देने की सूचना के बाद शनिवार को चिठिया रहमत अली गांव में किसान के सामने तेंदुआ आने से खलबली मच गई। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीमों ने आसपास के गांवों में कांबिंग कर ग्रामीणों को सतर्क किया। रात में भी वन विभाग की टीमों ने सुरक्षा और सतर्कता अभियान चलाते हुए ग्रामीणों को सतर्क किया। शुक्रवार को रुकुमपुर में ग्रामीणों ने तेंदुआ देखे जाने की सूचना वन विभाग को दी। इस दौरान किसी ग्रामीण ने खेत में बैठे तेंदुए का मोबाइल से फोटो भी लिया, जो वायरल हुआ तो आसपास के क्षेत्र में खलबली मच गई। इस बीच रात में वन विभाग की टीमें रुकुमपुर, गुलड़िया लेखराज, चंदपुर ख्याली राम और चिठिया रहमत अली समेत आसपास के गांवों में पहुंचीं। टीमों ने कांबिंग के साथ ग्रामीणों को सावधानी बरतने की सलाह दी। इधर शनिवार सुबह ललौर-गुदरानपुर मार्ग और दिन में दिनेश के गन्ने के खेत में भी तेंदुआ देखे जाने की सूचना वन विभाग को मिली। लगातार मिल रही सूचनाओं के बाद वन रेंजर केके मिश्रा के नेतृत्व में टीमें अप्सरा नदी के आसपास के गांवों में पहुंचीं। टीमों ने तेंदुए की गतिविधियों वाले संभावित स्थानों की निगरानी करते हुए उसकी मौजूदगी का पता लगाने का प्रयास किया। लेकिन शनिवार देर शाम बिजासन गांव निवासी वीरपाल चिठिया रहमत अली स्थित अपने खेत में खाद डाल रहे थे। इसी दौरान गन्ने के खेत से तेंदुआ निकलकर उनके सामने से गुजरा तो अचानक तेंदुआ दिखाई देने पर वीरपाल घबरा गए और शोर मचाते हुए खेत से गांव की ओर भागे। सूचना मिलते ही आदित्य यादव, नन्नू, रवि यादव, राजीव यादव, उमेश, विजय, विवेक और झम्मन लाल समेत कई ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने आसपास के लोगों को सतर्क किया और अकेले खेतों की ओर नहीं जाने की सलाह दी। लगातार अप्सरा नदी के आसपास के गांवों से तेंदुए की मौजूदगी की सूचनाएं मिलने के कारण वन विभाग के सामने उसकी सही लोकेशन तलाशना चुनौती बना हुआ है। अलग-अलग स्थानों से मिल रही सूचनाओं को देखते हुए वन विभाग की टीमें लगातार निगरानी और कांबिंग कर रही हैं। के के मिश्रा वन क्षेत्राधिकारी नबावगंज ने बताया कि ग्रामीणों से घबराने के बजाय सतर्क रहने और तेंदुआ दिखाई देने पर उसके करीब जाने के बजाय वन विभाग को सूचना देने की अपील की जा रही है। तेंदुए की सटीक लोकेशन नहीं मिल पा रही है। पिंजड़ा कैलाश नदी किनारे जगी डांडी गांव में लगाया है लेकिन अब अप्सरा नदी के गांवों से सूचनाएं मिल रही है।

टूण्डला के सुभाष चौराहा पर कांवड़ियों का भव्य स्वागत, पुष्पवर्षा से गूंजा पूरा क्षेत्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला। सावन माह में पवित्र गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर जा रहे कांवड़ियों के सम्मान एवं स्वागत के लिए टूण्डला नगर के सुभाष चौराहा पर भव्य स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा एवं राष्ट्रीय लोक दल के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, सभासदों एवं स्थानीय श्रद्धालुओं ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष चौधरी भंवर सिंह ठेकेदार, अधिशासी अधिकारी आशुतोष त्रिपाठी, राष्ट्रीय लोक दल फिरोजाबाद के जिलाध्यक्ष देशराज सिंह, युवा जिलाध्यक्ष अमर सिंह पचहरे, सभासद दिनेश गुप्ता, चौधरी दीपक ठैनुआ, सतेंद्र चौधरी, भोली ठेकेदार, दयाल बाबू नायक सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। सुभाष चौराहा से गुजरने वाले कांवड़ियों को रोककर श्रद्धाभाव के साथ पुष्पवर्षा की गई तथा उनका स्वागत एवं सम्मान किया गया। श्रद्धालुओं ने कांवड़ियों के प्रति अपनी आस्था एवं सम्मान प्रकट करते हुए भगवान भोलेनाथ के जयकारे लगाए। इस दौरान 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारों से पूरा सुभाष चौराहा गूंज उठा। वातावरण पूरी तरह भक्तिमय नजर आया और मार्ग से गुजर रहे कांवड़ियों में भी स्वागत को लेकर उत्साह दिखाई दिया। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने कहा कि कांवड़ यात्रा हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कांवड़ियों का सम्मान एवं सेवा करना पुण्य का कार्य है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से कांवड़ यात्रा के दौरान आपसी भाईचारा, शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की। कांवड़ियों के स्वागत कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर भी विशेष सतर्कता दिखाई गई। स्थानीय लोगों ने प्रशासन एवं पुलिस द्वारा कांवड़ यात्रा के दौरान की जा रही व्यवस्थाओं की सराहना की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भोले भक्त श्रद्धालु एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे और सभी ने उत्साहपूर्वक कांवड़ियों का स्वागत किया।

बेटी की शिकायत पर पिता के खिलाफ एफआईआर दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- गत रोज शनिवार को कोतवाली में आयोजित थाना समाधान दिवस में पहुंचकर नगर के एक मोहल्ले की रहने वाली एक किशोरी ने अपने पिता पर शराब के नशे में धुत्त होकर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए जाने का दबाव बनाने और इस घृणित व गलत काम में सौतेली सरकारी शिक्षिका मां पर पिता का साथ देने का गंभीर और सनसनीखेज आरोप लगाते हुए शिकायती पत्र देकर कार्यवाही किए जाने की मांग की थी। पुलिस ने उक्त मामले में रविवार को आरोपित उमेश कुशवाहा के विरुद्ध पॉक्सो एक्ट और छेड़खानी की संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। कोतवाल ने बताया कि तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई, मामले की गहनता से जांच की जा रही है। गौरतलब हो कि थाना समाधान दिवस में अपने दादा के साथ पहुंची किशोरी ने सीओ को शिकायती पत्र देकर बताया था कि उसकी मां की मृत्यु हो चुकी है और उसके पिता ने एक सरकारी शिक्षिका महिला के साथ दूसरी शादी की हुई है। उसकी सौतेली मां कोंच से बाहर रहती है जबकि वह यहां पर पिता के साथ में रहती है। शिकायती पत्र में किशोरी ने बताया था कि उसका पिता शराब के नशे में धुत्त होकर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए जाने का उस पर दबाव बनाता है और सौतेली मां भी उसे प्रताड़ित कर पिता की बात मान लेने के लिए उसे धमकाती है। बकौल किशोरी, पिता धमकी देता है कि यदि शारीरिक संबंध नहीं बनाए तो उसे भी मां की तरह जान से मार देंगे। किशोरी ने शिकायती पत्र में बताया था कि गत 20 अगस्त की रात करीब 11 बजे पिता ने उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश की और उसने विरोध किया तो धमकी देकर पिता घर से बाहर कहीं भाग गया।

साइबर जागरुकता के लिए आईआईटी डायरेक्टर के साथ बैठक

कानपुर। कानपुर जोन की पुलिस के लिए साइबर जागरूकता और क्षमता निर्माण के क्षेत्र में सहयोग के लिए आईआईटी कानपुर के डायरेक्टर डॉ. मनिंद्र अग्रवाल के साथ बैठक हुई। यह पहल अनुपम कुलश्रेष्ठ, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर ने अपनी टीम यमुना प्रसाद, पुलिस उपमहानिरीक्षक, कानपुर परिक्षेत्र, कानपुर व अभिषेक भारती, पुलिस अधीक्षक, औरैया के साथ मिलकर की है। अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन के मार्गदर्शन में अभिषेक भारती, पुलिस अधीक्षक, औरैया ने प्रेजेंटेशन दिया।